MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 02 अक्टूबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-270

9/11 बाल-बाल बचे!

खौफ के वो 30 सेकेंड...

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)।

फ्लाईदुबई की उड़ान एफ़जेड1073 में सवार 174 यात्रियों के लिए उड़ान के दौरान कुछ सेकेंड बेहद डरावने रहे।

भारतीय कैप्टन स्मित मछार ने इस संकट के बीच विमान को संभालने में अहम भूमिका निभाई। 30 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर करीब 30 सेकेंड तक विमान के साथ क्या हुआ, अब उड़ान ट्रैकिंग मंच फ्लाइटरडार24 से मिले नए और विस्तृत आंकड़ों से इसकी तस्वीर सामने आई है। फ्लाइटरडार24 के अनुसार, विमान ने इस दौरान तेजी से नीचे आने, फिर तेजी से ऊपर जाने और दोबारा नीचे आने का घटनाक्रम दिखाया।

एक टीवी चैनल की टीम ने इन आंकड़ों का विश्लेषण किया और 3डी दृश्यांकन के जरिए उस घटनाक्रम को क्रमवार प्रस्तुत किया है। इसमें कुछ ही सेकेंड के भीतर विमान की ऊंचाई, रफ्तार और दिशा में हुए बड़े बदलाव दिखाई देते हैं।

30 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर शुरू हुआ घटनाक्रम

भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10:51:48 बजे विमान एफ़जेड107 करीब 387 नॉट्स, यानी लगभग 717 किलोमीटर प्रति घंटे की भू-गति से उड़ रहा था। इसके करीब 50 सेकेंड बाद, 10:52:38 बजे विमान की भू-गति बढ़कर 598 नॉट्स, यानी लगभग 1,108 किलोमीटर प्रति घंटे हो गई। यानी इसकी भू-गति में करीब 391 किलोमीटर प्रति घंटे का इजाफा हुआ।

इसी दौरान विमान ने अचानक अपनी दिशा बदल दी। उसने करीब 135 डिग्री का मोड़ लिया और पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर जाने लगा।

18 सेकेंड तक गायब रहा ट्रैकिंग डेटा

इस पूरे घटनाक्रम के बीच करीब 18 सेकेंड तक विमान की ट्रैकिंग का डेटा नहीं मिला। जब संकेत वापस आया तो विमान तेजी से नीचे आ रहा था।

10:52:07 बजे विमान करीब 30,875 फीट की ऊंचाई पर था। सिर्फ 29 सेकेंड बाद, 10:52:36 बजे यह करीब 16,750 फीट की ऊंचाई पर पहुंच गया। यानी सिर्फ 29 सेकेंड में विमान करीब 14,125 फीट, यानी लगभग 4.3 किलोमीटर नीचे आ गया।

अन्य रिपोर्टों में भी फ्लाइटरडार24 के आंकड़ों के आधार पर लगभग 14 हजार फीट की तेज गिरावट का उल्लेख किया गया है।

हर सेकेंड करीब 487 फीट नीचे आया विमान

विमान के नीचे आने की औसत रफ्तार करीब 487 फीट प्रति सेकेंड रही। इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि विमान के नीचे आने की गति लगभग 535 किलोमीटर प्रति घंटे थी। आधे मिनट से भी कम समय में विमान करीब 4.3 किलोमीटर नीचे आ गया। इस गिरावट को समझाने के लिए आजतक की टीम ने 3डी दृश्य में ऊंची इमारतों और पहाड़ों से इसकी तुलना की है।

इसी औसत रफ्तार से यदि विमान नीचे आता तो बुर्ज खलीफा जितनी ऊंचाई की दूरी करीब 5.6 सेकेंड में तय हो जाती। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की 182 मीटर ऊंचाई करीब 1.2 सेकेंड में पार हो जाती। वहीं माउंट एवरेस्ट की 8,848 मीटर ऊंचाई के बराबर दूरी तय करने में करीब 59.5 सेकेंड लगते। यानी सिर्फ 29 सेकेंड में एफ़जेड1073 जितना नीचे आया, वह पांच से अधिक बुर्ज खलीफा की ऊंचाई के बराबर है।

32,600 फीट प्रति मिनट तक पहुंची नीचे आने की रफ्तार

करीब 10 सेकेंड तक विमान के नीचे आने की रफ्तार लगभग 32,600 फीट प्रति मिनट दर्ज हुई। यह उड़ान ट्रैकिंग प्रणाली में दिखाई देने वाली सबसे अधिक रफ्तार थी। इसका मतलब यह भी हो सकता है कि विमान वास्तविक रूप से इससे भी तेज नीचे आया हो।

▶8 पर

ओमानी पायलट चाहता है इजराइल

इजरायल जा रहे फ्लाईदुबई के विमान को कथित रूप से दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार ओमानी सह-पायलट को लेकर इजरायल ने सख्त रुख अपनाया है। इजरायल इस मामले की तह तक जाने के लिए संदिग्ध ओमानी सह-पायलट को अपनी हिरासत में लेकर पूछताछ करना चाहता है और उसके प्रत्यर्पण की मांग करने की तैयारी कर रहा है। हालांकि, इस मामले में कूटनीतिक और कानूनी पेच भी सामने आ रहे हैं। संदिग्ध फिलहाल सऊदी अरब में हिरासत में है, जहां विमान की आपात लैंडिंग के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। सऊदी अरब और ओमान, दोनों के इजरायल के साथ राजनयिक संबंध नहीं हैं। इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर ने कहा है कि वह ओमान के उस सह-पायलट के प्रत्यर्पण की मांग करेंगे, जिस पर तेल अवीव जा रहे फ्लाईदुबई विमान को दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश का आरोप है। यह कदम उस गंभीर घटना के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें भारतीय कप्तान स्मित मछार पर कथित रूप से हमला किया गया था।

कॉकपिट में विवाद के बाद तबुक में हुई आपात लैंडिंग

संदिग्ध ओमानी सह-पायलट फिलहाल सऊदी अरब में हिरासत में है। फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड 1073 दुबई से तेल अवीव जा रही थी। उड़ान के दौरान कॉकपिट में दोनों पायलटों के बीच संघर्ष हुआ। इजरायली अधिकारियों के अनुसार, सह-पायलट ने भारतीय कप्तान स्मित मछार पर चाकू से हमला किया और इसके बाद विमान तेजी से नीचे

जाने लगा। विमान को बाद में सऊदी अरब के तबुक हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। विमान में 174 लोग सवार थे।

बेन-गवीर ने प्रत्यर्पण के लिए सभी उपलब्ध विकल्प अपनाने की बात कही

सुरक्षा मंत्रिमंडल के सदस्य बेन-गवीर ने कहा कि वह सुरक्षा मंत्रिमंडल की बैठक में न्याय मंत्रालय और राजनयिक अधिकारियों से संदिग्ध को इजरायल लाने के लिए उपलब्ध सभी कानूनी एवं राजनयिक विकल्पों का इस्तेमाल करने को कहेंगे, ताकि उससे पूछताछ की जा सके और मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके।

हालांकि, सऊदी अरब और ओमान के इजरायल के साथ राजनयिक संबंध नहीं होने के कारण सीधे प्रत्यर्पण की प्रक्रिया जटिल हो सकती है। रिपोर्टों के अनुसार, सऊदी अरब की प्रारंभिक जांच के बाद संदिग्ध को संयुक्त अरब अमीरात की हिरासत में दिए जाने की संभावना भी सामने आई है। संयुक्त अरब अमीरात और इजरायल के बीच राजनयिक संबंध हैं, ▶8 पर

मोदी शरणम्

रेवंत मांगेंगे सूखा सहायता, दगा दे गई बारिश

ओमप्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 1 अक्टूबर।

तेलंगाना सरकार ने 1 अक्टूबर को हुई कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के लंबित डीए-डीआर, राज्य में बारिश की कमी, धान खरीद, बिजली की बढ़ती मांग, सिंचाई परियोजनाओं और डिजिटल मीडिया नीति सहित कई मुद्दों पर चर्चा के बाद निर्णय लिए गए।

कैबिनेट ने सरकारी कर्मचारियों के दो लंबित महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनरों के महंगाई राहत (डीआर) जारी करने को मंजूरी दी है। बकाया राशि का भुगतान किस्तों में किया जाएगा। इस फैसले से सरकार पर हर साल करीब 2,500 करोड़ रुपये का वित्तीय भार पड़ने का अनुमान है।

कैबिनेट बैठक में राज्य में बारिश की कमी और अल नीनो की स्थिति पर चर्चा हुई। राज्य में सामान्य से 17 प्रतिशत कम बारिश दर्ज होने तथा करीब 235 मंडलों में सूखे जैसे हालात की जानकारी दी गई। सरकार इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाएगी और केंद्र सरकार से आवश्यक सहायता मांगने का निर्णय लिया गया है।खरीफ सीजन में किसानों से धान खरीद के लिए जल्द ही खरीद केंद्र शुरू किए जाएंगे। नागरिक आपूर्ति विभाग के अनुसार इस सीजन में करीब 65 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का अनुमान है। किसानों से खरीद की व्यवस्था समय पर शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

राज्य में बिजली की अधिकतम मांग 19,892 मेगावाट तक पहुंच गई है। पिछले वर्ष यह मांग 16,613 मेगावाट थी। बढ़ती बिजली की जरूरत को देखते हुए कैबिनेट ने करीब 7,800 मेगावाट नई अक्षय ऊर्जा क्षमता विकसित करने की योजनाओं को मंजूरी दी है। इसमें सौर ऊर्जा, बैटरी भंडारण और पवन ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं। ▶8 पर

तरकश में नये तीर

यूपी बीजेपी मोर्चा टीमों का ऐलान

लखनऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संगठनात्मक स्तर पर पांच मोर्चों की नई टीमों का ऐलान किया है। पिछड़ा वर्ग मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा, किसान मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा और महिला मोर्चा की नई टीमों की घोषणा की गई है। इनमें प्रदेश पदाधिकारियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में क्षेत्रीय स्तर पर भी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की मंजूरी के बाद इन नियुक्तियों की घोषणा की गई।अनुसूचित जाति मोर्चा की नई टीम में पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री और मोहनलालगंज के पूर्व सांसद कौशल किशोर के बेटे विकास किशोर को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, अनस साजिद उस्मानी को भाजपा उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बड़ी टीम घोषित

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की मंजूरी के बाद पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल ने प्रदेश पदाधिकारियों और क्षेत्रीय अध्यक्षों की सूची जारी की। नई टीम में 12 प्रदेश उपाध्यक्ष, 4 प्रदेश महामंत्री और 12 प्रदेश मंत्री बनाए गए हैं।

प्रदेश उपाध्यक्षों में रामचंद्र प्रधान, महेंद्र सिंह सैनी, अशोक पाल, सविंदर भाटी, हेमंत परिहार, डॉ. सुरेंद्र सिंह भागौर, अर्जुन राजभर, राम नरेश वर्मा, नीरज गुप्ता, मनोज कश्यप, अरविंद मौर्य और सुशील कटियार शामिल हैं।प्रदेश महामंत्रियों में प्रणीत भाटी, ज्योति सोनी, शिवनाथ चौधरी और ऋषि चौरसिया को जिम्मेदारी दी गई है।

छह क्षेत्रों में क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने संगठन के छह क्षेत्रों के लिए भी क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए हैं। गोरखपुर में रवि प्रकाश चौहान उर्फ मोहन चौहान, काशी में इंद्र भूषण मौर्य, अवध में नीरज कटियार, कानपुर में मनोज राजपूत, ▶8 पर

ममता हटाओ

इंडिया ब्लॉक से बागी गुट की माँग

कोलकाता, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी राजनीतिक खींचतान के बीच ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस ने विपक्षी खङ्ख्रखअ गठबंधन में शामिल होने की इच्छा जताई है। हालांकि, पार्टी ने इसके लिए एक शर्त भी रखी है। पार्टी के मुख्य सचेतक मोहम्मद अखरुज्जमान ने कहा है कि गठबंधन में शामिल होने के लिए ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन से बाहर करना होगा। यह बयान 1 अक्टूबर को सामने आया।

ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए

अखरुज्जमान ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी से सीधे अपील करते हुए ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी का गुट भाजपा की 'बी-टीम' की तरह काम करता है। उनका दावा है कि संसद में महत्वपूर्ण विधेयकों और संकट के समय ममता बनर्जी का गुट कई बार सदन से बाहर चला गया या अनुपस्थित रहा, जिससे सरकार को लाभ मिला। ये आरोप अखरुज्जमान के हैं और इन पर ममता बनर्जी या उनके गुट की प्रतिक्रिया इस रिपोर्ट में शामिल नहीं है।

2024 के लोकसभा चुनाव का भी किया जिक्र

अखरुज्जमान ने 2024 के लोकसभा चुनाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने विपक्षी गठबंधन की एकजुटता को नुकसान पहुंचाया और राहुल गांधी को पश्चिम बंगाल में प्रचार करने से रोका। उन्होंने कहा कि जब भी भाजपा के खिलाफ लड़ाई तेज होती है, ममता बनर्जी गठबंधन से अलग हो जाती हैं।

अखरुज्जमान ने कहा कि यदि इंडिया गठबंधन का उद्देश्य भाजपा के खिलाफ मजबूती से लड़ना है तो ममता बनर्जी को गठबंधन से बाहर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि गठबंधन नेतृत्व ममता बनर्जी को बाहर करता है तो डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस गठबंधन में शामिल होने और उसे मजबूत करने के लिए तैयार है। ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

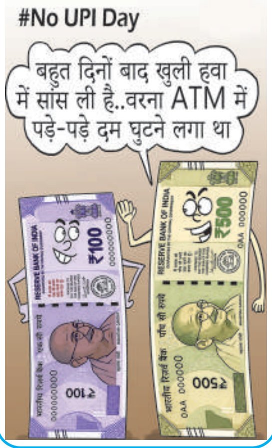

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32°
न्यूनतम : 21°

ओवैसी दरवाजे खुले

योगी की हैट्रिक रोकने रणनीति

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएम आईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर गठबंधन के संकेत दिए हैं। उन्होंने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता में आने से रोकना चाहती है। इसके लिए वह अन्य राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन करने के लिए तैयार है। हालांकि, गठबंधन किस राजनीतिक दल के साथ होगा, इस पर उन्होंने अभी किसी दल का नाम नहीं बताया है।

छत्रपति संभाजीनगर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ओवैसी ने बिहार में अपनी पार्टी के साथ हुए घटनाक्रम का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बिहार में जब एआईएमआईएम के चार विधायक पार्टी छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हो गए थे, तब उनकी पार्टी ने गठबंधन के तहत केवल छह सीटें मांगी थीं। इसके बावजूद किसी ने उनकी पार्टी के पक्ष में आवाज नहीं उठाई।

ओवैसी ने कहा कि इसके बाद उनकी पार्टी ने दोबारा चुनाव लड़ा और जनता के समर्थन से पांच सीटों पर जीत हासिल की। उन्होंने इस अनुभव का उल्लेख करते हुए उत्तर प्रदेश में संभावित गठबंधन को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, ओवैसी ने इससे पहले भी बिहार में छह सीटों की मांग किए जाने की बात कही थी।

▶8 पर

दिग्गज निवेश सलाहकार की भविष्यवाणी

मुसीबत आने वाली है!

चेन्नई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चेन्नई के निवेश सलाहकार मुथुकृष्णन दंडपाणि की 29 सितंबर की शाम 7 बजे सामाजिक माध्यम एक्स पर की गई एक पोस्ट चर्चा में है। अपनी पोस्ट में उन्होंने भविष्य में संभावित आर्थिक संकट की आशंका का उल्लेख करते हुए लोगों को वित्तीय रूप से तैयार रहने की सलाह दी है। उन्होंने विशेष रूप से सुरक्षित रिजर्व या आपातकालीन निधि बनाने, नया कर्ज लेने से बचने और लंबी अवधि की नई वित्तीय जिम्मेदारियां लेने में सावधानी बरतने की बात कही है। दंडपाणि ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं कोई भविष्य बताने वाला नॉस्ट्रैडेमस नहीं

हूं। मैं सिर्फ पिछले दो सालों से उन संभावनाओं के बारे में आगाह करता आ रहा हूं, जो मुझे दिखाई दे रही थीं। मैं इसे एक बार फिर दोहराता हूं। पूरी कोशिश करके एक सुरक्षित रिजर्व या आपातकालीन निधि बनाएं, जो आपके परिवार के तीन साल के पूरे खर्चों को कवर कर सके। उन्होंने आगे कहा, कर्ज न लें। कोई नया लोन तो बिल्कुल न लें। रियल एस्टेट या घर खरीदने जैसी लंबी अवधि की जिम्मेदारियों में खुद को न बांधें।

दंडपाणि ने लोगों को नौकरी और भूमिका को लेकर अत्यधिक चिंता करने के बजाय आय को सुरक्षित करने पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने लिखा, नौकरी और रोल को लेकर बहुत ज्यादा न सोचें। अभी समय है इनकम पक्की करने पर ध्यान देने का।

उन्होंने यह भी कहा, ऐसा नहीं है कि आसमान टूट पड़ने वाला है। दुनिया ने पहले भी ऐसे संकटों का सामना किया है। भविष्य में भी करेगी।

▶8 पर

बातचीत फेल होते ही अमेरिका ने ईरानी डेलिगेशन को भगाया

वाशिंगटन

डिप्लोमेसी की दुनिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक नए स्तर पर पहुंच गया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में आए ईरानी प्रतिनिधिमंडल को अमेरिका ने तत्काल देश छोड़ने का आदेश दिया। यह घटनाक्रम कतर की मध्यस्थता में चल रही दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण बातचीत के बेनतीजा रहने के ठीक बाद हुआ। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के निर्देश पर, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची समेत पूरे प्रतिनिधिमंडल को न्यूयार्क से तुरंत निकलने को कहा गया। यानी, जो प्रतिनिधिमंडल बातचीत और कूटनीति के लिए अमेरिका आया था, उसे मेजबान देश ने बातचीत ठप पड़ते ही वापस जाने का रास्ता दिखा दिया। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने सोमवार को ईरानी प्रतिनिधिमंडल को तुरंत अमेरिका छोड़ने का आदेश दिया था।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कतर की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच गहन बातचीत चल रही थी, लेकिन दोनों पक्ष अपनी-अपनी शर्तों से पीछे हटने को तैयार नहीं हुए। नतीजतन, बातचीत गतिरोध में पहुंच गई। अमेरिकी अधिकारियों ने आरोप लगाया कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल अपनी मेजबानी के तय समय से ज्यादा वक्त तक अमेरिका में रुका था और अब उनके जाने का वक्त आ गया था। हालांकि, एक अन्य सूत्र ने कहा कि अब्बास अराघची वैसे भी सोमवार रात तेहरान लौटने वाले थे। व्हाइट हाउस को सोमवार सुबह तक उम्मीद थी कि ईरान के साथ बातचीत में कुछ प्रगति हो सकती है, लेकिन शाम होते-होते यह साफ हो गया कि दोनों पक्ष किसी समझौते पर पहुंचने से दूर हैं। इसके बाद, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी मिशन ने ईरानी मिशन को संदेश दिया कि अराघची समेत पूरे प्रतिनिधिमंडल को तुरंत न्यूयार्क छोड़ना होगा। आदेश मिलने के कुछ ही घंटों बाद, ईरानी प्रतिनिधिमंडल एयरपोर्ट पहुंचा। अराघची और उनके साथ मौजूद अधिकारी मंगलवार तड़के 1:20 बजे न्यूयार्क से दोहा जाने वाली उड़ान में सवार हुए। वहां से वे ईरान लौटने वाले थे। यह घटनाक्रम ऐसे संवेदनशील वक्त पर हुआ है जब कतर अमेरिका और ईरान के बीच समझौते की कोशिश कर रहा है। कतर के मध्यस्थ दोनों पक्षों के सामने एक समझौता प्रस्ताव रखने और उस पर बातचीत आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल न तो अमेरिका और न ही ईरान अपने रुख से पीछे हटता दिखाई दे रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अलग-अलग देशों के प्रतिनिधि न्यूयार्क में मौजूद रहते हैं और ऐसे मौकों पर पर्दे के पीछे बातचीत के रास्ते खुले रहते हैं, लेकिन अमेरिका और ईरान के मामले में माहौल इतना बिगड़ चुका है कि बातचीत रुकते ही कूटनीतिक तल्खी भी खुलकर सामने आ गई।

न्यूज़ ब्रीफ

जिम्बाब्वे में हेलिकाप्टर हादसा, राष्ट्रपति के करीबी उद्योगपति विकनेल चिवायो समेत छह की मौत

हरारे (जिम्बाब्वे)। जिम्बाब्वे के मरोनडेरा में बुधवार को हेलिकाप्टर क्रैश हो गया। इसके बाद उसमें आग लग गई। हेलिकाप्टर में चार यात्री और दो क्रू मेंबर सवार थे। हादसे में सभी छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 43 वर्षीय उद्योगपति विकनेल चिवायो और उनकी पत्नी लूसी मुतेके भी शामिल हैं। चिवायो को राष्ट्रपति एमर्सन मनांगाग्वा का करीबी माना जाता था। जिम्बाब्वे के अखबार न्यूज डे की रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा राजधानी हरारे से करीब 70 किलोमीटर पूर्व मरोनडेरा में गिरा। पुलिस को हादसे की जानकारी बुधवार शाम करीब पां बजे मिली। हादसा किस वजह से हुआ, यह अभी साफ नहीं है। विकनेल चिवायो इंट्राट्रेक जिम्बाब्वे के संस्थापक थे। यह कंपनी एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े प्रोजेक्ट्स में काम करती थी। चिवायो ग्वांडा सोलर प्रोजेक्ट जैसे सरकारी ठेकों को लेकर भी चर्चा में रहे। वे अपनी शानदार जीवनशैली और सोशल मीडिया पोस्ट के लिए भी जाने जाते रहे हैं। चिवायो महंगी कारों और लग्जरी हेलीकाप्टरों के साथ अपनी तस्वीरें शेयर करते रहे हैं। चिवायो दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो, तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन और इस्वातिनी के किंग मस्वाती तृतीय समेत कई बड़े नेताओं के करीबी रहे हैं। चिवायो पर जिम्बाब्वे और आसपास के देशों में सरकारी ठेकों और चुनावी फंडिंग से जुड़े आरोप लगे थे। उन्होंने इन आरोपों से इनकार किया था।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर हवाई हमला, 22 आतंकियों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हवाई हमला करके 22 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। तालिबान सरकार ने कहा कि पाकिस्तान के हवाई हमले में नौ आम नागरिकों की मौत हो गई। द न्यूज और द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने बताया कि यह हमले आपरेशन गजब-ल-हक का हिस्सा हैं। वायु सेना के विमानों ने आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाया गया। इस हमले में शिविरों में एकत्र हथियार और गोला-बारूद भी नष्ट हो गया। मंत्रालय ने चिंता व्यक्त की कि अफगानिस्तान आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है। इसके अलावा, रक्षा सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने बलोचिस्तान के कच्छी जिले में छह आतंकवादियों को मार गिराया। सूत्रों के अनुसार, इनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इस दौरान आतंकवादियों के कई ठिकानों व सुरंगों को नष्ट कर दिया गया। तालिबान सरकार का कहना है कि गुरुवार को अफगानिस्तान में पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक में तीन स्थानों को लक्ष्य किया गया। इस दौरान नौ लोगों की मौत हो गई। अफगान तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर कहा कि कुनार और हेलमंद प्रांतों में हुए हमलों में मारे गए लोगों में औरतें और बच्चे भी शामिल हैं और 11 और लोग घायल हुए हैं ।

अमेरिका में मौत की सजा पाने वाली महिला पर दो बार जानलेवा इंजेक्शन का असर नहीं हुआः रिपोर्ट

मास्को। अमेरिका में मौत की सज़ा पाने वाली क्रिस्टा गेल पाइक पर दो बार जानलेवा इंजेक्शन का असर नहीं हुआ और उन्हें मारने की कोशिश नाकाम रही। रिपोर्ट के मुताबिक, महिला को पेंटोबार्बिटल की दो डोज़ दी गईं लेकिन आखिरी डोज़ दिए जाने के 40 मिनट बाद भी वह ज़िंदा थी। फाक्स न्यूज़ ने पाइक के वकील के हवाले से बताया कि, गवाहों को उस जगह से हटा दिया गया जहाँ सजा दी जानी थी, जिसके बाद टेनेसी डिपार्टमेंट आफ़ करेक्शंस ने पुष्टि की कि पाइक ज़िंदा बच गई हैं। पाइक को 1995 में 19 साल की एक महिला की हत्या का दोषी ठहराया गया था। टेनेसी में वह 200 से ज़्यादा सालों में मौत की सज़ा पाने वाली पहली महिला बनने वाली थीं। द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना के बाद टेनेसी के गवर्नर बिल ली ने आदेश दिया कि साल के अंत तक मौत की सज़ा देने की प्रक्रिया रोक दी जाए। ली ने कहा, कानूनी तौर पर दी गई सज़ा को लागू करना राज्य की सबसे गंभीर ज़िम्मेदारियों में से एक है और टेनेसी के लोग उम्मीद करते हैं कि यह काम ऐसे तरीके से किया जाए जो न सिर्फ़ कानूनी और संवैधानिक हो बल्कि असरदार भी हो। गैर-लाभकारी संस्था डेथ पेनल्टी इंफार्मेशन सेंटर की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राबिन माहेर ने इस घटना को अनोखी और बेमिसाल बताया।

स्लीवलेस ड्रेस पहनकर गाना गाने पर ईरानी सिंगर को मारे जाएंगे 74 कोड़े

कोर्ट के फैसले से कई मानवाधिकार समूह नाराज, इसे यातना का एक रूप बताया

तेहरान

ईरान की मशहूर गायक परस्तू अहमदी ने दिसंबर 2024 में अपने यूट्यूब चैनल पर एक कान्सर्ट किया था। इस कान्सर्ट में उन्होंने स्लीवलेस ड्रेस पहनकर गाना गाया था। जिसके बाद उन्हें 74 कोड़े मारने की सजा सुनाई गई थी। इस फरमान को ईरान की एक कोर्ट ने बरकरार रखा है। ईरानी अदालत के इस फैसले से मानवाधिकार समूहों में नाराजगी है। उन्होंने इसे यातना का एक रूप बताया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जून में अहमदी और उनकी प्रोडक्शन टीम के आठ सदस्यों को कोम शहर की एक कोर्ट ने सजा सुनाई थी। कोर्ट ने कहा था कि ग्रुप ने देश के कानूनी और सांस्कृतिक नियमों का उल्लंघन किया है और इस परफार्मेंस को अश्लील और भद्दा बताया। ईरान के हिजाब और शालीनता कानून के तहत जिसे 2024 में पास किया गया था लेकिन अभी तक आधिकारिक तौर पर लागू नहीं किया गया है, जो महिलाएं अश्लीलता, बिना हिजाब के रहने या गलत तरीके से कपड़े पहनने को बढ़ावा देती पाई जाती हैं, उन्हें कड़ी सजा का सामना करना पड़ सकता है। इनमें जुर्माना, कोड़े मारना और बार-बार ऐसा करने वालों के लिए 5 से 15 साल तक की जेल की सजा है। वकीलों का कहना है कि पिछले हफ्ते सुनाया गया यह फैसला हैरानी की बात नहीं थी, क्योंकि ईरानी न्यायपालिका के प्रमुख ने हाल ही में कहा था कि सरकार को हिजाब न पहनने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई से होने वाले हंगामे से डरना नहीं चाहिए। उम्मीद है कि अहमदी और उनकी प्रोडक्शन टीम को अगले तीन महीनों के अंदर कोड़े मारने की सजा दी जाएगी। मानवाधिकारों ने कहा कि इस कान्सर्ट को नियमों को चुनौती देने वाले काम के तौर पर देखा जा रहा है, न सिर्फ इसलिए कि एक महिला बिना हिजाब के गा रही है, बल्कि इसलिए भी कि वह क्रांति से पहले के पुराने लोकप्रिय गाने गा रही है। ईरान के बाहर रहने वाले ईरानी एक्टिविस्ट्स के लिए कानूनी सलाह देने वाले सेंटर डैडबान के मानवाधिकार वकील ने कहा कि यह फैसला इंसानियत के खिलाफ है।

फ्लाईदुबई विमान घटना की यूएई में जांच, पायलट के कनेक्शन और तैनाती पर उठे सवाल

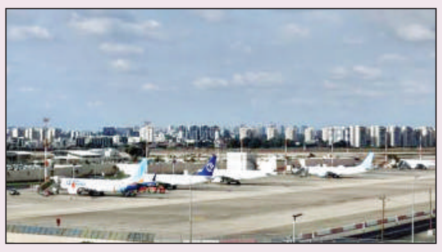

दुबई। फ्लाईदुबई की उड़ान में कथित तौर पर हुई काकपिट पर कब्जे की कोशिश के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने मामले की जांच शुरू की है। जांच में आरोपी ओमानी पायलट के संभावित आतंकी संबंधों के साथ-साथ घटना के पीछे की मंशा का पता लगाया जाएगा। जांच अधिकारियों के सामने यह सवाल भी है कि ओमान का नागरिक होने के बावजूद वह तेल अवीव जाने वाली उड़ान में पायलट के रूप में कैसे तैनात था। रिपोर्टों के मुताबिक, संबंधित उड़ान यूएई से इजरायल के लिए संचालित हो रही थी। इसके बाद पायलट की राष्ट्रीयता को लेकर सवाल उठे हैं। यूएई और इजरायल ने 2020 में अब्राहम समझौते के तहत राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। इसी संदर्भ में उड़ानों पर तैनात चालक दल के सदस्यों की पात्रता को लेकर भी जांच की जा रही है। बताया गया है कि आरोपी पायलट ने करीब आठ महीने पहले फ्लाईदुबई में नौकरी शुरू की थी। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने घटना को गंभीर बताकर इसकी तुलना 9/11 जैसे विमान हमले की आशंका से की। उनके अनुसार, पायलट ने विमान को आत्मघाती हथियार में बदलने की कोशिश की हो सकती है। नेतन्याहू ने भारतीय कैप्टन की भूमिका की सराहना कर कहा कि उन्होंने स्थिति को संभालने के लिए साहस दिखाया और काकपिट का दरवाजा खोल दिया, जिसके बाद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने आरोपी को काबू करने में मदद की। नेतन्याहू ने सवाल उठाया कि सुरक्षा जांच से गुजरने के बावजूद आरोपी पायलट विमान के भीतर धारदार वस्तु कैसे ले जा सका। उन्होंने बताया कि आरोपी से सऊदी अरब में पूछताछ की जा रही है और आरोपी को यूएई भेजने की संभावना है, जहां आगे की जांच हो सकती है।

नेपाल ने त्योहारों से पहले तातोपानी नाका खोलने की पहल तेज की, चीन कोरला नाका खोलने के पक्ष में

काठमांडू

नेपाल सरकार ने उत्तरी सीमा नाकों को फिर से खोलने की पहल तेज कर दी है। नेपाल ने आगामी त्योहारों से पहले तातोपानी नाका खोलने का प्रस्ताव चीन के सामने रखा है। हालांकि, अधिकारियों के अनुसार चीन कोरला नाका खोलने में रुचि दिखा रहा है और पहले वहां की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण करना चाहता है।

फिलहाल उत्तर की ओर स्थित तातोपानी, रसुवागढ़ी और कोरला— तीनों प्रमुख व्यापारिक नाके बंद हैं। इसके कारण नेपाल-चीन जमीनी व्यापार पूरी तरह ठप है तथा आयात निर्यात भी प्रभावित है।

पिछले सोमवार को विदेश मंत्रालय के सहसचिव रामकाजी खड्का के नेतृत्व में नेपाल स्थित चीनी दूतावास, सीमा शुल्क विभाग और सड़क विभाग के अधिकारियों ने सिंधुपालचोक स्थित तातोपानी नाका की ओर जाने वाली सड़क का स्थलीय निरीक्षण किया। नेपाली अधिकारियों के अनुसार, यह निरीक्षण चीनी अधिकारियों के प्रस्ताव पर किया गया था।

सरकारी अधिकारियों का कहना है कि तातोपानी नाका की ओर सड़क के जरिए चीनी सामान आयात करने में फिलहाल कोई बड़ी समस्या नहीं है। हालांकि, चीनी पक्ष ने कोरला की ओर जाने वाली सड़क का भी स्थलीय निरीक्षण करने का प्रस्ताव रखा है।

विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, चीन की ओर से कोरला को स्थायी सीमा नाका बनाने की बात कही जा रही है। चीनी पक्ष को कोरला क्षेत्र की सड़क की स्थिति का भी निरीक्षण करना है। इसके लिए जल्द ही वहां जाने की तैयारी की जा रही है।

अधिकारी के मुताबिक, आगामी रविवार या सोमवार तक चीनी अधिकारियों के साथ विदेश, वित्त और भौतिक पूर्वाधार विकास मंत्रालय के प्रतिनिधियों के मुस्तांग जाकर सड़क का निरीक्षण करने की तैयारी है।

उत्तर की ओर सभी नाके बंद होने से नेपाल-चीन व्यापार लगभग ठप है। दशहरा और दिवाली छठ जैसे प्रमुख त्योहार नजदीक होने के कारण सरकार को चिंता है कि जरूरी सामानों का आयात प्रभावित होने से बाजार में कीमतें बढ़ सकती हैं। इसी वजह से सरकार सीमा नाकों को जल्द खोलने के लिए प्रयास कर रही है। चीन की ओर से कोरला नाके को स्थायी बनाने की इच्छा जताए जाने के बाद नेपाली अधिकारियों का कहना है कि मौसम के कारण कोरला नाका पूरे साल संचालित करना संभव नहीं है। इसके अलावा हाल की बाढ़ और भूस्खलन से कई स्थानों पर सड़कें बाधित हुई हैं।

आईएईए परमाणु मुद्दों पर काम करते समय ईरान की मांगों पर विचार करने को तैयार : ग्रोसी

संयुक्त राष्ट्र। इंटरनेशनल एटामिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के डायरेक्टर जनरल राफेल ग्रोसी ने कहा कि परमाणु मुद्दों पर तेहरान के साथ सहयोग बढ़ाते समय एजेंसी ईरान की ज़रूरतों को ध्यान में रखने के लिए तैयार है। ग्रोसी ने रूसी एजेंसी रिया नोवोस्ती को दिए एक इंटरव्यू में कहा, हम इसे सम्मानजनक तरीके से कर सकते हैं। हम इसे ऐसे तरीके से कर सकते हैं जिसमें उनकी ज़रूरतों का ध्यान रखा जाए लेकिन परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने का काम जारी रहना चाहिए और आईएईए के बोर्ड आफ़ गवर्नर्स ने कई बार यह बात दोहराई है। वहीं, राफेल ग्रोसी ने बताया कि यूक्रेन में चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच उच्च-स्तरीय बातचीत बहुत ज़रूरी है। ग्रोसी ने एक इंटरव्यू में कहा, मुझे लगता है कि राष्ट्रपति स्तर की कूटनीति बहुत ज़रूरी है। मैंने न सिर्फ़ राष्ट्रपति ट्रंप को बल्कि राष्ट्रपति पुतिन को भी - जिनसे मैंने इस बारे में कई बार बात की है, मास्को में (अमेरिकी) स्पेशल एनवाय स्टीव विटकोफ़ और जेरेड कुशनर से बात करते देखा है और मेरा मानना है कि यह बेहद अहम है।

पाकिस्तान के लाहौर में 10 दिवसीय बसंत उत्सव 29 जनवरी से

लाहौर (पंजाब) पाकिस्तान

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने 10 दिवसीय बसंत उत्सव को मंजूरी प्रदान की है। यह उत्सव अगले साल 29 जनवरी से 7 फरवरी के मध्य राजधानी लाहौर में मनाया जाएगा। मरियम ने एक बयान में कहा कि बसंत उत्सव से पंजाब की ऐतिहासिक सांस्कृतिक परंपरा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उत्सव के दौरान नागरिकों की सुरक्षा के लिए कड़े उपाय सुनिश्चित करें।

द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब की सूचनामंत्री अज़मा बुखारी ने बुधवार को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर 10 दिवसीय बसंत उत्सव की जानकारी साझा की। पंजाब की मंत्री ने कहा कि कश्मीर दिवस के कारण 5 फरवरी को बसंत उत्सव एक दिन के लिए रोका जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री मरियम ने 18 साल के अंतराल के बाद लाहौर में 12 से 14 मार्च, 2027 तक तीन दिन के बसंत उत्सव की घोषणा की थी।

उन्होंने एक एक्स पोस्ट में कहा था कि लाहौर एक बार फिर रंग, संस्कृति, उत्सव, संगीत, ऊर्जा और शानदार मेहमाननवाजी से जीवंत हो उठेगा।

पंजाब सरकार के पतंग उड़ाने पर लगी रोक हटाने के बाद लाहौर ने पिछली फरवरी में दो दशकों से अधिक समय बाद अपना पहला बसंत उत्सव मनाया था।

सख्त नियमों के तहत आयोजित तीन दिवसीय उत्सव ने प्रांत की राजधानी में त्योहार का माहौल बना दिया था। सड़कों और गलियों में सजावट की गई थी। इस अवसर पर सरकार ने मुफ्त परिवहन सेवा की भी घोषणा की थी। वरिष्ठ प्रांतीय मंत्री मरियम औरंगजेब ने बसंत के सफल आयोजन को लाहौर और पाकिस्तान की जीत बताते हुए कहा था कि अगले साल और भी शानदार बसंत देखने को मिलेगा।

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित 620 मेगावाट की 19 बिजली परियोजनाएं तत्काल शुरु नहीं होंगी

काठमांडू

नेपाल में हाल में आई दो बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं से प्रभावित 620 मेगावाट क्षमता की 19 बिजली परियोजनाएं तत्काल संचालन में नहीं आ पाएंगी। भोटेकोशी में आई बाढ़ और पिछले हफ्ते भर हुई भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से कुल 1,292 मेगावाट बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ था। इनमें 620 मेगावाट क्षमता की 19 परियोजनाओं को तत्काल फिर से शुरू करना संभव नहीं दिख रहा है।

नेपाल विद्युत प्राधिकरण के अनुसार 26 अगस्त को आई बाढ़ से प्रभावित 430.8 मेगावाट क्षमता की 12 परियोजनाएं भी तत्काल संचालन में नहीं आ पाएंगी। इनमें 111 मेगावाट की रसुवागढ़ी, 78 मेगावाट की सान्जेन, 60 मेगावाट की अपर त्रिशूली-3ए, 42.5 मेगावाट की लोअर सान्जेन, 24 मेगावाट की त्रिशूली और 25 मेगावाट की एनईए सोलर परियोजना शामिल हैं। इसी तरह 22.1 मेगावाट की चिलिमे, 20 मेगावाट की लांगटांग, 14.8 मेगावाट की अपर सान्जेन, 14.3 मेगावाट की अपर मैलुंग, 14.1 मेगावाट की देवीघाट और 5 मेगावाट की मैलुंग खोला जलविद्युत परियोजना भी प्रभावित हुई हैं।

इनमें अधिकांश परियोजनाएं बाढ़ से प्रभावित हुई हैं। बाढ़ के कारण इनके पावरहाउस, बांध और अन्य संरचनाओं को नुकसान पहुंचा है। विद्युत प्राधिकरण के अनुसार, इन सभी परियोजनाओं का पुनर्निर्माण करना पड़ेगा।

इसी तरह 16-20 सितंबर तक लगातार हुई बारिश के बाद बाढ़ और भूस्खलन से 220 केवी कालीगंडकी कारिडोर के कुश्मा-दाना खंड को नुकसान पहुंचा है। इसके कारण 190 मेगावाट क्षमता की सात परियोजनाओं का बिजली उत्पादन रुक गया है। बाढ़ से इस ट्रांसमिशन लाइन के तीन टावर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके चलते कुश्मा से ऊपर के क्षेत्र में स्थित बिजली परियोजनाओं की बिजली राष्ट्रीय प्रसारण लाइन में नहीं जोड़ी जा पा रही है।

इन परियोजनाओं में नीलगिरि-1 (38 मेगावाट), नीलगिरि-2 (71 मेगावाट), मिस्त्री (42 मेगावाट), थापाखोला (13.6 मेगावाट), घारखोला (14.8 मेगावाट), रेलेखोला (6 मेगावाट) और घलेम्दी (5 मेगावाट) शामिल हैं। प्रसारण संरचना की मरम्मत के बाद इन परियोजनाओं से बिजली आपूर्ति फिर शुरू होने में कुछ समय लगने का अनुमान है।

कुछ अन्य परियोजनाओं में संभावित नुकसान को रोकने के लिए उत्पादन अस्थायी रूप से बंद किया गया था। बाढ़ के दौरान बंद की गई 144 मेगावाट क्षमता वाली कालीगंडकी और मर्स्यांग्दी कारिडोर की परियोजनाओं समेत अन्य संयंत्रों में उत्पादन फिर शुरू हो चुका है।

40 मेगावाट की राहुघाट जलविद्युत परियोजना को हालांकि दोबारा संचालन में आने में अभी कुछ दिन और लग सकते हैं। करीब एक सप्ताह पहले ही परीक्षण उत्पादन शुरू करने वाली राहुघाट परियोजना के टेलरेस गेट और डक्ट में क्षति हुई है, जबकि टर्बाइन फ्लोर में पानी भर गया है। पानी निकालकर सफाई करने और परियोजना को फिर से शुरू करने में करीब 10 दिन लगने का अनुमान है। परियोजना का स्विचयार्ड सामान्य स्थिति में है और उसे चार्ज कर दिया गया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज ईष्ट मित्रों के साथ तीर्थ यात्रा का योग बन रहा है. परिवार के किसी सदस्य के साथ मंदिर में दर्शन के लिए भी जा सकते हैं. अगर आप कोई नया बिजनेस शुरू करना चाह रहे हैं, तो संबंधित क्षेत्र से जुड़े लोगों से एक बार सलाह जरूर ले लें. माता-पिता के आशीर्वाद से आज आपको काम में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे. दूसरों पर आपके काम और व्यवहार का पॉजिटिव असर पड़ेगा. पैसों से जुड़ा कोई पुराना लेन-देन सुलझ सकता हैं । छात्रों के लिए समय अच्छा रहेगा. हनुमानाष्टक का पाठ करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सुबह अरुणोदय के समय सूर्यको जल अर्पण करें और प्रणाम करें दिन भर शरीर मे उर्जा रहेगी जिसकी आप को जरुरत हैं । आप अपने प्रयास में अत्यधिक सफल भी होंगे । आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के परिवार के साथ संतोषमय जीवन का लाभ उठाएंगे.स्वास्थ्य के लिहाज से आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज कुछ दिक्कतें जरुर बन रही हैं परन्तु पैसों के मामले में आपका काम नहीं रुकेगा. आय के स्रोत यथावत रहेंगे . लोगों के मन में क्या चल रहा है, यह सोच कर चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं आप खुद समझदारी से निर्णय करें निजी और पारिवारिक जीवन में सफलता और संतुष्टी मिल सकती है. बिजनेस में मेहनत के दम पर सफलता मिलने के योग हैं. खर्चा करने के मामलों में मन पर नियंत्रण रखने की कोशिश करें. पारिवारिक मामले आसानी से सुलझ सकते हैं.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज विरोधी हानि पहुंचा सकते हैं परन्तु न्याय आप के पक्ष मे होगा व्यवसाय लाभदायक रहेगा. परिवार के साथ जीवन सुखमय रहेगा.. यात्रा मे भरपूर आनंद आएगा शिक्षा के क्षेत्र से जुडे हुए लोग पदोन्नति को प्राप्त होंगे घर सदस्यों के साथ कुछ मतभेद होंगे. किसी मित्र से जुड़ी हुई बुरी खबर आज सुनने को मिल सकती है. नौकरी में ऊपरी अधिकारियों की ओर से समर्थन मिलेगा. आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा. स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज व्यापारियों के साथ यात्रा का योग बन रहा हैं . महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है. आपको पेट से जुड़ी कोई समस्या हो सकती है. आज कोई व्यक्ति आपके विचारों को दबाने की कोशिश कर सकता है. आपको अपनी बातें दूसरों से शेयर करने से बचना चाहिए. आपकी आय में वृद्धि होने की उम्मीद नजर आ रही है । मेहनत का फल आपको जरूर मिलेगा. दाम्पत्य जीवन को बेहतर बनाये रखने के लिए आपको गलतफहमी में पड़ने से बचना होगा. कन्याओं को हलुआ पूरी खिलाए ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज अनजान व्यक्ति पर भरोसा करना चिंता का कारण बनेगा सतर्क रहने का प्रयास करें. तीव्र प्रगति के बावजूद आज आपको धीरे-धीरे आगे बढ़ने और व्यवस्थित रूप से काम करने की आवश्यकता है. आपको अनुशासित रहना चाहिए . वित्तीय मामलों में आपको संयम बरतना चाहिए और कोई भी नई प्रतिबद्धता बनाने से पहले दो बार सोचना चाहिए. पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा. कुंवारे जातको को खुशखबरी मिलेगी ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप आगें आकर रुके हुए काम को अपने हाथ मे लेनी की जरुरत होगी लेकिन दूसरों के निर्देशों को मानते हुए काम करना हो, आप के लिए मुश्किलें पैदा करेगा कामकाज ज्यादा रहेगा. आज मेहनत भी ज्यादा हो सकती है. इससे आपको बड़ा फायदा होगा. कोई नई चीज सीख सकते हैं. मांगलिक समारोह में भी शामिल होने के योग हैं. नये लोगों से मिलना फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप लेखक कार्य से जुडे हुए हैं या शिक्षा क्षेत्र मे अपना योगदान दे रहे हैं तो अधिक महनत करनी पड सकती हैं । जोखिम व जमानत के कार्य टालें. विवेक से कार्य करें. मनोरंजन के साधनों पर जरूरत से ज्यादा खर्च करने से बचें. किसी करीबी व्यक्ति से दूर हो सकते हैं. अचानक से आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है. किसी के साथ हुआ विवाद झगड़े का रूप धारण कर सकता है. मौन रहकर विवाद से दूरी बना रखें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज बहुत समय बाद लाभ की स्थिति बन रही हैं व्यापारी वर्ग का रूका हुआ काम आज तेजी के साथ आगे बढ़ेगा. आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी. जो वकील हैं, आज उन्हें किसी महत्वपूर्ण केस में सफलता मिलेगी. पाट्र्नर के साथ कोई नई मूवी देखने जा सकते हैं. जमीन के किसी पुराने लेन-देन से आज आपको फायदा मिल सकता है. जिन छात्रों को करियर संबंधी किसी प्रकार की परेशानी आ रही है, उन्हें आज बड़े भाई या बड़ी बहन से मदद मिलेगी. बच्चों को दूध शक्कर मिठाई दें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज घर परिवार ऑफिस मे सकारात्मक माहौल रहेगा और विकास की राह मिलेगी . आप लाभ के लिए तत्पर हैं. लंबे समय से लंबित पड़ा वांछित काम पूरा होगा. यदि आप विदेश जाने के इच्छुक हैं तो आप अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएंगे. परीक्षा के परिणाम आपके पक्ष में होंगे. पारिवारिक संबंध आनंददायक रहेंगें और परिवार में किसी के लिए पदोन्नति या बेहतरी के संकेत हैं. परिवार के साथ रिलैक्स मूड मे घूमने का प्रोग्राम बनाए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप सम्मानित होंगे सिनीयर आप की प्रशंसा करेंगे पार्टनर से सहयोग ओर फायदा मिल सकता है. नक्षत्रों की स्थिति अच्छी होने से दिन शुभ रहेगा. खर्च-निवेश का फैसला भी खुद ही करें. रोजमर्रा के काम भी समय पर पूरे होने के योग हैं. घर-परिवार और ऑफिस में आपको फायदा हो सकता है. आपको सहयोग भी मिल सकता है. ऐग्रिकल्चर मे इंवेस्टमेंट करें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज चारो ओर लाभ बनता हुआ दिखेगा परन्तु अन्तिम क्षण मे हानि मे परिवर्तित हो जाएगा आपका विचार किसी एक बात पर स्थिर नहीं रहेगा तथा उसमें लगातार परिवर्तन होता रहेगा. स्वभाव में उदासीनता छाई रहेगी. मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस-पास आज कुछ बड़े बदलाव करें. मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है. विदेश से अच्छी खबर मिलेगी. जो समस्या आपको परेशान कर रही है, उसकी जड़ तक जाने की कोशिश करें. सट्टेबाजी से दूर रहें ।

आज का पंचांग

दिनांक : 02 अक्टूबर 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आश्विन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी प्रातः 10:17 तक
नक्षत्र : मृगशिरा रात्रि 02:25 तक
योग : व्यतिपात सायं 06:17 तक
करण : वणिज प्रातः 10:17 तक
चन्द्रराशि : वृषभ सायं 03:41 तक
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:04 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:09 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:01 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 05:55 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : महात्मा गांधी-शास्त्री जयंती, सप्तमी श्राद्ध , भद्रा प्रातः 10:17 से रात्रि 09:06 तक

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान में 108वाँ स्थापना दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आई.सी.एम.आर.-राष्ट्रीय पोषण संस्थान (आईसीएमआर-एनआईएन) द्वारा 29 सितंबर, 2026 को अपना स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पोषण, स्वास्थ्य एवं खाद्य परिवेश से संबंधित वैज्ञानिक एवं सामाजिक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया तथा राष्ट्र के स्वास्थ्य के क्षेत्र में संस्थान के योगदान को स्मरण किया गया।समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए आईसीएमआर-एनआईएन की निदेशक, डॉ. भारती कुलकर्णी ने वर्ष 1918 से अब तक संस्थान की गौरवशाली यात्रा तथा पोषण अनुसंधान, नीतियों और कार्यक्रमों में इसके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत में कुपोषण एवं सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की कमी के साथ-साथ बढ़ते हुए

अधिक वजन एवं मोटापे की समस्या जैसी पोषण संबंधी चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.) के महानिदेशक एवं स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव, डॉ. राजीव बहल ने देश की पोषण संबंधी चुनौतियों के समाधान में आई.सी.एम.आर.-एन.आई.एन. महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने अनुसंधान क्षमता को सुदृढ़ करने तथा वैज्ञानिक कठोरता एवं सत्यनिष्ठा के साथ उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

स्थापना दिवस व्याख्यान पद्म विभूषण से सम्मानित एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के संस्थापक-अध्यक्ष, डॉ. डी. नागेश्वर रेड्डी द्वारा 'गट माइक्रोबायोम एवं स्वास्थ्य' विषय पर प्रस्तुत किया गया। उन्होंने आंत्र सूक्ष्मजीव समुदाय (गट माइक्रोबायोम) और मानव स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर चर्चा की। साथ ही, प्रारंभिक जीवन के कारकों, आहार एवं जीवनशैली के प्रभावों पर भी प्रकाश डाला।

समारोह के मुख्य अतिथि, डॉ. बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, हैदराबाद के कुलपति, प्रो. चक्रपाणि घंटा ने 'खाद्य पदार्थों में न्याय का अधिकार' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने खाद्य एवं पोषण के व्यापक सामाजिक पहलुओं को स्पष्ट करते हुए लोगों को खाद्य पदार्थों के चयन के संबंध में जागरूक एवं सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर पोषण एवं स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में योगदान देने वाले युवा शोधकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया। डॉ. कृष्ण कल्याण कालहस्ती को उनके उत्कृष्ट पीएच.डी. अनुसंधान के लिए शोधार्थी श्रेणी में श्रीमती मालती तुलपुले पुरस्कार प्रदान किया गया, जबकि श्री सौमम दत्ता को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों तथा अनुसंधान एवं वैज्ञानिक गतिविधियों में योगदान के लिए प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत 25 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इस समारोह में संस्थान के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों तथा एन.आई.एन. परिवार के अन्य सदस्यों ने भाग लिया। यह समारोह पोषण अनुसंधान एवं जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में संस्थान के निरंतर योगदान को उजागर करने का महत्वपूर्ण अवसर रहा।वर्ष 1918 में स्थापित आईसीएमआर-एनआईएन, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के अंतर्गत एक प्रमुख संस्थान है, जो पोषण के क्षेत्र में वैज्ञानिक साक्ष्य उत्पन्न करने तथा देश में पोषण संबंधी वर्तमान एवं उभरती जनस्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान हेतु अनुसंधान कार्यों में समर्पित है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुब्बाराव एम. गवरवरपु, वैज्ञानिक 'जी' द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. एम. महेश्वर वैज्ञानिक 'एफ' सहित संस्थान के वैज्ञानिक, स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

निस्वार्थ सेवा से ही सार्थक होता है जीवन : मनोज डालमिया

हैदराबाद । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा के इस नियमित क्रम में बड़ी संख्या में सदस्यों ने सहभागिता करते हुए मानव सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मनोज डालमिया ने कहा कि सेवा किसी दिखावे का विषय नहीं, बल्कि दिल से महसूस की जाने वाली भावना है। जब इंसान बिना किसी स्वार्थ, अपेक्षा और प्रसिद्धि की चाह के किसी जरूरतमंद के काम आता है, तभी सेवा का वास्तविक अर्थ सामने आता है। उन्होंने कहा कि जीवन में धन, पद और प्रतिष्ठा अपनी जगह हैं, लेकिन किसी के चेहरे पर मुस्कान लाने और किसी के जीवन में थोड़ी राहत पहुंचाने

से जो आत्मिक संतोष मिलता है, वह सबसे अलग होता है।

मनोज डालमिया ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे सेवा कार्य समाज में सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को मजबूत कर रहे हैं। प्रतिदिन सेवा के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि मानवता से बढ़कर कोई धर्म नहीं और जरूरतमंद की सहायता से बढ़कर कोई पुण्य कार्य नहीं। उन्होंने कहा कि सेवा का सिलसिला तभी मजबूत होता है, जब हर व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार इसमें योगदान देता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की विशेषता यह है कि यहां सेवा को केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे नियमित जीवन का हिस्सा बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी भावना से सदस्य मिल-जुलकर सेवा कार्यों में सहभागी बनते हैं और समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे तथा सहयोग की भावना को आगे बढ़ाते हैं।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, हरीश तोलाराम हिंदुजा, मनोज डालमिया एवं उमा डालमिया सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई और मानव सेवा के इस निरंतर अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि सेवा का यह क्रम इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगा, क्योंकि जहां सेवा में स्वार्थ नहीं होता, वहां सेवा केवल कर्म नहीं रहती, बल्कि संस्कार और साधना बन जाती है।

अनिल रेड्डी वेन्नम एआईपीएमए के सर्वसम्मति से चुने गए नए अध्यक्ष

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। उद्योगपति अनिल रेड्डी वेन्नम को प्लास्टिक उद्योग के 81 वर्ष पुराने राष्ट्रीय व्यापार संगठन ऑल इंडिया प्लास्टिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एआईपीएमए) का सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया है। उन्होंने मुंबई स्थित एआईपीएमए कार्यालय में एक वर्ष के कार्यकाल का औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। वे इस अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा वाले संगठन के अध्यक्ष बनने वाले पहले तेलुगु व्यक्ति हैं। 1945 में स्थापित एआईपीएमए प्लास्टिक उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाला भारत का सबसे पुराना और बड़ा गैर-लाभकारी संगठन है। इसका मुख्यालय मुंबई में है तथा दिल्ली, चेन्नई और कोलकाता में क्षेत्रीय कार्यालय हैं। संगठन के 175 से अधिक शहरों में 22,000 से ज्यादा सदस्य हैं, जिनमें से लगभग 90 प्रतिशत एमएसएमई हैं। अनिल रेड्डी वेन्नम ने अपने कार्यकाल को कार्रवाई का वर्ष बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, मेरा तत्काल कार्य प्लास्टिक के प्रति जनता का विश्वास बहाल करना होगा। प्लास्टिक के अच्छे और बुरे उपयोग होते हैं। उद्योग का भविष्य सही अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने, रीसाइक्लिंग को प्रोत्साहित करने और प्लास्टिक कचरे के उत्पादक उपयोग खोजने पर निर्भर है।

7सीज एंटरटेनमेंट को फिक्की बीएएफ पुरस्कारों में मिले दो सम्मान

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद स्थित 7सीज एंटरटेनमेंट लिमिटेड ने प्रतिष्ठित एफआईसीसीआई (फिक्की) बीएएफ पुरस्कार 2026 में दो पुरस्कार हासिल किए। मुंबई के ग्रैंड हयात में आयोजित समारोह में कंपनी को 'हॉर्स वर्ल्ड राइड' के लिए सर्वश्रेष्ठ मोबाइल वीडियो गेम तथा 'सैंड एंड फायर' के लिए सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम बुद्धिमत्ताढफोटो-यथार्थवादी मानव एवं पशु श्रेणी में सम्मानित किया गया।

'हॉर्स वर्ल्ड राइड' घुड़सवारी और रोमांचक अन्-वेषण पर आधारित मोबाइल गेमिंग अनुभव है, जबकि 'सैंड एंड फायर' में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से फोटो-यथार्थवादी इंसानों, जानवरों और परिवेश को प्रस्तुत किया गया है।

कंपनी के 'अल्टीमेट महिला क्रिकेट लीग' मोबाइल गेम को मोबाइल वीडियो गेम श्रेणी में उपविजेता का सम्मान मिला। वहीं, नेल्लोर स्थित निर्मला कॉफी वर्क्स के लिए तैयार विज्ञापन फिल्म में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के लिए कंपनी को विज्ञापन फिल्म निर्माण में सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम बुद्धिमत्ता श्रेणी में नामांकन भी मिला।

एफआईसीसीआई बीएएफ पुरस्कार 2026 में 12 देशों की कंपनियों से 300 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं। ऐसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिस्पर्धी आयोजन में 7सीज एंटरटेनमेंट को दो पुरस्कार मिलना कंपनी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

7सीज एंटरटेनमेंट के प्रबंध निदेशक एल. मारुति शंकर ने कहा कि गेमिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सामग्री की श्रेणियों में दो पुरस्कार मिलना कंपनी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि कंपनी भविष्य में भी रचनात्मकता, गुणवत्ता और नए दृश्य कहानी-वाचन पर विशेष ध्यान देती रहेगी।

हैदराबाद से संचालित 7सीज एंटरटेनमेंट मोबाइल, कंप्यूटर और वेब मंचों के लिए डिजिटल गेम तथा इंटरैक्टिव सामग्री विकसित करती है। कंपनी गेम डिजाइन, सॉफ्टवेयर विकास, एनीमेशन, गुणवत्ता आश्वासन और प्रकाशन सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करती है।

कंपनी के अनुसार, डिजाइन, परीक्षण, दृश्य विकास और सामग्री निर्माण में चुनिंदा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रक्रियाओं का उपयोग किया जाता है, जबकि बौद्धिक संपदा अधिकार, गोपनीयता, गुणवत्ता और अंतिम रिलीज से जुड़े निर्णय मानव निगरानी में लिए जाते हैं।

सेवा परमो धर्म संस्था ने दो स्कूलों में आयोजित किया विशेष सेवा कार्यक्रम

अनाथ एवं जरूरतमंद 100 से अधिक बच्चियों को बांटे ब्रा-पैंटी सेट और सैनिटरी पैड्स

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सामाजिक सरोकार एवं बालिका स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'सेवा परमो धर्म संस्था' की ओर से सिकंदराबाद में विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद एवं अनाथ बच्चियों की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ उन्हें व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा। यह कार्यक्रम सिकंदराबाद स्थित मदर टेरेसा हाई स्कूल, रेजिमेंटल बाजार तथा गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल, पार्क लेन में आयोजित किया गया। संस्था की ओर से दोनों स्कूलों में पढ़ने वाली 100 से अधिक अनाथ एवं जरूरतमंद बच्चियों में से प्रत्येक को दो-दो जोड़ी ब्रा-पैंटी सेट वितरित किए गए। सामग्री प्राप्त कर बच्चियों में खुशी का माहौल दिखाई दिया।

इसके साथ ही बालिकाओं के बेहतर स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए संस्था की ओर से सभी बच्चियों को सैनिटरी पैड्स के सात बड़े पैकेट भी प्रदान किए गए। संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि किशोरियों के स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत स्वच्छता से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। संस्था का प्रयास है कि जरूरतमंद एवं अनाथ बच्चियों को उनकी बुनियादी प्राथमिक जरूरतों की सामग्री उपलब्ध कराने के साथ उन्हें स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया जाए।

संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि अनाथ बच्चियों की बुनियादी प्राथमिक जरूरतों को पूरा करना और उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक करना 'सेवा परमो धर्म संस्था' का मुख्य ध्येय है। इसी उद्देश्य से संस्था समय-समय पर जरूरतमंद वर्ग के लिए विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित करती रहती है।

कार्यक्रम के अंत में सेवा परमो धर्म संस्था की सदस्य मोना वर्मा ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों एवं सहयोगियों का तहे दिल से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन ने संस्था की ओर से किए गए इस सामाजिक एवं सराहनीय प्रयास के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रकाश पिरगल लगातार चौथी बार बने बेंगलूरु होलसेल क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष

बेंगलूरु, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेंगलूरु होलसेल क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन की 71वीं वार्षिक साधारण सभा आयोजित की गई। बैठक में पिछले कार्यकाल के लेखा-जोखा और एसोसिएशन की विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की गई। सचिव योगेश सेठ ने बैठक में इसकी जानकारी दी।

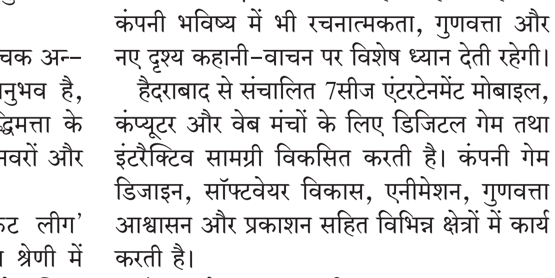

इलेक्शन ऑफिसर तेजराज सेठिया और अशोक पोब्बती ने आगामी दो वर्ष के कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की। इस दौरान नई कार्यकारिणी का चुनाव निर्विरोध हुआ। अध्यक्ष पद पर प्रकाश पिरगल लगातार चौथी बार निर्वाचित हुए। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष नरेश मुथा, सचिव योगेश सेठ, सहसचिव मनोज कुमार और कोषाध्यक्ष संतोष कुमार शामिल किए गए।

प्रकाश पिरगल को लगातार चौथी बार अध्यक्ष चुने जाने पर सदस्यों ने उनका अभिनंदन किया और नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रकाश पिरगल ने कहा कि लगातार चौथी बार विश्वास जताकर सदस्यों ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि इस कार्यकाल के साथ उनकी जवाबदारी और भी बढ़ गई है तथा वे पूरी निष्ठा और 100 प्रतिशत प्रयास के साथ एसोसिएशन के विकास के लिए कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि एसोसिएशन के सभी सदस्यों का सहयोग उनके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सदस्यों ने जिस विश्वास और भरोसे के साथ उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर पूरी तरह खरा उतरने का वे हरसंभव प्रयास करेंगे। आगामी कार्यकाल में एसोसिएशन के विकास, सदस्यों के हितों तथा व्यापार जगत से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर प्राथमिकता के साथ कार्य किया जाएगा।

आवारा कुत्तों ने 4 लोगों को किया घायल

मदनूर, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

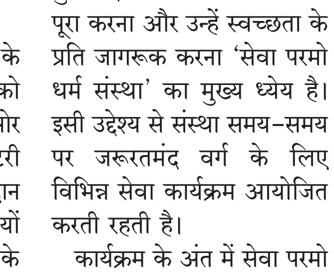

मदनूर में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक से नागरिकों में चिंता बढ़ गई है। आवारा कुत्तों ने चार लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया।

30 सितंबर को 'शुभ लाभ' समाचार पत्र में आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर समाचार प्रकाशित होने के बाद ग्राम सरपंच उषा संतोष मेस्त्री ने गुरुवार को कुत्तों को पकड़कर शहर से बाहर छोड़ने का अभियान शुरू कराया। अभियान से नागरिकों में राहत की भावना है।

नागरिकों ने पंचायत प्रशासन से सभी वार्डों में आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए तत्काल और सतत व्यापक अभियान चलाने की मांग की है।

रुद्राक्ष का आध्यात्मिक और औषधीय महत्व

हिंदू धर्म में सदियों से पूजा-पाठ, यज्ञ, हवन जैसे शुभ कार्यों में रुद्राक्ष का प्रयोग किया जाता है। रुद्राक्ष के बिना कोई भी धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण नहीं होता। अब तो वैज्ञानिक अनुसंधानों के माध्यम से पूरी दुनिया में रुद्राक्ष की गुणवत्ता साबित हो चुकी है। इसके अद्भुत औषधीय गुण प्रयोगशाला में जांच के बाद सही साबित हुए है। इसे धारण करने से शरीर स्वस्थ और मन शांत रहता है।

उत्पत्ति की कथा

वस्तुत: रुद्राक्ष शब्द का संधि विच्छेद है- रुद्र+अक्षि। अर्थात भगवान शिव का नेत्र। इसकी उत्पत्ति और नामकरण के पीछे यह कथा प्रचलित है कि त्रिपुरासुर का वध करते समय रुद्रावतार धारण किए भगवान शंकर की आंखों से बहने वाला जल रुद्राक्ष के रूप में पृथ्वी पर साकार हुआ। इसकी उत्पत्ति के संबंध में यह भी कहा जाता है कि जब हिमालय की पुत्री सती ने स्वयं को हवन कुंड में समाहित कर दिया था तो भगवान शिव ने रौद्र रूप धारण कर लिया था और सती का शव कंधे पर उठा कर ब्रह्मांड का विनाश करने के लिए तांडव नृत्य करने लगे। शिव जी को रोकने के लिए भगवान विष्णु ने अपना सुदर्शन चक्र चलाया, जिससे सती के शरीर के कई टुकड़े हो गए। टुकड़े जहां-जहां हिस्सों में गिरे, वहां-वहां शक्तिपीठ की स्थापना हुई। अंत में भगवान शिव के शरीर पर सिर्फ सती के शरीर का भस्म रह गया। जिसे देखकर वह रो पड़े। इस तरह भगवान शिव के आंसुओं से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई।

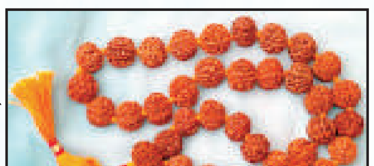

स्वास्थ्यवर्धक औषधि

रुद्राक्ष एक वनस्पति है। इसके पेड़ पर बेर जैसे फल लगते है। ये पेड़ हिमालय की तराई में पाए जाते है। रुद्राक्ष के प्रभाव से आसपास का संपूर्ण वातावरण शुद्ध हो जाता है। इसे रातभर भिगोकर रखने के बाद और प्रात:काल नियमित रूप से खाली पेट इसका पानी पीना हृदय रोगियों के लिए बहुतलाभदायक साबित होता है।

मान्यता के अनुसार, 1 से लेकर 35 मुंह तक के रुद्राक्ष उपलब्ध है। विविध कार्यसिद्धि के लिए विभिन्न रुद्राक्ष उपयोग में लाए जाते है। लेकिन गौरी-शंकर नामक संयुक्त रुद्राक्ष, पैंतीस मुखी एवं एकमुखी रुद्राक्ष बहुत कम प्राप्त होते है। पुराना रुद्राक्ष अधिक प्रभावशाली होता है।

रुद्राक्ष के विभिन्न प्रकार

रुद्राक्ष की अलग-अलग किस्मों के लाभ भी अलग होते है। यहां प्रस्तुत है रुद्राक्ष के प्रमुख प्रकार और उनके फायदे:

- एकमुखी रुद्राक्ष: यह आंख, नाक, कान और गले की बीमारियों को दूर करने में सहायक होता है।
- द्विमुखी रुद्राक्ष: यह मस्तिष्क की शांति, धैर्य और सामाजिक प्रतिष्ठा की वृद्धि में सहायक होता है। साथ ही इसे धारण करने से पाचन तंत्र संबंधी समस्याएं भी काफी हद तक दूर हो जाती है।
- पंचमुखी रुद्राक्ष: यह पंच ब्रह्म तत्व का प्रतीक है। यह युवाओं के जीवन को सही दिशा देता है। इससे धन और मान-सम्मान में वृद्धि होती है और यह उच्च रक्तचाप को भी नियंत्रित करता है।
- सप्तमुखी रुद्राक्ष: यह भगवान कार्तिकेय का प्रतीक माना जाता है तथा इसे धारण करने से आंखों की दृष्टि में वृद्धि होती है।

आमतौर पर चतुर्मुखी रुद्राक्ष शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के लिए, पंचमुखी रुद्राक्ष नित्य जप के लिए, षड्मुखी रुद्राक्ष पुत्र प्राप्ति के लिए, चतुर्दश एवं पंचदशमुखी रुद्राक्ष लक्ष्मी प्राप्ति के लिए तथा इक्कीस मुखी रुद्राक्ष ज्ञान प्राप्ति के लिए धारण करने की प्रथा है।

कैसे धारण करे रुद्राक्ष

रुद्राक्ष स्वभाव से ही प्रभावी होता है, लेकिन यदि उसे विशेष पद्धति से सिद्ध किया जाए तो उसका प्रभाव कई गुना अधिक हो जाता है। अगर जप के लिए रुद्राक्ष की माला सिद्ध करनी हो तो सबसे पहले उसे पंचगव्य में डुबोएं, फिर साफ पानी से धो लें। हर मनके पर 'ईशान: सर्वभूतानां' मंत्र का 10 बार जप करे।

यदि रुद्राक्ष के सिर्फ एक मनके को सिद्ध करना हो तो पहले उसे पंचगव्य से स्नान कराएं और उस पर गंगाजल का छिड़काव करें। उसके बाद षोडशोपचार से पूजा करके उसे चांदी के डिब्बे में रखें। हाथों में कुश लेकर उसका स्पर्श रुद्राक्ष से करके इच्छित इष्टमंत्र का जप करे।

विविध रुद्राक्ष विभिन्न कार्यों के लिए काम में लाए जाते है। इसलिए उनके मंत्र एवं सूक्त भी अलग-अलग है। श्रीसूक्त, विष्णुसूक्त, पवमान रुद्र, मन्युसूक्त, चतुर्दश प्रणवात्मक महामृत्युंजय, शांतिसूक्त, रुद्रसूक्त तथा सौरसूक्त आदि का उपयोग कार्यानुसार रुद्राक्ष सिद्धि के लिए किया जाता है। रुद्राक्ष सिद्ध करना सहज है, लेकिन उसकी सिद्धि बनाए रखना मुश्किल है। असत्य वचन और बुरे व्यवहार आदि कारणों से रुद्राक्ष की सिद्धि कम हो जाती है। अत: इसे धारण करने वाले व्यक्ति को सदाचार का पालन करना चाहिए।

गले में 108 या 32 रुद्राक्षों की माला पहनने की प्रथा है। हाथों में भी 27, 54 या 108 रुद्राक्षों की माला पहननी चाहिए। भगवान शिव का पूजन करते समय रुद्राक्ष अवश्य धारण करे। शरीर से रुद्राक्ष का स्पर्श होना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होता है।

घर की पूर्व दिशा में बनवाएं सीढ़ियां

वास्तु

यदि मकान बहुमंजिला है तो उसमें सीढ़ियां अवश्य होंगी। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर का प्रत्येक हिस्सा महत्वपूर्ण होता है और घर के सदस्यों पर उनका विशेष प्रभाव भी होता है। अत: वास्तु के अंतर्गत सीढ़ियों के संबंध में कुछ जरूरी बातें बताई गई हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

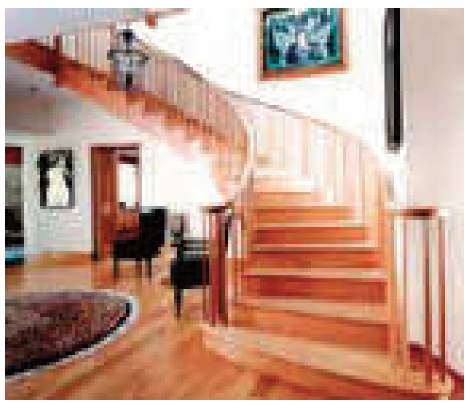

- सीढ़ियों का उतार-चढ़ाव ढलान के अनुसार ही होना चाहिए। सीढ़ियों पर पूर्व से पश्चिम की तरफ या उत्तर से दक्षिण की तरफ चढ़ाई हो सकती हैं।
- यदि सीढ़ियां बीच में घुमावदार हों तो यह घुमाव चढ़ते समय क्लॉकवाइज यानी बाएं से दाएं होनी चाहिएं। चूंकि पृथ्वी भी इसी दिशा में घूमती है और चढ़ते समय एनर्जी भी अधिक खर्च होती है, इसलिए क्लॉकवाइज घूमते हुए ही चढ़ना चाहिए ताकि अतिरिक्त ऊर्जा न लगानी पड़े।
- चूंकि उतरते समय कम ऊर्जा की आवश्यकता होती है, इसलिए एंटी-क्लॉकवाइज घूमते हुए भी उतरा जा सकता है।
- बड़े भवनों में नीचे से दो तरफ़ से सीढ़ियां चढ़ाई जाती हैं और घुमाव के स्थान पर मिलाते हुए ऊपर कर दी जाती है अथवा नीचे से एक सीढ़ी चढ़ाते हुए घुमाव के स्थान पर दो भागों में दो तरफ़ चढ़ा दी जाती है, इससे चढ़ते व उतरते समय क्लॉकवाइज घूमा जा सकता है।
- यदि सीढ़ियां बिल्कुल सीधी हैं और बीच में कोई घुमाव नहीं है तब भी छत पर प्रवेश करते समय घड़ी की सुइयों की दिशा में ही दरवाजा होना चाहिए ताकि छत के कमरे में प्रवेश करते समय क्लॉकवाइज घूमना पड़े। एंटी-क्लॉकवाइज घुमाव वाला दरवाजा न रखें। यदि सीढ़ियां सीधे ही छत के कमरे में प्रवेश करती हों तब किसी परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।
- भवन के मध्य भाग में कोई पिलर अथवा सीढ़ियां नहीं बनवाई जानी चाहिएं।
- वास्तु सम्मत सीढ़ियां भवन के पूर्व या दक्षिण दिशा में बनवाई जानी चाहिएं।

जानें, किस तरह पानी की स्थिति दिलाती है घर में परेशानी से निजात

पानी का बर्तन रसोई के उत्तर-पूर्व या पूर्व में भरकर रखें। घर में पानी सही स्थान, सही दिशा में रखने से परिवार का स्वास्थ्य अनुकूल व सुख-समृद्धि में वृद्धि होती ।

पानी का बर्तन रसोई के उत्तर-पूर्व या पूर्व में भरकर रखें। घर में पानी सही स्थान पर और सही दिशा में रखने से परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अनुकूल रहता है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

पानी का स्थान ईशान कोण है अत: पानी का भण्डारण अथवा भूमिगत टैंक या बोरिंग पूर्व, उत्तर या पूर्वोत्तर दिशा में होनी चाहिए। पानी को ऊपर की टंकी में भेजने वाला पंप भी इसी दिशा में होना चाहिए।

दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पश्चिम अथवा दक्षिण-पश्चिम कोण में कुआं अथवा ट्यूबवेल नहीं होना चाहिए। इसके लिए उत्तर-पूर्व कोण का स्थान उपयुक्त होता है। इससे वास्तु का संतुलन बना रहता है।

अन्य दिशा में कुआं या ट्यूबवेल हो, तो उसे भरवा दें और यदि भरवाना संभव न हो, तो उसका उपयोग न करें। नहाने का कमरा पूर्व दिशा में शुभ होता है।

ध्यान रखें, घर के किसी नल से पानी नहीं रिसना चाहिए अन्यथा भुखमरी की स्थिति पैदा हो सकती है।

ओवर हेड टैंक उत्तर और वायव्य कोण के बीच होना चाहिए। टैंक का ऊपरी भाग गोल होना चाहिए।

खुशहाली के लिए लगाएं रत्नों का पौधा

रत्नों का पौधा सुनने में भी भले ही काल्पनिक लगे किन्तु वास्तविकता यही है कि चीनी पद्धति में इस पौधे का अधिक महत्व है। यह पौधा तरह-तरह के रत्नों और स्फटिकों का बना होता है। इसमें कई वैरायटीज होती हैं।

नवरत्न पेड नवग्रहों की शांति, सुख तथा पारिवारिक शांति के लिए उपयोग किया जाता है। एमेथिस्ट का पेड. दिमाग का संतुलन बनाए रखता है। रंग-बिरंगे रत्नों से सजे इस पौधे को यदि घर के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में रखा जाए तो निश्चित रूप से जीविका चलाने वाले व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसे घर में दक्षिण-पूर्व दिशा में भी रखा जा सकता है। इसे व्यवसायिक स्थल पर रखने से सम्पदा मिलती है। इसे बैठक में भी रखा जा सकता है। इसका एक ओर महत्वपूर्ण कार्य नकारात्मक ऊर्जा को दूर करना भी है। चीनी संस्कृति और फेंगशुई में ड्रैगन को बहुत सम्मान दिया जाता है और इसे शुद्ध मानते हैं।

कई पीढतिों से ड्रैगन शक्ति, अच्छे भाग्य और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। ड्रैगन एक कीमती कास्मिक ची बनाता है, जिसे शेंग ची भी कहते हैं, जिससे घर और कार्यस्थल पर भाग्य साथ देता है। डबल ड्रैगन को यूं तो किसी भी दिशा में रखा जा सकता है, लेकिन पूर्व दिशा में रखना सबसे ज्यादा कारगर माना गया है।

यह ड्रैगन लकडी, सेरेमिक व धातु में उपल्बध है। दो ड्रैगन का जोडा समृद्धि का प्रतीक है। इनके पैर के पंजों में ज्यादा मोती सबसे ज्यादा ऊर्जा संजोये है। फेंगशुई में ड्रैगन को चार दिव्य प्राणियों में गिना जाता है। ड्रैगन येंग यानी पुरुषत्व, हिम्मत और बहादुरी का प्रतीक है। लकडी के ड्रैगन को दक्षिण- पूर्व या पूर्व में, सेरेमिक, क्रिस्टल के ड्रैगन को दक्षिण- पूर्व, उत्तर-पूर्व वया उत्तर पश्चिम में रखें।

छात्र इसे अपनी पढ.ाई की टेबल पर रखें। घर की उत्तर-पश्चिम दिशा में इसे रखने से अच्छे सलाहकार, दोस्त व बढिया नेतृत्व करने वाले साथी मिलेंगे।

लंका में प्रवेश और लंकिनी पर प्रहार

सौ योजन चौड़े विशाल समुद्र को पार कर हनुमान जी आकाश में उड़ते हुए शीघ्र ही लंका नगरी के निकट जा पहुंचे। वहां का दृश्य बड़ा ही सुहावना था। चारों ओर तरह-तरह के सुंदर वृक्ष लगे हुए थे। सुंदर-सुंदर फूल खिले हुए थे। भांति-भांति के पक्षी आनंद में चहक रहे थे।

शीतल, मंद, सुगंधित हवा बह रही थी। बड़ा ही मनमोहक दृश्य था लेकिन श्री हनुमान जी का मन इस समय प्राकृतिक छटा में बिना डूबे लंका में प्रवेश की योजना बनाने में खोया हुआ था। महावीर हनुमान जी ने सोचा कि माता सीता जी को रावण ने जिस स्थान पर छुपा कर रखा है उसका पता तो मुझे लगाना ही है और साथ ही मुझे यहां के बारे में अन्य आवश्यक बातें भी जान लेनी चाहिएं। मुझे यहां पूरी सेना के ठहरने लायक स्थान, जल-फल की सुविधा आदि का पता भी करना चाहिए। रावण का दुर्ग (किला) दूर से ही देखने पर अत्यंत दुर्गम मालूम पड़ता है।

अत: युद्ध के विचार से इसकी एक-एक बात का पता लगा लेना भी आवश्यक है परन्तु अपने असली रूप में और वह भी दिन के उजाले में इस नगरी में प्रवेश करना तो बहुत बड़ी भूल होगी। इसीलिए रात्रि के समय सबके सो जाने पर सूक्ष्म वेश धारण करके ही मेरा इस नगरी में प्रवेश करना उचित होगा। रात हो जाने पर मच्छर के समान अत्यंत छोटा रूप बन कर तथा मन ही मन प्रभु श्री राम चंद्र जी का स्मरण करते हुए हनुमान जी ने लंका में प्रवेश किया। चारों ओर भयानक व विकराल राक्षस-राक्षसियों का पहरा था।

वह नगरी बहुत अच्छी तरह से बसाई गई थी। सड़कें-चौराहे सब बहुत ही सुंदर थे। उसके चारों ओर समुद्र था। पूरी नगरी सोने की बनी हुई थी। स्थान-स्थान पर सुंदर बगीचे और जलाशय बने हुए थे। हनुमान जी अत्यंत सावधानी के साथ आगे बढ़ ही रहे थे कि लंका की रक्षा करने वाली लंकिनी राक्षसी ने उन्हें पहचान लिया। उसने आगे बढ़ कर हनुमान जी को डराते हुए कहा, ''अरे! तू कौन है? जो चोर की तरह छिप कर लंका में प्रवेश कर रहा है। क्या तुझे यह पता नहीं है कि लंका में घुसने वाले चोर ही मेरे आहार हैं? इससे पहले कि मैं तुझे खा जाऊं-तू अपना सारा रहस्य बता दे कि यहां क्यों आया है?''

हनुमान जी ने सोचा कि यदि मैं इससे किसी प्रकार का विवाद करता हूं तो शोर सुनकर बहुत से राक्षस यहां इकटठे हो जाएंगे। अत: मुझे इसे बेहोश करके आगे बढ़ जाना चाहिए। यह सोचकर उन्होंने बाएं हाथ की मुष्टिका (मुटठी) से उस पर प्रहार किया। उस प्रहार से वह मुंह से खून फैंकती हुई बेहोश होकर पृथ्वी पर गिर पड़ी किंतु शीघ्र ही वह पुन: उठकर खड़ी हो गई। उसने कहा, ''वानर वीर! अब मैंने तुम्हें पहचान लिया है। तुम भगवान श्री राम चंद्र जी के दूत हनुमान हो। मुझसे बहुत पहले ब्रह्मा जी ने कहा था, 'त्रेतायुग में हनुमान नामक एक वानर लंका में सीता जी की खोज करता हुआ आएगा। तू उसकी मार से बेहोश हो जाएगी। जब ऐसा हो तब समझना कि शीघ्र ही सारे राक्षसों के साथ रावण का संहार होने वाला है। वीर रामदूत हनुमान! अब तुम निर्भय होकर लंका में प्रवेश करो। मेरा परम सौभाग्य है कि ब्रह्मा जी की कृपा से मुझे परम पवित्र श्री रामदूत के दर्शन हुए।''

नहीं चाहते किसी से विवाद, तो आजमाइए यह लाजवाब उपाय

जैन धर्म ही नहीं, बल्कि संसार का हर धर्म क्षमा के महत्व को मानता है। माफी मांगना और माफ करना दोनों ही मनुष्य के व्यक्तित्व को पूर्ण करने वाले तत्व हैं।

क्षमा का अर्थ है, 'किसी के द्वारा की गई गलती को स्वेच्छा से समाप्त कर देना।' जैन धर्म में क्षमा 'क्षमावाणी' पर्व रूप में मनाई जाती है। इस पर्व को जैन धर्म के अनुयायी दशलक्षण महापर्व के रूप में मनाते हैं। दस दिन, दस सिद्धांतों को मानते हुए दसवें दिन क्षमावाणी का पर्व मनाया जाता है।

जैन संत विद्यासागर जी महाराज कहते हैं, 'अपने मन में क्रोध को पैदा न होने देना और अगर हो भी जाए तो अपने विवेक से, नम्रता से उसे विफल कर देना चाहिए। स्वयं से जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए खुद को क्षमा करना और दूसरे के प्रति भी इसी भाव को रखना क्षमा पर्व का महत्व है।

अन्य धर्मों में क्षमा

जैन धर्म ही नहीं, बल्कि संसार का हर धर्म क्षमा के महत्व को मानता है। क्षमा मांगने से अहंकार खत्म हो जाता है। महाभारत में क्षमा के बारे में उल्लेख मिलता है, 'दुष्टों का बल हिंसा है, राजाओं का बल दंड है और गुणवानों का क्षमा है।' ठीक इसी तरह श्रीमद्भागवद् में उल्लेखित है, 'वही साधुता है कि स्वयं समर्थ होने पर क्षमाभाव रखे।' इस्लाम धर्म के पवित्र ग्रंथ कुरान में उल्लेखित है, जो क्षमा करता है और बीती बातों को भूल जाता है, उसे ईश्वर की ओर से पुरस्कार मिलता है। वहीं, खलील जिब्रान ने कहा है, 'जो मनुष्य नारी को क्षमा नहीं कर सकता, उसे उसके महान गुणों का उपयोग करने का अवसर कभी प्राप्त न होगा।'

क्षमा का मनोविज्ञान मनोविज्ञानी भी क्षमा के महत्व को मानते हैं। कई मनोवैज्ञानिकों के मतानुसार, 'क्षमा का मनुष्य के व्यक्तित्व में बहुत महत्व होता है। यदि कोई आदमी माफी मांगने पर भी किसी को माफन करे तो उसके व्यक्तित्व में भी 'अहम' संबंधी विकार होता है। यानी माफी मांगना और माफ करना दोनों ही मनुष्य के व्यक्तित्व को पूर्ण करने वाले तत्व हैं।

25 सालों से अंतरिक्ष में है ये नाइजीरियन

आज बड़े बड़े देश अंतरिक्ष की यात्रा कर रहे है और एलियन की खोज में लगे हुए है, आज यहां ऐसे नाइजीरियन एस्ट्रोनॉट की बात हो रही है जो 25 सालों से अंतरिक्ष में ग्रहों के चक्कर लगा रहा है। जानकारी के लिए बता दें इस एस्ट्रोनॉट का नाम अबाचा टुंडे है, जो सालों पहले यु एस एस आर के साथ सोवियत स्पेस क्राफ्ट में स्पेस गए थे, और अब तक नहीं लौटे और बाकी साथी धरती पर वापस आ गए। पिछले एक हफ्ते में ब्रिटिश वेबसाइट अनरोक पर जो मैसेज आया जिसने सभी को हिला कर रख दिया है , मैसेज में लिखा था की वे अंतरिक्ष में फंस गया है और उसे धरती पर आने के लिए 3 मिलियन की जरूरत है, इस मैसेज के आते ही मानो हड़कम्प सा मच गया और खबर हवा की तरह फैलती चली गई। यु एस एस आर के सगे साथियों ने बताया की हो सकता है टुंडे का 25 साल अंतरिक्ष में रहना एक मिशन का हिस्सा हो,हालांकि की अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है। जब से अबाचा टुंडे की अंतरिक्ष में गए है तबसे उनकी सैलरी 15 मिलियन हो चुकी है जो लेगोस नेशनल सेविंग्स एंड ट्रस्ट एसोसिएशन में जा रही है,

प्याज की चाय घटाती है तेजी से वजन

प्याज की चाय वजन कम करने के साथ डायबिटीज को दूर करती है। प्याज की चाय प्याज के छिलके से बनती है। इसमें क्वेरसेटिन नाम का पिग्मेंट होता है जिसके कई सारे फायदे हैं। ये खून का थक्का बनने से रोकता है जिससे हाइपरटेंशन का खतरा कम होता है। इसके अलावा अगर नींद ना आने की समस्या से परेशान हैं तो प्याज की चाय बहुत फायदा करती है।

नार्कोलेप्सी से जुड़े हैं ये जोखिम

नार्कोलेप्सी नींद से जुड़ी एक ऐसी समस्या है जिसमें रोगी कभी भी और कहीं भा अचानक से सो जाता है। इस बीमारी में रोगी कभी भी बैठे-बैठे या काम करते हुए सो जाता है, यहां तक कि हंसते या रोते हुए भी। साथ ही रोगी दिन भर उनींदा और थका हुआ रहता है। कितना भी सो लेने के बाद रोगी को लगता है, कि वह सोया ही नहीं है। यह बीमारी अधिकांशतः 15 से 25 साल की आयु के लोगों को अपना शिकार बनाती है। नार्कोलेप्सी से कई प्रकार के जोखिम भी जुड़े होते हैं। चलिए जानें नार्कोलेप्सी और इससे जुड़े जोखिम क्या हैं

क्या है नार्कोलेप्सी

नार्कोलेप्सी के रोगी हमेशा सुस्त महसूस करते हैं और उन्हें अधिक समय तक जागने में कठिनाई होती है। हालांकि अभी तक वैज्ञानिक इस बीमारी का ठोस कारण पता लगाने में सफल नहीं हो पाए हैं। लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि अनुवांशिकी और वायरस के संयोग से ऐसी स्थिति पैदा होती है। महिलाओं इस बीमारी के लक्षण मरीज में लम्बे समय से हो सकते हैं लेकिन बीमारी का पता बहुत दिनों बाद चलता है।

मोटापा

नार्कोलेप्सी से पीड़ित रोगी के ओवर वेट होने की आशंका सामान्य लोगों से दो गुना तक अधिक होती है। वजन बढ़ाने की ये घटना निष्क्रियता, ज्यादा खाने, हाइपोसर्टेन की कमी या अन्य कारकों के संयोजन से संबंधित हो सकती है। नार्कोलेप्सी के मरीज हमेशा सुस्त रहते हैं। इन रोगियों में मनासिक समस्याओं जैसे डिप्रेशन, बाइपोलर डिस्ऑर्डर और सीजोफ्रेनिया भी शामिल हो सकते हैं। इसलिए इसके लक्षणों के प्रति सचेत रहना चाहिए और समय रहते चिकित्सकीय मदद लेनी चाहिए।

नार्कोलेप्सी के जोखिम कारक

बाहरी व निजी जीवन में नार्कोलेप्सी व्यक्तिगत रूप से आपके लिए गंभीर समस्याएं पैदा कर सकती है। चलिये जानें कि इस रोग के कारण किस तरह के जोखिम पैदा हो सकते हैं -

नींद के ये अटैक नार्कोलेप्सी से पीड़ित व्यक्ति को शारीरिक नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। यदि ड्राइविंग करते हुए इस तरह का स्लीप अटैक आए तो एक्सीडेंट हो सकता है। वहीं यदि भोजन तैयार करते समय आप सो जाएं तो कट जाने व जल जाने का खतरा अधिक होता है।

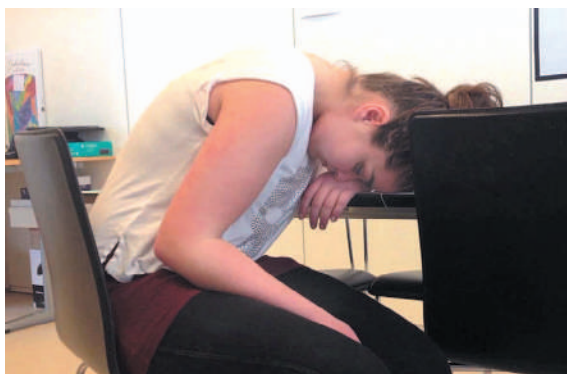

आंखें खोलती हैं सेहत से जुड़े राज

आंखों के रंगों में बदलाव सामान्य समस्या नहीं है, बल्कि यह खतरनाक हो सकता है, इसे हल्के में न लें और आंखों की जांच कराएं। आंखें कुदरत का सबसे अनमोल तोहफा हैं, न केवल हम इनसे दुनिया को देखते हैं बल्कि आपकी आंखों में ही आपके सेहत का राज छिपा है। आपकी आंखें बहुत कुछ कहती हैं, अगर आपको कोई बीमारी है तो उसका पता आपकी आंखों से आसानी से चल जाता है। अगर आपकी आंखों का रंग बदल रहा है तो इसे हल्के में न लें, हो सकता है यह किसी गंभीर बीमारी के संकेत हों।

मानसिक स्वास्थ्य में

कुछ दिमागी बीमारियां हैं जिनके बारे में आंखें बताती हैं। सीजोफ्रेनिया और बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी मानासिक बीमारी होने पर आपकी आंखों का रंग अलग होगा। जैसे सीजोफ्रेनिया होने पर व्यक्ति अपनी आंखों को एक ही बिंदु पर स्थिर नहीं रख सकता है। लेकिन हाल में हुए शोध के अनुसार ग्लूकोमा होने पर भी व्यक्ति को ऐसी परेशानी होती है।

ब्रेन ट्यूमर होने पर

दिमाग में ट्यूमर होने पर सिरदर्द, थकान, आलस, जैसी स्थिति इसके सामान्य लक्षण हैं। लेकिन ब्रेन ट्यूमर होने पर आंखों का रंग बदलता तो है साथ ही देखने में परेशानी होती है, धुंधला दिखाई देता है।

थायराइड होने पर

थायराइड ग्रंथि का सुचारु रूप से काम करना हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। थकान, वजन कम होना या बढ़ना, बार-बार भूख लगना थायराइड ग्रंथि के ठीक से काम न करने के लक्षण हैं, लेकिन थायराइड ग्रंथि में समस्या होने पर आंखें उभरी हुई दिखती हैं। अगर आपकी आंखों में उभार हो तो यह थायराइड के संकेत हैं।

डायबिटीज की समस्या

मोटापे और अनियमित दिनचर्या के कारण डायबिटीज के लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। डायबिटीज होने पर आंखों पर भी असर पड़ता है, इसके कारण आंखों की पुतलियों का रंग बदल जाता है और आंखों की रक्त वाहिकायें भी प्रभावित होती हैं, इसके कारण नकसीर भी हो सकता है।

पीलिया होने पर

पीलिया होने पर उसका पता नाखूनों के अलावा आंखों के रंग से भी चल जाता है। पीलिया होने पर आंखों में एक किस्म का पीलापन और भूरापन आ जाता है। हालांकि अधिक मात्रा में वसायुक्त भोजन करने और फलों और हरी सब्जियों का सेवन कम करने के कारण भी आंखों का पीलापन बड़ने लगता हैं। इससे देखने की क्षमता पर असर नहीं पड़ता। परंतु यदि आंखों का पीलापन लगातार बढ़ रहा है तो पीलिया की जांच कराएं।

मोतियाबिंद

मोतियाबिंद आंखों की बीमारी है, इसके कारण आंखों की रोशनी जा सकती है और आदमी अंधा भी हो सकता है। इसकी शुरूआत धुंधला दिखाई देने से होती है। यह बीमारी आंखों के पर्दे पर धुंधला धब्बे बनने के कारण होता है। अगर आंखों पर धुंधले धब्बे दिखे तो यह मोतियाबिंद हो सकता है।

तनाव होने पर

आदमी को यदि तनाव या अवसाद हो तो उसकी आंखें इसके बारे में बता देती हैं। तनाव के कारण अनिद्रा की समस्या होती है ओर इसकी वजह से आपकी आंखों का रंग लाल हो जाता है। हालांकि कभी-कभी यह लक्षण थॉयराइड के कारण भी हो सकते हैं।

पैरालिसिस या लकवा

लकवा जैसे गंभीर स्ट्रोक होने पर पलकें लटकी हुई दिखाई देती हैं, हालांकि यह समस्या बुढ़ापे में होती है। लेकिन कुछ मामलों में लटकी पलकें गंभीर स्ट्रोक के संकेत हो सकते हैं। पलकों के लटकने के अलावा आवाज में भी लड़खड़ाहट होने लगती है। इस स्थिति में खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

एलर्जी होने पर

अगर आपकी आंखें लाल हैं और उनमें खुजली हो रही है तो यह एलर्जी के संकेत हो सकते हैं। एलर्जी होने पर आंखें लाल हो जाती हैं और छींक भी आती है। इस समय नाक बंद हो जाती है और नाक से पानी भी आता है।

उच्च रक्तचाप में

उच्च रक्तचाप की समस्या होने पर भी आंखों के रंग में बदलाव होता है। हाई ब्लड प्रेशर के दौरान आंखें लाल हो जाती हैं। इसके अलावा रक्त वाहिकाओं यानी ब्लड वेसेल्स के फैलने के कारण आंखों में सूजन भी हो सकती है। उच्च रक्तचाप के कारण होता है।

ह्यूमेनिटीज में भरपूर रोजगार...

दसवीं और बारहवीं के स्तर पर साइंस और कॉमर्स के बाद छात्रों या अभिभावकों के सामने ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम शेष रह जाती है। इस स्ट्रीम को हालांकि छात्र और अभिभावक अपनी प्राथमिकता में पहले या दूसरे स्थान पर नहीं रखते, लेकिन बदलते वक्त के साथ इस स्ट्रीम से जुड़ी संभावनाओं का आकाश भी काफी विस्तृत हो गया है। ह्यूमेनिटीज को कुछ वर्ष पहले तक एक ऐसे स्ट्रीम के रूप में देखा जाता था, जो या तो कम बुद्धिमान लोगों के लिए है या शिक्षक बनने की इच्छा रखने वालों के लिए। लेकिन मौजूदा वक्त में यह धारणा अप्रासंगिक हो चुकी है। अब ह्यूमेनिटीज की बदौलत ऊंचे पद, बड़ी उपलब्धियां और तरक्की पाई जा सकती है। शिक्षण के अलावा इसमें सैकड़ों तरह के रोजगार उपलब्ध हैं, जो रुचिकर होने के साथ-साथ अपनी कार्य-प्रकृति में विशिष्ट भी हैं। ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम आपके सामने असीमित विकल्प रखती है। यकीन न हो, तो मानवीय गतिविधियों से जुड़े किसी भी क्षेत्र को देख लीजिए, आप हर क्षेत्र में ह्यूमेनिटीज के छात्रों को सफलता के साथ काम करता हुआ पाएंगे।

क्या है ह्यूमेनिटीज

इस स्ट्रीम के अंतर्गत मुख्य रूप से मानव समाज और उसकी मान्यताओं का अध्ययन किया जाता है। इसके जरिए यह समझने का प्रयास किया जाता है कि लोग स्वयं को कैसे कला, धर्म, साहित्य, वास्तुकला और अन्य रचनात्मक कार्यों आदि के जरिए अभिव्यक्त करते हैं? इस कार्य के लिए इस स्ट्रीम के शोधार्थी एनालिटिकल और हाइपोथिटिकल मेथड का प्रयोग करते हैं। इस स्ट्रीम को मोटे तौर पर परफॉर्मिंग आर्ट्स (म्यूजिक), विजुअल आर्ट्स, रिलिजन, लॉ, एंसिएंट/ मॉडर्न लैंग्वेजेस, फिलॉस्फी, लिटरेचर, हिस्ट्री, जियोग्राफी, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी आदि विषयों में बांटा जाता है। ह्यूमेनिटीज में कई ऐसे विषय हैं, जिनकी पढ़ाई के बाद लॉ, जर्नलिज्म, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मीडिया एंड एडवर्टाइजिंग और कम्यूनिकेशन आदि प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकता है।

आईआईटी में कोर्स

ह्यूमेनिटीज के आम जिंदगी में महत्व को इस बात से भी आंका जा सकता है कि अब आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान भी ह्यूमेनिटीज और सोशल साइंसेज में पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। आईआईटी मद्रास बारहवीं पास छात्रों के लिए ह्यूमेनिटीज में पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड एमए पाठ्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए यह संस्थान एचएसईई यानी ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेज एंट्रेंस एग्जामिनेशन नाम से हर साल एक प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। इसी तरह आईआईटी गांधीनगर पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर एमए इन सोसायटी एंड कल्चर नाम से पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है।

कैसा होगा करियर

दसवीं या बारहवीं पास करने वाले काफी छात्रों के मन में एक आम-सा प्रश्न होता है कि ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम को चुनने के बाद उनके करियर का स्वरूप कैसा होगा? इस प्रश्न का कोई सीधा जवाब नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट है कि करियर का स्वरूप काफी हद उनके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम पर निर्भर होता है। किसी ह्यूमेनिटीज विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप कई क्षेत्रों में रोजगार पा सकते हैं। स्कूलों, म्यूजियमों, एडवर्टाइजिंग एजेंसियों, अखबारों, आर्ट गैलरियों, पत्रिकाओं और फिल्म स्टूडियो आदि में भी काम के मौके तलाशे जा सकते हैं। इन अवसरों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि समय के साथ ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम पर आधारित संभावनाओं का फलक और विस्तृत हुआ है।

इन क्षेत्रों में हैं मौके

- राइटिंग
- प्रोग्राम प्लानिंग
- टीचिंग
- रिसर्च
- इंटरनल कम्यूनिकेशन
- पब्लिक रिलेशन्स
- पॉलिसी रिसर्च एंड एनालिसिस
- एडमिनिस्ट्रेशन
- सोशल वर्क
- मैनेजमेंट
- इंफॉर्मेशन
- जर्नलिज्म
- आर्कियोलॉजी
- एंथ्रोपोलॉजी
- एग्रीकल्चर
- जियोग्राफी
- एनजीओ
- इंडस्ट्रियल रिलेशन
- लाइब्रेरी साइंस
- लिबरल आर्ट्स
- फिलॉस्फी

हैप्पी स्पेसेस इंडिया ने कार्यस्थलों को बदलने का एक दशक पूरा किया

कार्यस्थल ब्रांडिंग और अनुभव डिजाइन स्टूडियो हैप्पी स्पेसेस इंडिया ने अपनी स्थापना के 10 वर्ष पूरे कर लिए हैं। एलीक्सिर इंटीग्रेटेड ब्रांडकॉम द्वारा 2016 में स्थापित इस स्टूडियो ने कार्यस्थलों को महज डेस्क और कुर्सी की जगह से आगे बढ़ाकर उद्देश्य, अपनापन, ऊर्जा और संस्कृति का केंद्र बनाने का काम किया है।

संस्थापक और चीफ क्रिएटिव ऑफिसर गणेश गदाख, को-फाउंडर पल्लवी गदाख तथा चीफ प्रोजेक्ट ऑफिसर अभय कुर्दुककर के नेतृत्व में शुरू हुए इस स्टूडियो ने मुंबई में कोवेस्ट्रो इंडिया के 30,000 वर्ग फुट कार्यस्थल से अपनी शुरुआत की थी। आज यह पूरे देश में कार्यस्थल, रिटेल स्पेस, ब्रांडेड डेस्टिनेशन, एग्जीबिशन और थीमैटिक एक्टिवेशन तक विस्तारित हो चुका है। 11वें वर्ष में प्रवेश करते हुए स्टूडियो के पास पहले से ही 15 लाख वर्ग फुट से अधिक के नए प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में हैं।गणेश गदाख ने कहा, दस साल पहले सवाल होता था कि 'हम अपने ऑफिस को कैसे ब्रांड करें?' अब सवाल यह है कि 'हम अपने लोगों को अपने ब्रांड का अनुभव कैसे कराएं?' यही सवाल हैप्पी स्पेसेस इंडिया के अगले दशक का आधार बनेगा।

रेसिपी

चॉकलेट पराठा

सामग्री

1 कप चॉकलेट पेस्ट
3 कप गेहूं का आटा
तेल तलने के लिए
नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले एक कटोरे में आटाए नमक और पानी मिला कर नरम गूथ लें। अब गूथे हुए आटे में से थोड़ा सा हिस्सा निकालें और उसे मसल कर बेल लें। बेले हुए हिस्से में चॉकलेट पेस्ट बीच में रख कर फैलाएं। अब आटे को सब तरफसे बंद करें और दुबारा बेलें। अब गरम तवे पर तेल लगा कर पराठे सेकें। पराठे को दोंनो ओर गोल्डन ब्राउन होने तक सेंके। आपका पराठा सर्व करने के लिए तैयार है।

होल व्हीट ब्रेड रोल्स

सामग्री

2 कप गेहूं का आटा
1 टी.स्पून सूखा खमीर
1 टी.स्पून शक्कर
1 टेबल.स्पून नरम मक्ख़न
नमक स्वादअनुसार

विधि

एक छोटे बाउल मेंए खमीरए शक्कर और 2 टेबल.स्पून गुनगुने पानी को मिला लें और ढक्कन से ढ़ककर 10 मिनट के लिए रख दें। एक गहरे बाउल में गेहूं का आटा मक्ख़न नमक और खमीर.शक्कर के मिश्रण को मिला लें और लगभग 3-4 कप गुनगुने पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को हल्के गीले सुती कपड़े से ढ़ककर 20 मिनट के लिए रख दें। बेकिंग ट्रे को तेल से चुपड़कर रख दें। आटे को 8 भागो में बांट लें और प्रत्येक भाग के गोले बनाकर चुपड़ी हुई बेकिंग ट्रे पर रख दें। हल्के गीले सूती कपड़े से ढ़ककर 45 मिनट या एनके अच्छी तरह फूल जाने तक 45 मिनट के लिए गरम जगह पर रख दें। पहले से गरम अवन में 200°Ö ;400°çh के तापमान पर 20 मिनट के लिए बेक कर लें। हल्का ठंडा कर परोसें।

संपादकीय

फॉर्म 6 का 'फ्रॉड'

चुनाव आयोग, खासकर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुप्ता, विपक्षी आंदोलन और राजनीति के निशाने पर हैं। कांग्रेस कार्यसमिति और शेष विपक्ष की सामूहिक मांग है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को निलंबित किया जाए। यदि संभव है, तो उसे रद्द ही कर दिया जाए। अभी तक जिन 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, उन्हें बहाल किया जाए। यह कैसे संभव है, क्योंकि उनमें से 2.80 करोड़ से ज्यादा मतदाता तो 'दिवंगत' (मृत) हो चुके हैं। शेष 10.57 करोड़ काटे गए नामों पर चुनाव आयोग को बाध्य किया जाना चाहिए। दिल्ली में यह मामला सामने आया है। 'बेला एस्टेट' में अधिकतर झुग्गी-झोंपडियां थीं। लोगों ने अवैध अतिक्रमण किए हुए थे और वे वहां बसे हुए थे। 2022-23 में उन झुग्गियों को तोड़ दिया गया। वहां 728 वैध मतदाता रहते थे, जिनके पास चुनाव आयोग की मान्यता थी और वे लगातार मतदान करते रहे थे। झुग्गियां टूटीं, तो वे बेघर हो गए। एसआईआर अभियान के तहत बीएलओ को उस जगह कोई नहीं मिला। किसी एक ने 'मतदाता पहचान पत्र' दिखाया। नतीजतन 728 में से 727 मतदाताओं के नाम काट दिए गए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उन बेघरों के पास गए और मोबाइल पर ईआरओ से पूछा कि इतने नाम किस आधार पर काट दिए गए? बहरहाल जब यह खबर टीवी चैनलों और अखबारों की सुर्खियों में आ गई कि 'बेला एस्टेट' के बेघर परिवार फ्लाईओवर के नीचे जीने को विवश हैं, तो चुनाव आयोग ने अपने बीएलओ भी वहां भेजे। कटे हुए नामों के उन लोगों को 'फॉर्म 6' भर कर 'नया मतदाता' बनने की सलाह दी गई। खबर बताई जाती है कि 418 लोगों से 'फॉर्म 6' भरवा भी लिए गए हैं। अब नई मतदाता-सूची में उनके नाम भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन चुनाव आयोग ने यह 'संवैधानिक फ्रॉड' खेला है। फॉर्म 6 उन लोगों के लिए है, जो बिल्कुल पहली बार मतदाता बनना चाहते हैं। वे पहले कभी भी मतदाता न रहे हों। ऐसा घोषणा-पत्र भी भर कर हस्ताक्षर करने पड़ते हैं। लेकिन ये तो पहले भी मतदाता रहे हैं और उन्होंने एसआईआर में 'अधिकृत फॉर्म' भी भरा था। क्या यह संवैधानिक कवायद है? यदि 418 काटे गए नाम, अंततः, मतदाता बन जाते हैं, तो शेष लोग भी मतदाता बनाए जा सकते हैं। तो फिर एसआईआर का औचित्य क्या रहा? क्या इस तरह चुनाव आयोग 'फ्रॉड' नहीं कर रहा है और फॉर्म 6 के साथ 'झूठे' घोषणा पत्र भी नहीं भरवा रहा है? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की जानकारी में यह पूरा मामला है, लिहाजा उनका आंदोलन सीईसी ज्ञानेश कुमार गुप्ता के इस्तीफे पर केंद्रित है। राहुल को यकीन है कि अंततः प्रधानमंत्री मोदी ही सीईसी का इस्तीफा करवाएंगे, क्योंकि ज्ञानेश तो उन्हीं की 'कठपुतली' हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने तो प्रधानमंत्री का ही इस्तीफा मांग लिया है। फॉर्म 6 के इस कथित फर्जीवाड़े में भाजपा के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा भी फंसे हैं। वह जब राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे, तो वह पंजाब के मतदाता थे और 'आप' के प्रत्याशी थे, लेकिन बाद में 'आप' के 7 राज्यसभा सांसद पालाबदल कर भाजपा में शामिल हो गए, तो अब उन्हें दिल्ली का मतदाता बनाया गया है। इसमें कोई अपराध नहीं है, क्योंकि व्यक्ति स्थानांतरित होता है, तो मतदाता भी बदला जा सकता है। अलबत्ता संवैधानिक हेराफेरी न की जाए। बताया जाता है कि राघव चड्ढा से फॉर्म 6 भरवाया गया है। हम इसकी पुष्टि नहीं करते, लेकिन 'आप' ऐसा कह रही है और अदालत में इसे चुनौती देने की बात भी पार्टी ने की है। दरअसल एसआईआर का मुद्दा बेहद पेचीदा हो गया है। दिल्ली में ही 9 लाख से अधिक बांग्लादेशी बस चुके हैं। वे अभी तक मतदाता भी बने रहे हैं। सवाल यह है कि चुनाव आयोग ने उन्हें एसआईआर के दौरान क्या चिह्नित किया है? सर्वोच्च अदालत में यह मामला विचाराधीन है और एक मामले में तो एसआईआर को 'अवैध' करार देने की भी मांग की गई है। जो भी हश्र होगा, देखा जाएगा, लेकिन इस मुद्दे ने हमारी राजनीति को बिल्कुल विभाजित और विषाक्त बना दिया है। विपक्ष को चुनाव आयोग की मनमानियां पसंद नहीं हैं और सारा देश इस मसले पर आंदोलित है। विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव भी लेकर आ रहा है। हालांकि मुख्य चुनाव आयुक्त को महाभियोग के जरिए हटाना आसान नहीं है, क्योंकि विपक्ष के पास वांछित बहुमत नहीं है, फिर भी इसके जरिए चुनाव आयोग के खिलाफ एक तरह का माहौल तो बन ही रहा है।

कांग्रेस कार्यसमिति और शेष विपक्ष की सामूहिक मांग है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को निलंबित किया जाए। यदि संभव है, तो उसे रद्द ही कर दिया जाए। अभी तक जिन 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, उन्हें बहाल किया जाए। यह कैसे संभव है, क्योंकि उनमें से 2.80 करोड़ से ज्यादा मतदाता तो 'दिवंगत' (मृत) हो चुके हैं। शेष 10.57 करोड़ काटे गए नामों पर चुनाव आयोग को बाध्य किया जाना चाहिए। दिल्ली में यह मामला सामने आया है। 'बेला एस्टेट' में अधिकतर झुग्गी-झोंपडियां थीं। लोगों ने अवैध अतिक्रमण किए हुए थे और वे वहां बसे हुए थे। 2022-23 में उन झुग्गियों को तोड़ दिया गया। वहां 728 वैध मतदाता रहते थे, जिनके पास चुनाव आयोग की मान्यता थी और वे लगातार मतदान करते रहे थे। झुग्गियां टूटीं, तो वे बेघर हो गए। एसआईआर अभियान के तहत बीएलओ को उस जगह कोई नहीं मिला। किसी एक ने 'मतदाता पहचान पत्र' दिखाया। नतीजतन 728 में से 727 मतदाताओं के नाम काट दिए गए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उन बेघरों के पास गए और मोबाइल पर ईआरओ से पूछा कि इतने नाम किस आधार पर काट दिए गए? बहरहाल जब यह खबर टीवी चैनलों और अखबारों की सुर्खियों में आ गई कि 'बेला एस्टेट' के बेघर परिवार फ्लाईओवर के नीचे जीने को विवश हैं, तो चुनाव आयोग ने अपने बीएलओ भी वहां भेजे। कटे हुए नामों के उन लोगों को 'फॉर्म 6' भर कर 'नया मतदाता' बनने की सलाह दी गई। खबर बताई जाती है कि 418 लोगों से 'फॉर्म 6' भरवा भी लिए गए हैं। अब नई मतदाता-सूची में उनके नाम भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन चुनाव आयोग ने यह 'संवैधानिक फ्रॉड' खेला है। फॉर्म 6 उन लोगों के लिए है, जो बिल्कुल पहली बार मतदाता बनना चाहते हैं।

गांधी जयंती - 2 अक्टूबर, 2026 पर विशेष

गांधी का पुनर्जन्म ही नहीं, गांधी-दृष्टि का पुनर्जागरण हो

महात्मा गांधी को याद करना केवल अतीत के एक महान व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि देना नहीं है, बल्कि अपने वर्तमान की दिशा और भविष्य की दशा पर विचार करना भी है। गांधी किसी एक कालखंड, राजनीतिक दल या विचारधारा की संपत्ति नहीं हैं। वे एक ऐसे जीवन-दर्शन का नाम हैं, जिसकी धुरी सत्य, अहिंसा, आत्मानुशासन, स्वावलंबन, सेवा, स्वदेशी, ग्रामोदय, सामाजिक समरसता और मानव-मर्यादा है। इसलिए आज आवश्यकता गांधी के पुनर्जन्म की ही नहीं, गांधी-दृष्टि के पुनर्जागरण की है। गांधी को जितना इतिहास में खोजेंगे, उतना ही वे अतीत के लगेंगे; उन्हें वर्तमान के प्रश्नों से जोड़ेंगे तो वे भविष्य के मार्गदर्शक बन जाएंगे। क्योंकि महात्मा गांधी बीसवीं शताब्दी में दुनिया के सबसे सशक्त, बड़े एवं प्रभावी नेता के रूप में उभरे, वे बापू एवं राष्ट्रपिता के रूप में लोकप्रिय हुए, वे एक रचनात्मक व्यक्तित्व थे जिन्होंने अपने ही मूल्यों के बल पर देश को आजादी दिलाई, नैतिक एवं स्वस्थ मूल्यों को स्थापित किया। उनके द्वारा निरुपित सिद्धान्त आज की दुनिया की चुनौतियों एवं समस्याओं के समाधान के सबसे सशक्त माध्यम है। लेकिन वक्त की विडम्बना देखिये कि गांधी को हम बार-बार कटघरे में खड़ा करते हैं और उनकी छवि को धुंधलाने की कोशिश में कोई कमी नहीं छोड़ते। जो मानसिकता गोली मार सकती है, वह गाली दे तो क्या आश्चर्य? पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। आज भारत 'नए भारत' और 'विकसित भारत' के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस यात्रा में गांधी को नए संदर्भ में देखने की जरूरत है। गांधी का स्वदेशी केवल चरखे तक सीमित नहीं था; उसका मूल भाव आत्मनिर्भरता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 जनवरी 2026 को गांधीजी की पुण्यतिथि पर भी स्वदेशी को विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का आधारस्तंभ बताते हुए उनके कर्तव्य-बोध को स्मरण किया। आज जब भारत स्थानीय उत्पादन, आत्मनिर्भरता, नवाचार, डिजिटल क्षमता और उद्यमिता को आगे बढ़ाने की बात करता है, तब गांधी का स्वावलंबन एक नए आर्थिक और सामाजिक संदर्भ में दिखाई देता है। गांधी के लिए विकास का अर्थ केवल उत्पादन और संपन्नता बढ़ाना नहीं था। विकास का अंतिम लक्ष्य मनुष्य था। उनकी दृष्टि में सबसे कमजोर व्यक्ति की चिंता विकास की कसौटी थी। आज 'सबका साथ, सबका विकास' और अंतिम व्यक्ति तक सुविधाओं तथा अवसरों की पहुंच की चर्चा इसी व्यापक मानवीय विकास के संदर्भ में की जा सकती है। गांधी का 'अंत्योदय' किसी सरकारी योजना का नाम नहीं, बल्कि विकास की नैतिक कसौटी है-जिसके केंद्र में वह व्यक्ति हो जो सबसे पीछे है। गांधी की सबसे बड़ी शक्ति यह थी कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं माना। उनके लिए राजनीति का नैतिक आधार सेवा था। आज लोकतंत्र को केवल चुनावों और संस्थाओं तक सीमित न रखकर संवाद, सहभागिता, उत्तरदायित्व और जनविश्वास से जोड़ने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की लोकतांत्रिक परंपरा, संवाद और सहभागिता की विरासत को रेखांकित किया है। 2023 के जी-20 सम्मेलन में उन्होंने भारत की प्राचीन सभा-परंपराओं और सामूहिक निर्णय की ऐतिहासिक परंपरा का उल्लेख किया था। यह दृष्टि गांधी की उस राजनीति से संवाद करती है जिसमें जनता केवल शासन की प्रजा नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण की सहभागी थी। भारत की विदेश नीति और वैश्विक भूमिका में भी गांधी-दृष्टि के नए संकेत दिखाई देते हैं। 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता का सूत्र था-'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य।' प्रधानमंत्री ने इसे भारतीय सभ्यता के 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के भाव से जोड़ा और विश्व की समस्याओं के समाधान के लिए सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। नई दिल्ली में जी-20 नेताओं का राजघाट जाकर गांधी को श्रद्धांजलि देना भी प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण था। उस अवसर पर गांधी के शांति, सेवा, करुणा और अहिंसा के आदर्शों को सामंजस्यपूर्ण और समावेशी वैश्विक भविष्य से जोड़ा गया। सचमुच आज विश्व को गाँधीजी के जीवन-मूल्यों की ज्यादा आवश्यकता है । आज धार्मिक कट्टरता बढ़ रही है। कुछ लोग जेहाद के नाम पर घृणित कृत्यों को अंजाम दे रहे हैं। कहीं दंगे हो रहे हैं तो कहीं महिलाओं और बच्चों के साथ अत्याचार की घटनाएँ हो रही हैं। धर्म और संप्रदाय के नाम पर समाज में विष घोला जा रहा है। दुनिया में शस्त्रों की होड़ चल रही है। आतंकवाद जीवन का अनिवार्य सत्य बन गया है। ऐसे में गाँधी बहुत याद आते हैं। इनके विचारों को फैलाकर ही दुनिया में शांति लाई जा सकती है। यहां गांधी की प्रासंगिकता एक और बड़े आयाम में सामने आती है। दुनिया आज युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, आर्थिक असमानता, जलवायु संकट और अविश्वास की चुनौतियों से गुजर रही है। तकनीक ने मानव की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन क्या उसने मानवता बढ़ाई है-यह बड़ा प्रश्न है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर परमाणु हथियारों तक, मनुष्य ने अभूतपूर्व शक्ति हासिल की है; लेकिन शक्ति के साथ संयम, करुणा और नैतिकता न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन सकती है। गांधी का संदेश इसलिए आज और महत्वपूर्ण है कि उन्होंने साधन और साध्य की पवित्रता को एक-दूसरे से अलग नहीं किया। गांधी को किसी एक राजनीतिक खेमे में बांधना उनके विराट व्यक्तित्व को छोटा करना है। गांधी को केवल कांग्रेस, केवल स्वतंत्रता आंदोलन, केवल खादी या केवल किसी एक राजनीतिक व्याख्या तक सीमित करना उनके वैश्विक स्वरूप के साथ न्याय नहीं है। गांधी भारत की आत्मा से निकले और मानवता की चेतना का हिस्सा बने। वे सीमाओं से आबद्ध नहीं हैं। वे अतीत के हैं, लेकिन केवल अतीत के नहीं हैं। वे आज के हैं और आने वाले हर कल के लिए उपयोगी हैं। भारत जब विश्व में अपनी भूमिका का विस्तार कर रहा है, तब गांधी-दर्शन उसके लिए नैतिक पूंजी बन सकता है। आर्थिक शक्ति भारत को प्रभावशाली बना सकती है, तकनीकी शक्ति उसे सक्षम बना सकती है और सामरिक शक्ति उसे सुरक्षित कर सकती है; लेकिन नैतिक शक्ति ही भारत को विश्वसनीय बना सकती है। विश्वगुरु होने का अर्थ दुनिया पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि दुनिया के सामने ऐसा जीवन-मूल्य प्रस्तुत करना है जिससे मानवता लाभान्वित हो। गांधी इसी नैतिक नेतृत्व की सबसे बड़ी भारतीय संभावनाओं में से एक हैं। प्रधानमंत्री द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' को प्रस्तुत करना इसी व्यापक संदर्भ में देखा जा सकता है। नए भारत की वास्तविक उपलब्धि केवल यह नहीं होगी कि भारत कितना बड़ा आर्थिक राष्ट्र बनता है; बड़ी उपलब्धि यह होगी कि उसकी विकास यात्रा कितनी मानवीय, समावेशी, संवेदनशील और टिकाऊ होती है।

गांधी को जितना इतिहास में खोजेंगे, उतना ही वे अतीत के लगेंगे; उन्हें वर्तमान के प्रश्नों से जोड़ेंगे तो वे भविष्य के मार्गदर्शक बन जाएंगे। क्योंकि महात्मा गांधी बीसवीं शताब्दी में दुनिया के सबसे सशक्त, बड़े एवं प्रभावी नेता के रूप में उभरे, वे बापू एवं राष्ट्रपिता के रूप में लोकप्रिय हुए, वे एक रचनात्मक व्यक्तित्व थे जिन्होंने अपने ही मूल्यों के बल पर देश को आजादी दिलाई, नैतिक एवं स्वस्थ मूल्यों को स्थापित किया। उनके द्वारा निरुपित सिद्धान्त आज की दुनिया की चुनौतियों एवं समस्याओं के समाधान के सबसे सशक्त माध्यम है। लेकिन वक्त की विडम्बना देखिये कि गांधी को हम बार-बार कटघरे में खड़ा करते हैं और उनकी छवि को धुंधलाने की कोशिश में कोई कमी नहीं छोड़ते। जो मानसिकता गोली मार सकती है, वह गाली दे तो क्या आश्चर्य? पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती।

देश दुनिया से

ब्रिक्स देशों को नए अमेरिकी टैरिफ कानून की चुनौती

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिकी हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव्स से पारित 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट 2026' पर हस्ताक्षर करने के बाद अब यह अमेरिकी कानून बन गया है। इससे राष्ट्रपति के लिए एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर निर्भर रहने से जुड़ी कानूनी जटिलताएं खत्म हो गईं। यह कानून अमेरिकी राष्ट्रपति को न केवल रूस व ईरान पर प्रतिबंध लगाने का हक देता है, बल्कि रूस के कुल वैश्विक तेल निर्यात का 15 प्रतिशत से अधिक आयात करने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का भी अधिकार देता है। रूसी तेल और गैस के शीर्ष खरीदारों में भारत और चीन शामिल हैं, तो यह कानून इनके लिए चेतावनी है। रूस की विश्व स्तर पर बिक्री से भारत 37 प्रतिशत और चीन 50 फीसदी तेल आयात करता है, जो उनकी आबादी की जरूरतों के लिए आवश्यक हैं। बिल पारित होने के बाद भारत, चीन और रूस की कड़ी आपत्तियों और भारत द्वारा द्विपक्षीय संबंधों तथा अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर इसके संभावित नकारात्मक प्रभावों की चेतावनी के बावजूद, अमेरिकी राष्ट्रपति ने बिना किसी हिचकिचाहट हस्ताक्षर कर इसे कानून बना दिया। रूस के साथ गंभीर भू-राजनीतिक मतभेद होने के कारण, अमेरिका अपने और अपने सहयोगियों के लिए रूसी और ईरानी तेल का बहिष्कार करने वाले ऐसे कानून बना सकता है, लेकिन अमेरिका को अन्य संप्रभु देशों को उन देशों से अमेरिका को निर्यातों पर भारी टैरिफ लगाकर इस मुहिम में शामिल होने के लिए मजबूर करने का कोई हक नहीं। यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नियमों के उलट है। वे अपनी आबादी की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए सबसे अच्छे और किफायती स्रोतों से ऊर्जा पदार्थ आयात करने के लिए स्वतंत्र हैं। भारत के पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के अनुसार, अप्रैल और अगस्त 2026 के बीच कच्चे तेल का आयात 100,669 हजार मीट्रिक टन और एलपीजी का आयात 4,992 हजार मीट्रिक टन था। ट्रेडइंट के इम्पोर्ट डेटा और 'बिल ऑफ़ लैडिंग' डेटाबेस से पता चलता है कि 2026 की शुरुआत में भारत ने अपने कच्चे तेल के कुल आयात में से इराक से 19.89 प्रतिशत, रूस से 17.92 प्रतिशत, सऊदी अरब से 16.03 प्रतिशत, यूएई से 11 प्रतिशत, न्यूज़ीलैंड से 6.95 प्रतिशत, ब्राज़ील से 5.04 प्रतिशत, अंगोला से 4.49 प्रतिशत, नाइजीरिया से 3.93 प्रतिशत, यूएसए से 3.51 प्रतिशत और कुवैत से 2.93 प्रतिशत कच्चा तेल खरीदा। हालांकि, अप्रैल-अगस्त 2026 के दौरान इराक से होने वाली शिपमेंट में बड़ी रुकावटों के कारण अगस्त 2026 तक रूस से कुल इम्पोर्ट बढ़कर लगभग 45 प्रतिशत हो गया था। रूस की जगह अमेरिका खुद को तेल व गैस के वैकल्पिक स्रोत के तौर पर पेश करता है। लेकिन भारत के लिए, अमेरिका से आने वाला कच्चा तेल न केवल रूस से आने वाले तेल से महंगा है, बल्कि भाड़े की लागत भी रूसी टैंकर रूट की तुलना में ज्यादा है। वहीं भारतीय रिफाइनरियां रूसी और मध्य-पूर्वी कच्चे तेल के लिए बनी हैं; अलग क्वालिटी वाला अमेरिकी तेल प्रोसेस करना चुनौती है। भारत सस्ते रूसी इम्पोर्ट छोड़ अमेरिकी महंगा तेल क्यों खरीदे? भारत अपने राष्ट्रीय हित में व्यापार के लिए वैश्विक ताकतों के बीच संतुलन बनाने के लिए 'रणनीतिक स्वायत्तता' की बात करता है, जबकि अमेरिका उसे अपनी नीतियों और भू-राजनीतिक योजनाओं के अनुसार चलने को मजबूर करता है। यह एक तरफ़ भारत व चीन के ख़िलाफ़ 'व्यापार को हथियार बनाने' और दूसरी तरफ़ रूस और ईरान के ख़िलाफ़ व्यापार युद्ध की राजनीति है। इस कानून का दिलचस्प पहलू है कि इसमें उन देशों को छूट दी गई है जो रूस के कुल वैश्विक ऊर्जा निर्यात का 15 प्रतिशत से कम खरीदते हैं। इन देशों में जापान, फ्रांस, बेल्जियम और अन्य यूरोपीय देश शामिल हैं, जो रूस-यूक्रेन युद्ध पर अमेरिका की नीति का समर्थन करते हैं। रूसी तेल आयात का आकलन करने का तरीका भी एक राजनीतिक पहलू है : किसी देश के कुल ऊर्जा आयात में रूसी ऊर्जा की हिस्सेदारी के प्रतिशत को देखने के बजाय रूस के कुल वैश्विक ऊर्जा निर्यात में उस देश का रूस से आयात प्रतिशत देखा जाता है। यूरोप सामूहिक रूप से रूस के वैश्विक गैस निर्यात का लगभग आधा हिस्सा लेकर रूसी गैस का सबसे बड़ा वैश्विक खरीदार है। सवाल है कि अगर इस कानून का मकसद रूस के 'युद्ध कोष' को नियंत्रित करना है, तो फिर 15 प्रतिशत की सीमा की शर्त क्यों? यूरोपीय देश काफी हद तक अमेरिकी नीति के साथ चलते हैं। नतीजन, उन देशों को अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों के अनुसार और भारत के मुकाबले अमेरिकी तेल पर कम भाड़ा लागत होने से रूसी तेल की जगह अमेरिकी तेल खरीदने में ज्यादा परेशानी नहीं है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मसूद पेज़ेश्कियन की पूर्ण सदस्य के रूप में उपस्थिति, ब्रिक्स घोषणापत्र में एकतरफा दबाव वाले उपायों की निंदा, बहुपक्षवाद व बहु-ध्रुवीयता के प्रति प्रतिबद्धता, सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार, भुगतान और मैसेजिंग चैनलों के लिए सीमा-पार इंटरऑपरेबिलिटी, और ब्रिक्स की स्थानीय मुद्राओं का उपयोग जैसे कारकों ने बिल को कानून का रूप देने की प्रक्रिया तेज की। यह कानून उन वैकल्पिक आर्थिक नेटवर्क पर सीधे हमला करने के हथियार के रूप में लाया गया है, जिन्हें मजबूत करने के लिए ब्रिक्स सदस्य प्रयास कर रहे हैं। एक राजनीतिक और व्यापारिक गठबंधन होने के नाते, ब्रिक्स आपसी व्यापार के लिए राष्ट्रीय मुद्राओं का उपयोग करने का विकल्प ढूंढ़ता है; इसके विपरीत, यूरोपीय संघ एक सैन्य गठबंधन है।

आप का नज़रिया

शैक्षणिक संदर्भों की पड़ताल

शिक्षा के सवाल अगर निजी प्रांगण में पूछे जाएं, तो अध्ययन की आंखें और खुलेंगी। यही सब हुआ जब सोलन में जुटे निजी विश्वविद्यालयों के समक्ष यह तस्वीर उभरी। उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता के मापदंड तय करती सरकार ने कम से कम निजी विश्वविद्यालयों के प्रयासों में हिमाचल के नए मानदंड देखे, तो यह एक अच्छी शुरुआत है। बेशक हिमाचल अब निजी क्षेत्र के योगदान व उपलब्धियों में साझेदारी देख रहा है, फिर भी यहां सार्वजनिक क्षेत्र के विकास से सियासी महत्त्वाकांक्षा पूरी होती है। हिमाचल में सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, तकनीकी शिक्षा संस्थान, मेडिकल, इंजीनियरिंग व बीएड संस्थान आबादी के अनुपात में भारतवर्ष में सबसे श्रेष्ठ हैं। यह दीगर है कि अत्यधिक प्रसार ने गुणवत्ता और प्रासंगिकता के प्रश्न गहरे किए हैं। निश्चित रूप से सरकारी संस्थानों की अहमियत बढ़ाने की जरूरत है और यही विचार सुक्खू सरकार के कई फैसलों में दिखाई दिया। सरकार ने कुछ अप्रासंगिक स्कूल-कालेज या तो समाहित किए या उन्हें बंद किया। सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम की तलाश पैदा करने के लिए, करीब डेढ़ सौ स्कूल चिन्हित किए, तो यह प्रयोग नई ऊष्मा देता है। कालेजों में उत्कृष्टता लाने के लिए अगर हमीरपुर में साइंस महाविद्यालय स्थापित किया जा रहा है, तो यह शिक्षा की नई ख्वाहिश है जो तरह-तरह विषयों पर केंद्रित राज्य स्तरीय कालेजों के लिए जगह बनाएगा। बावजूद इसके कि सरकार सार्वजनिक शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता के आधार पर बदलाव चाहती है, कुछ ऐसे स्थानों पर स्नाकोत्तर शिक्षा के विषय चलाए जा रहे हैं, जहां छात्रों का मानसिक विकास असंभव है। हर कालेज को पोस्ट ग्रेजुएट करने के बजाय उच्च शिक्षा के मानदंड उच्च रखने होंगे। घुमारवीं में दर्जन भर विषयों में स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई से अच्छा होता अगर वहां छात्रों के उत्साह में प्रतिस्पर्धा, नवाचार और व्यावहारिक शिक्षा के तत्व भरे जाते। हिमाचल में तकनीकी व मेडिकल यूनिवर्सिटी से ये अपेक्षा है कि पाठ्यक्रम का वांछित पक्ष जमीन पर दिखे। हम अपने शहरों की योजनाओं में नए तकनीक और विकल्प पैदा नहीं कर पा रहे, तो शैक्षणिक संदर्भों की पड़ताल होनी चाहिए। हिमाचल ने विकास के नाम पर कई परंपराएं, मान्यताएं तथा धरोहर महत्त्व खोया है। हम बीबीएन के विकास में अध्ययन की संभावनाएं या शिक्षा की प्रासंगिकता नहीं जोड़ पा रहे, तो इस खालीपन को भरना होगा। आखिर रोजगार कार्यालयों में फंसे बारह लाख के लगभग मानव संसाधन की शिक्षा का स्तर क्यों पंगु बना है। बेशक सोलन की मंत्रणा में निजी विश्वविद्यालयों के खाके से विज्ञान, पर्यटन, कृषि, बागबानी, अक्षय ऊर्जा, आपदा, जलवायु परिवर्तन तथा जल संरक्षण जैसे जटिल प्रश्नों पर भूमिका का विस्तार हुआ, लेकिन कुछ पाठ्यक्रम इससे इतर हिमाचल से पढ़ाई का स्तर पूछते हैं। अर्थशास्त्र या ग्रामीण आर्थिकी के विषयों पर जिस पढ़ाई का स्तर स्कूल से कालेज तक होना चाहिए, उसे कौन बताएगा। निजी स्कूलों से निजी विश्वविद्यालयों तक शिक्षा का उज्ज्वल भविष्य अगर चंद वैज्ञानिक विषय बन रहे हैं, तो स्वावलंबन और रोजगार के नए विषय कौन पढ़ाएगा। हम कब बच्चों को इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गणित, डिफेंस अध्ययन तथा गीत-संगीत व खेलों से जुड़ी रोजगार संभावनाओं के लिए तैयार करेंगे। हिमाचल से शिक्षा व स्वास्थ्य के लिए आज भी पलायन हो रहा है, तो गुणवत्ता का हर प्रश्न निजी संस्थानों में भी खामियां देख रहा है।

बेशक हिमाचल अब निजी क्षेत्र के योगदान व उपलब्धियों में साझेदारी देख रहा है, फिर भी यहां सार्वजनिक क्षेत्र के विकास से सियासी महत्त्वाकांक्षा पूरी होती है। हिमाचल में सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, तकनीकी शिक्षा संस्थान, मेडिकल, इंजीनियरिंग व बीएड संस्थान आबादी के अनुपात में भारतवर्ष में सबसे श्रेष्ठ हैं। यह दीगर है कि अत्यधिक प्रसार ने गुणवत्ता और प्रासंगिकता के प्रश्न गहरे किए हैं। निश्चित रूप से सरकारी संस्थानों की अहमियत बढ़ाने की जरूरत है और यही विचार सुक्खू सरकार के कई फैसलों में दिखाई दिया। सरकार ने कुछ अप्रासंगिक स्कूल-कालेज या तो समाहित किए या उन्हें बंद किया। सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम की तलाश पैदा करने के लिए, करीब डेढ़ सौ स्कूल चिन्हित किए, तो यह प्रयोग नई ऊष्मा देता है। कालेजों में उत्कृष्टता लाने के लिए अगर हमीरपुर में साइंस महाविद्यालय स्थापित किया जा रहा है, तो यह शिक्षा की नई ख्वाहिश है जो तरह-तरह विषयों पर केंद्रित राज्य स्तरीय कालेजों के लिए जगह बनाएगा। बावजूद इसके कि सरकार सार्वजनिक शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता के आधार पर बदलाव चाहती है, कुछ ऐसे स्थानों पर स्नाकोत्तर शिक्षा के विषय चलाए जा रहे हैं, जहां छात्रों का मानसिक विकास असंभव है। हर कालेज को पोस्ट ग्रेजुएट करने के बजाय उच्च शिक्षा के मानदंड उच्च रखने होंगे। घुमारवीं में दर्जन भर विषयों में स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई से अच्छा होता अगर वहां छात्रों के उत्साह में प्रतिस्पर्धा, नवाचार और व्यावहारिक शिक्षा के तत्व भरे जाते। हिमाचल में तकनीकी व मेडिकल यूनिवर्सिटी से ये अपेक्षा है कि पाठ्यक्रम का वांछित पक्ष जमीन पर दिखे।

कुछ अलग

क्या सस्ता युग आ गया है बंधु

उम्मीद नहीं है, लेकिन उम्मीद रखने के लिए कहा जा रहा है। घुप्प अंधेरा फिर भी फानूस की रौशनी करके जागरण को जगराता मनाया जा रहा है। देश डिजिटल हो रहा है। इंटरनेट ताकत के घोड़े पर सवार हो रहा है, लेकिन ग्रामीण भारत के स्कूलों में एक अध्यापक आज भी इक_I पांच कक्षाएं पढ़ा रहा है। वर्णमाला की पहचान तक न रखने वाले भाषा विज्ञानी बने हुए हैं और पहाड़े रटने की उम्र में कैलकुलेटर ज्ञान का सहारा लेकर गणितज्ञ बन रहे हैं। देश शिक्षित हो गया है, यह हम उस पीढ़ी को बताते हैं जो शिक्षा परिसरों को छोड़ कर अपेक्षित वीजा बैंड के लिए कदम-कदम पर खुलती नई अकादमियों में ठिकाना तलाशती है। सात समुद्र पार जाने के उसके रास्ते में न जाने कितने प्रतिबन्धों की चीन की दीवार खड़ी कर दी गई। नौजवान जंगलों में भटक कर डंकी बन कर उस धरती पर जगह तलाश रहे हैं जहां उनका कोई इंतजार नहीं करता, कोई आमंत्रण नहीं देता, फिर भी भीड़ लगी है।

दृष्टि कोण

पानी के लिए बांग्लादेश की 'हिलसा' कूटनीति

जिस शेख हसीना ने फिश डिप्लोमेसी की शुरुआत की थी, वो अब राजनीति के जल से बाहर हैं। हिलसा बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली है। स्थानीय लोग इसे इलिश कहते हैं। स्वाद में बेजोड़ होने की वजह से इसे मछलियों की रानी भी माना जाता है। इलिश के बगैर 'एई पार बांग्ला या ओई पार बांग्ला' की जनता रह नहीं सकती। बीते 26 सितंबर 2026 को दिल्ली स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन में हिलसा फेस्टिवल आयोजित हुआ था, जिसमें कुछ वरिष्ठ राजनेता, राजनयिक, पत्रकार, शिक्षाविद् और सांस्कृतिक हस्तियां शामिल हुईं। उस हिलसा फेस्टिवल में तवे पर हिलसा फ्राई का मेहमानों ते लुत्फ उठाया। चाणक्यपुरी स्थित दूतावास के मैत्री ऑडिटोरियम में आयोजित इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य फूड एवं कलिनरी डिप्लोमेसी के जरिए भारत और बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक संबंधों को प्रगाढ़ करना था। इस अवसर पर ढाका से प्रकाशित एक विशेष पुस्तक 'ए फिश कॉल्ड इलिश' का विमोचन भी भारतीय हस्तियों द्वारा किया गया। उत्सव में आए मेहमानों को हिलसा मछली से बने विभिन्न प्रकार के पारंपरिक बंगाली व्यंजन, जैसे सरसों हिलसा, फ्राइड हिलसा आदि, के साथ-साथ पारंपरिक बांग्लादेशी भोजन परोसा गया। बांग्लादेश के उच्चायुक्त एम. रियाज हामिदुल्लाह ने इस अवसर पर कहा कि हिलसा सिर्फ एक मछली नहीं है, बल्कि यह बांग्लादेश की पहचान, समाज और अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ी हुई है। यह आयोजन ऐसे समय में किया गया, जब दोनों देशों के बीच हिलसा के व्यापारिक समीकरणों को लेकर कई कूटनीतिक चर्चाएं चल रही हैं। वर्ष 1991 के बाद से बांग्लादेश और भारत के बीच संबंधों में उतार-चढ़ाव इन दोनों देशों के राजनेताओं के सत्ता में आने-जाने के साथ बदलते रहे हैं। शायद किसी को याद हो कि 19 मार्च 1998 को बीजेपी के दोबारा सत्ता में आने के बाद बांग्लादेश के तत्कालीन विदेश मंत्री आनन-फानन में नई दिल्ली पहुंचे थे। यह भूलकर कि पार्टी महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि देश का स्थायी हित महत्वपूर्ण है। उन दिनों शेख हसीना सत्ता में थीं। 16 मई से 1 जून 1996 तक अटल बिहारी वाजपेयी की 16 दिनों की पहली टर्म वाली सरकार को उन्होंने हल्के में लिया था। भारत में कई लोग ऐसा मानते हैं कि 1971 में भारत ने जो कुर्बानी दी थी, बांग्लादेश ने उसके लिए पर्याप्त आभार नहीं जताया। शायद ही कोई इस बात से इनकार करेगा कि भारत में चार पार्टियों वाली समावेशी सरकार के समय दोनों देशों के रिश्ते बहुत निचले स्तर पर थे। उस दौरान विदेश मंत्री स्तर की किसी द्विपक्षीय यात्रा की बात तो दूर, सरकार प्रमुख की यात्रा तक नहीं हुई थी। केंद्र में सत्ता मजबूत होती है, तो रिश्ते भी बदलते हैं। शेख हसीना, 'जैसी बही बयार, पीठ तब तैसी कीजिए', वाली राजनेता रही हैं। दक्षिण एशिया में 'हिलसा डिप्लोमेसी' की शुरुआत 1996 में सद्भावना और सहयोग के इरादे से हुई थी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 1996 की ऐतिहासिक गंगा जल बंटवारा संधि से ठीक पहले, सद्भावना के एक सोचे-समझे कदम के तौर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ज्योति बसु को हिलसा मछली की एक खेप भेजी थी। 12 दिसंबर 1996 को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके भारतीय समकक्ष एच. डी. देवेगौड़ा के बीच हुई 30 साल की इस संधि ने जनवरी-मई के सूखे मौसम के दौरान गंगा के पानी के बंटवारे का एक ढांचा तैयार किया था। इस दौरान नदी का बहाव काफ़ी कम हो जाता है। भारत और बांग्लादेश के बीच 1996 में हुई गंगा जल संधि 11 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रही है। वर्ष 1996 के बाद उभयपक्षीय परिस्थितियां काफी बदली हैं।

10 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान की टक्कर, विश्व कप में तीन बार भिड़ने की संभावना

2027 वनडे विश्व कप में पहली बार 14 टीमें और 57 मुकाबले, भारत का पहला मैच 7 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान की टीमें आगामी 2027 एकदिवसीय विश्व कप में 10 अक्टूबर को आमने-सामने होंगी। दोनों टीमों को एक ही ग्रुप में रखा गया है और जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में यह मुकाबला खेला जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने गुरुवार को 2027 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप का पूरा कार्यक्रम जारी किया। टूर्नामेंट 2 अक्टूबर से 21 नवंबर 2027 तक दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। इस बार पहली बार 14 टीमें विश्व कप में हिस्सा लेंगी और कुल 57 मुकाबले 12 स्थानों पर खेले जाएंगे।

भारत, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया एक ही ग्रुप में

ग्रुप-ए में भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और मेजबान जिम्बाब्वे को रखा गया है। इस ग्रुप की छठी टीम क्वालीफायर से आएगी। ग्रुप-बी में इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ क्वालीफायर से आने वाली एक टीम होगी।

7 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से भारत का पहला मुकाबला

भारत अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 7 अक्टूबर को केपटाउन में मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा। यह मुकाबला 2023 विश्व कप फाइनल की याद भी ताजा करेगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर खिताब जीता था। इसके तीन दिन बाद 10 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान की बहुप्रतीक्षित भिड़ंत जोहान्सबर्ग में होगी।

नए प्रारूप के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच इस विश्व कप में अधिकतम तीन मुकाबले होने की संभावना है।

पहला मुकाबला ग्रुप चरण:

भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में हैं। दोनों के बीच 10 अक्टूबर को ग्रुप चरण का मुकाबला पहले ही निर्धारित हो चुका है।

दूसरा मुकाबला सुपर-7 चरण:

ग्रुप चरण के बाद सात टीमें सुपर-7 चरण में पहुंचेंगी। इस चरण में सभी सात टीमें एक-दूसरे से एक-एक मुकाबला खेलेंगी। यदि भारत और पाकिस्तान दोनों इस चरण में पहुंचते हैं, तो दोनों की दूसरी भिड़ंत होगी।

तीसरा मुकाबला सेमीफाइनल या फाइनल:

सुपर-7 की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। यदि भारत और पाकिस्तान दोनों शीर्ष चार में रहते हैं और उनके मुकाबले का समीकरण बनता है, तो दोनों टीमें सेमीफाइनल में भिड़ सकती हैं। यदि दोनों फाइनल में पहुंचते हैं, तो खिताबी मुकाबले में तीसरी बार आमना-सामना होगा।

एकदिवसीय विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ भारत का अजेय रिकॉर्ड

एकदिवसीय विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक आठ मुकाबले हुए हैं और भारत ने सभी आठ मुकाबलों में जीत दर्ज की है। दोनों टीमों के बीच विश्व कप मुकाबलों को लेकर यह रिकॉर्ड आगामी 10 अक्टूबर के मैच को भी खास बनाता है।

2027 विश्व कप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने नया तीन-चरणीय प्रारूप लागू किया है। टूर्नामेंट की शुरुआत सुपर सीरीज से होगी। इसमें क्वालीफायर से आने वाली तीन सबसे निचली रैंक वाली टीमें आपस में राउंड-रॉबिन मुकाबले खेलेंगी। इन तीन टीमों में शीर्ष पर रहने वाली टीम अगले चरण यानी ग्रुप चरण में पहुंचेगी।

इसके बाद 12 टीमें दो ग्रुप में बांटी जाएंगी। दोनों ग्रुप में छह-छह टीमें होंगी और प्रत्येक टीम अपने ग्रुप की बाकी पांच टीमों के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेलेगी। इस चरण में कुल 30 मैच होंगे। प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष तीन टीमें और दोनों ग्रुप में चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम सुपर-7 चरण में पहुंचेगी।

इस प्रकार कुल सात टीमें सुपर-7 में जगह बनाएंगी। सुपर-7 चरण में सभी सात टीमें एक-दूसरे से एक-एक मुकाबला खेलेंगी और इस चरण में कुल 21 मैच होंगे। सुपर-7 की अंक तालिका में शीर्ष चार स्थान पर रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

सुपर-7 में पहले स्थान पर रहने वाली टीम का सामना चौथे स्थान वाली टीम से होगा, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान वाली टीमें दूसरे सेमीफाइनल में भिड़ेंगी। दोनों सेमीफाइनल के विजेता फाइनल में खिताब के लिए आमने-सामने होंगे।

12 स्थानों पर खेले जाएंगे 57 मुकाबले

विश्व कप के 57 मुकाबले 12 स्थानों पर खेले जाएंगे। इनमें दक्षिण अफ्रीका के आठ, जिम्बाब्वे के तीन और नामीबिया का एक स्थान शामिल है। नामीबिया पहली बार पुरुषों के वरिष्ठ विश्व कप के मुकाबलों की मेजबानी करेगा। दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे इससे पहले 2003 में भी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप की मेजबानी कर चुके हैं। 2027 का आयोजन 2003 के बाद पहली बार पुरुष एकदिवसीय विश्व कप को अफ्रीकी महाद्वीप में वापस लाएगा।

दक्षिण अफ्रीका में आठ स्थान

दक्षिण अफ्रीका में जोहान्सबर्ग, त्शवाने, केपटाउन, डरबन, गक़ेबरहा, ब्लूमफोंटेन, पार्ल और कूगोम्पो सिटी में मुकाबले होंगे। जिम्बाब्वे में हरारे, बुलावायो और विक्टोरिया फॉल्स तथा नामीबिया में विंडहोक मुकाबलों की मेजबानी करेंगे।

सेमीफाइनल 17 और 18 नवंबर, फाइनल 21 नवंबर को

विश्व कप के सेमीफाइनल मुकाबले 17 और 18 नवंबर को क्रमशः केपटाउन और त्शवाने में खेले जाएंगे। खिताबी मुकाबला 21 नवंबर को जोहान्सबर्ग में होगा।

आखिरी मिनट के गोल से पाकिस्तान को 4-3 से हराया, एशियन गेम्स पुरुष हॉकी के फाइनल में पहुंचा भारत

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल, अभिषेक ने 49 सेकंड पहले दागा निर्णायक गोल; 3 अक्टूबर को मलेशिया से होगा स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला

नागोया (जापान)। भारत ने एशियन गेम्स 2026 में पुरुष हॉकी के बेहद रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को 4-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत ने एक समय 3-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी, लेकिन पाकिस्तान ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। मुकाबला बराबरी की ओर बढ़ रहा था, तभी अंतिम हूटर बजने से करीब 49 सेकंड पहले अभिषेक ने निर्णायक फील्ड गोल कर भारत को रोमांचक जीत दिला दी।

भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल किए, जबकि सुखजीत सिंह ने भी एक गोल किया। पाकिस्तान की वापसी के बाद मुकाबला 3-3 की बराबरी पर पहुंच गया था। अंतिम क्षणों में अभिषेक के गोल ने भारत को 4-3 से जीत दिलाकर फाइनल का टिकट पक्का कर दिया।

फाइनल में मलेशिया से भिड़ेगा भारत

इस जीत के साथ भारत ने पुरुष हॉकी के स्वर्ण पदक मुकाबले में जगह बना ली है। स्वर्ण पदक के लिए 3 अक्टूबर को भारत का सामना मलेशिया से होगा।

मलेशिया ने दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

एशियन गेम्स 2026 - मेडल टैली

	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	चीन	152	71	62	285
2	जापान	58	78	79	215
3	दक्षिण कोरिया	30	30	52	112
4	उज्बेकिस्तान	16	21	19	56
5	ईरान	12	16	13	41
6	थाईलैंड	12	11	15	38
7	बहरीन	11	5	5	21
8	भारत	10	22	32	64
9	कजाखस्तान	9	19	35	63
10	उत्तर कोरिया	7	7	9	23

एशियन गेम्स में भारत के 64 साल के इंतजार का अंत, नितेश सिवाच ने रचा इतिहास

एशियन गेम्स 2026 में गुरुवार को भारत के नितेश सिवाच ने ग्रीको-रोमन कुश्ती के पुरुषों के 97 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। फाइनल में उन्हें जापान के यूरी नकाजातो के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। स्वर्ण पदक भले ही भारत के हाथ से निकल गया, लेकिन नितेश का फाइनल तक पहुंचना अपने आप में बड़ी उपलब्धि रहा। वह 1962 के बाद एशियन गेम्स में ग्रीको-रोमन कुश्ती के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने।

नितेश के रजत पदक ने ग्रीको-रोमन कुश्ती में भारत के 64 साल लंबे इंतजार को एक ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ तोड़ा है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, 1962 के बाद इस शैली में भारत का यह पहला एशियन गेम्स रजत पदक है।फाइनल मुकाबले में जापान के यूरी नकाजातो शुरू से ही मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए दृढ़ नजर आए। नितेश ने शुरुआत में पकड़ बनाने का प्रयास किया, लेकिन जापानी पहलवान ने उन्हें आक्रामक खेल दिखाने का अधिक अवसर नहीं दिया। मुकाबले के पहले दौर में नितेश को निष्क्रियता के लिए दंड मिला और नकाजातो ने दो अंक हासिल कर अपना खाता खोला।इसके बाद भारतीय पहलवान रक्षात्मक स्थिति में आ गए, जबकि जापानी पहलवान अपनी बढ़त बढ़ाने का प्रयास करता रहा। नितेश ने शानदार प्रतिरोध दिखाते हुए अंतर को बढ़ने नहीं दिया। पहले दौर के समाप्त होने तक वह 0-2 से पीछे थे। दूसरे दौर में नितेश को बड़ी वापसी की जरूरत थी, लेकिन नकाजातो ने मुकाबले की गति पर नियंत्रण बनाए रखा और भारतीय पहलवान को आक्रामक लय बनाने का अवसर नहीं दिया।

न्यूज ब्रीफ

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे से प्रसिद्ध कृष्णा बाहर, अनशुल कांबोज को मिला मौका

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के भारत दौरे के बीच भारतीय टीम में दो अहम बदलाव किए गए हैं। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में नहीं खेल पाएंगे। उन्हें गुवाहाटी में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान चोट लगी थी। चयन समिति ने प्रसिद्ध कृष्णा की जगह अनशुल कांबोज को वनडे टीम में शामिल किया है। कांबोज चंडीगढ़ में टीम के साथ जुड़ेंगे। तीसरे वनडे के लिए भारत की टीम में कप्तान शुभमन गिल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, नितीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, गुर्नूर बराड़, मोहम्मद सिराज, औकिब नबी, यशस्वी जायसवाल, नमन धीर और अनशुल कांबोज होंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी-20 सीरीज से वाशिंगटन सुंदर को बाहर कर दिया गया है। टीम प्रबंधन और चयन समिति ने यह फैसला न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारी को ध्यान में रखते हुए लिया है। 11 अक्टूबर से रणजी ट्राफी का नया सत्र शुरू होना है। ऐसे में वाशिंगटन सुंदर अपनी राज्य टीम के लिए लाल गेंद से क्रिकेट खेलकर टेस्ट सीरीज की तैयारी कर सकेंगे। उनकी जगह नमन धीर को टी-20 टीम में शामिल किया गया है। भारत की संशोधित टी-20 टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर के पास रहेगी, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान होंगे। टीम में अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन, संजू सैमसन, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, मयंक यादव और नमन धीर भी शामिल हैं।

एशियाई खेल 2026 : भारतीय क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को 124 रनों से रौंदकर फाइनल में बनाई जगह

स्वर्ण पदक मुकाबले में पाकिस्तान से होगा सामना

नागोया

भारतीय क्रिकेट टीम ने एशियन खेल 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका को 124 रनों से रौंदकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां स्वर्ण पदक मुकाबले में उनका सामना शनिवार को पाकिस्तान से होगा।

श्रीलंका ने टास जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन के नाबाद अर्धशतक (80 रन) और वैभव सूर्यवंशी को 38 रनों की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 169 रन बनाए, जवाब में श्रीलंकाई टीम 9.5 ओवर में केवल 45 रनों पर सिमट गई।

170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की खराब शुरुआत रही और जसप्रीत बुमराह ने पहले ही ओवर में सिनेथ जयवर्धने (00) और सोहन डी लिवेरा (00) को पवेलियन भेज दिया। दूसरे ओवर में अक्षर पटेल गेंदबाजी करने आए और पहली ही गेंद पर लसिथ क्रूसपुल्ले (00) भी रन आउट हो गए। इसके बाद अक्षर पटेल ने चौथे ओवर में कप्तान सहान अराचिगे (09) और आशेन बंडारा (00) को पवेलियन भेजकर श्रीलंका का स्कोर 5 विकेट पर 18 रन कर दिया। पांचवें ओवर में वाशिंगटन सुंदर को दो छक्के लगाने के बाद नुवानिदु फर्नांडो 31 के कुल स्कोर पर 15 रन बनाकर रन आउट हो गए। सुंदर ने गेंद आफ स्टंप के बाहर डाली फर्नांडो ने बैकफुट पर जाकर बैकवर्ड पाइंट की तरफ़ गेंद को धकेला और दौड़ पड़े, चमिका करुणारत्ने ने पहले तो प्रतिक्रिया दी लेकिन फिर रुक गए लेकिन तब तक फर्नांडो बीच पिच पर आ चुके थे, अक्षर के आसान थ्रो पर संजू सैमसन विकेट की गिल्ली उड़ाकर फर्नांडो को पवेलियन भेज दिया।

सातवें ओवर में 33 के कुल स्कोर पर सुंदर ने वनुजा सहान (01) को आउट कर श्रीलंका को सातवां झटका दिया। सहान ने रिवर्स स्वीप किया और गेंद सीधे फर्स्ट स्लिप में चली गई और अभिषेक शर्मा ने आसान-सा कैच पकड़ा। 10वें ओवर में 45 के कुल स्कोर पर तिलक वर्मा ने सीधे थ्रो पर थरिंदु रत्नायके को रन आउट कर श्रीलंका को आठवां झटका दिया। रत्नायके ने 5 रन बनाए। श्रीलंकाई पारी में यह तीसरा रन आउट था।

इसी ओवर में अगली दो गेंदों पर अभिषेक शर्मा ने दो विकेट लेकर केवल 45 रनों पर श्रीलंकाई पारी का अंत किया। अभिषेक के इस ओवर में केवल 5 गेंदों पर श्रीलंकाई टीम के 3 विकेट गिरे, अभिषेक की चौथी गेंद पर चमिका करुणारत्ने (04) को संजू सैमसन ने स्टम्प आउट किया और अगली ही गेंद पर बिनुरा फर्नांडो (00) बोल्ड हो गए। इस तरह श्रीलंका की टीम की टीम 9.5 ओवर में केवल 45 रनों पर सिमट गई।

भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और अभिषेक शर्मा ने 2-2 और वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया। तीन श्रीलंकाई बल्लेबाज रन आउट हुए।

भारत अब स्वर्ण पदक मुकाबले में शनिवार को पाकिस्तान से भिड़ेगा, जिसने पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 4 विकेट से शिकस्त दी। वहीं, कांस्य पदक मुकाबले में श्रीलंका का सामना बांग्लादेश से होगा।

ईशान किशन के नाबाद 80 रन से भारत ने श्रीलंका को दिया 170 रन का लक्ष्य

इससे पहले ईशान किशन की 46 गेंदों में नाबाद 80 रन की शानदार पारी की बदौलत भारत ने एशियाई खेल 2026 के पुरुष क्रिकेट सेमीफाइनल में श्रीलंका के सामने 170 रन का लक्ष्य रखा। भारत ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 169 रन बनाए।

टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे भारत ने पारी की शुरुआत अभिषेक शर्मा और 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की बाएं हाथ की सलामी जोड़ी से की। श्रीलंका ने गेंदबाजी की शुरुआत स्पिनर थारिंदु रत्नायके से कराई, जिन्होंने पहले ओवर में सूर्यवंशी के एक चौका सहित पांच रन दिए।

अभिषेक ने अगले ओवर की शुरुआत छक्के से की लेकिन अगली ही गेंद पर सहान अराचिगे ने उन्हें आउट कर दिया।

अभिषेक ने तीन गेंदों में सात रन बनाए। इसके बाद संजू सैमसन क्रीज पर आए लेकिन वह भी ज्यादा देर नहीं टिक सके और रत्नायके ने अपने दूसरे ओवर में उन्हें पवेलियन भेज दिया। सैमसन ने भी सात रन बनाए।

कप्तान श्रेयस अय्यर ने ईशान किशन से पहले बल्लेबाजी के लिए आकर वैभव सूर्यवंशी के साथ तीसरे विकेट के लिए 35 रन जोड़े। इस साझेदारी में सूर्यवंशी ने अधिक आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने बिनुरा फर्नांडो के ओवर में दो चौके लगाए और इसके बाद रत्नायके के अगले ओवर में लगातार तीन चौके जड़ दिए। फर्नांडो के अगले ओवर में एक और चौका लगाकर सूर्यवंशी ने भारत को पावरप्ले में 58 रन तक पहुंचाया।

पावरप्ले के तुरंत बाद सहान अराचिगे ने सूर्यवंशी को आउट कर भारत को तीसरा झटका दिया। इसके बाद रन गति कुछ धीमी पड़ गई।

ईशान किशन ने कुछ बड़े शाट लगाए लेकिन 10वें ओवर में कप्तान श्रेयस अय्यर भी आउट हो गए। अय्यर ने 13 गेंदों में 13 रन बनाए।

इसके बाद श्रीलंका के स्पिनरों ने कुछ ओवरों तक भारतीय बल्लेबाजों को बांधे रखा। 14वें ओवर में लसिथ क्रूसपुल्ले ने अक्षर पटेल को आउट किया। अक्षर ने 13 गेंदों में आठ रन बनाए। अगले ओवर में ईशान किशन ने रन गति बढ़ाने की कोशिश की और दो चौके लगाए लेकिन ओवर की अंतिम गेंद पर नुवानिदु फर्नांडो ने तिलक वर्मा को पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद शिवम दुबे ने ईशान का साथ दिया लेकिन वह भी नौ गेंदों में तीन रन बनाकर आउट हो गए। ईशान ने छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और इसके बाद लगातार तीन ओवरों में कम-से-कम एक चौका हासिल किया।

भारत ने 13वें दिन जीते 5 पदक, कुल 65 पदकों के साथ आठवें स्थान पर

नागोया

एशियाई खेल-2026 में भारत के पदक अभियान के लिए दिन शानदार रहा। भारत ने दो रजत और तीन कांस्य समेत 5 पदक जीते। इसके साथ भारत कुल 65 पदकों के साथ तालिका में आठवें स्थान पर बना हुआ है। भारत के खाते में अब 10 स्वर्ण, 23 रजत और 32 कांस्य पदक हैं।

भारत के लिए दिन का पहला पदक महिला स्क्वैश टीम ने जीता। अनाहत सिंह, तन्वी खन्ना और जोशना चिनप्पा की टीम को सेमीफाइनल में हांगकांग से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे उसे कांस्य पदक मिला। पुरुष स्क्वैश टीम ने भी सेमीफाइनल में मलेशिया के खिलाफ 1-2 की हार के बाद कांस्य पदक अपने नाम किया। पुरुष टीम में अभय सिंह, वेलावन सेंथिलकुमार और वीर चोटरानी शामिल थे।

नौकायन में पुरुष स्किफ स्पर्धा में प्राइस नोबल और मनु फ्रांसिस ने रजत पदक जीता। दोनों चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहे। तीरंदाजी में गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया।

कुश्ती में नितेश ने पुरुषों के 97 किग्रा ग्रीको-रोमन वर्ग में रजत पदक जीता। यह दिन का भारत का दूसरा रजत पदक रहा। इससे भारत के कुल रजत पदकों की संख्या 23 हो गई।

पदक तालिका में चीन 152 स्वर्ण, 71 रजत और 62 कांस्य सहित कुल 285 पदकों के साथ शीर्ष पर है। जापान 58 स्वर्ण, 78 रजत और 79 कांस्य सहित 215 पदकों के साथ दूसरे, जबकि कोरिया गणराज्य 30 स्वर्ण, 30 रजत और 52 कांस्य सहित 112 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

उज्बेकिस्तान 16 स्वर्ण, 21 रजत और 19 कांस्य सहित 56 पदकों के साथ चौथे और ईरान 12 स्वर्ण, 16 रजत तथा 13 कांस्य सहित 41 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है।

भारत 10 स्वर्ण, 23 रजत और 32 कांस्य सहित 65 पदकों के साथ आठवें स्थान पर है।

सूर्यदत्त बंसीरत्न पुरस्कारों से संतश्री रमणीकमुनिजी, साध्वीश्री हिमानीजी और डॉ. सोमा घोष सम्मानित

पुणे, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदलती जीवनशैली में संयुक्त परिवार प्रणाली, इंसानियत, सदाचार और सामाजिक प्रतिबद्धता के महत्व को रेखांकित करने की आवश्यकता है। संयुक्त परिवार संस्कारों का पहला विद्यालय है, जहां अच्छा व्यवहार, एक-दूसरे का सहारा बनना और समाज निर्माण में योगदान देने जैसे मूल्य अगली पीढ़ी तक पहुंचते हैं। सुषमा एवं प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया दंपत्ति पिछले कई वर्षों से नई पीढ़ी को आदर्श, मूल्य, संस्कार और सामाजिक चेतना की सीख देने का कार्य कर रहे हैं। यह कार्य सराहनीय है। यह विचार वरिष्ठ अभिनेता रजा मुराद ने सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन, पुणे द्वारा संचालित बंसीरत्न वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में व्यक्त किए।

महर्षीनगर स्थित शिवशंकर सभागृह के साधना सदन में आयोजित समारोह में अहिंसा विश्वभारती के संस्थापक अध्यक्ष आचार्य डॉ. लोकेशमुनिजी, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के सलाहकार डॉ. अरविंद नातू, वरिष्ठ अभिनेता रजा मुराद, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के प्रो. वाइस चांसलर डॉ. पराग कालकर, वरिष्ठ शास्त्रीय गायिका डॉ. सोमा घोष, सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया, उपाध्यक्ष एवं सचिव सुषमा चोरडिया, सहयोगी उपाध्यक्ष स्नेहल नवलखा एवं डॉ. किमया गांधी, मुख्य विकास अधिकारी सिद्धांत चोरडिया, स्वर्णिमा सिद्धांत चोरडिया आदि उपस्थित थे।

समारोह में पूज्य संतश्री रमणीकमुनिजी महाराज साहेब को 'सूर्यरत्न : द सेंट ऑफ मॉडर्न इंडिया एवं सूर्यदत्त राष्ट्रीय जीवन गौरव पुरस्कार', पूज्य साध्वीश्री हिमानीजी महाराज साहेब को 'सूर्यदत्त साध्वीरत्न राष्ट्रीय पुरस्कार' तथा पद्मश्री डॉ. सोमा घोष को 'सूर्यदत्त स्त्रीशक्ति राष्ट्रीय पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

इसके अलावा पन्नालाल मोतीलाल कोठारी एवं मोतीबन परिवार को 'सूर्यदत्त बंसीरत्न आदर्श परिवार पुरस्कार', श्रीमती सरला एवं पृथ्वीराज धोका को 'सूर्यदत्त बंसीरत्न आदर्श माता-पिता पुरस्कार', श्रीमती विमल अनिल बाफना को 'सूर्यदत्त बंसीरत्न समाज शिरोमणि ज्ञानसेवा पुरस्कार', सुदेशकुमार चंपालाल साकलेचा को 'सूर्यदत्त बंसीरत्न समाज शिरोमणि पुरस्कार', श्रीमती निर्मला चंद्रकांत छाजेड को 'सूर्यदत्त बंसीरत्न समाजरत्न पुरस्कार', कुंदनलाल दर्डा एवं मोहनलाल कन्हैयालाल संचेती को 'सूर्यदत्त बंसीरत्न समाजभूषण पुरस्कार' तथा आशीष रमणलाल बोरा, मनोज मदनलाल छाजेड एवं सुनील पोपटलाल नाहर को 'सूर्यदत्त बंसीरत्न मानवसेवा पुरस्कार' प्रदान किया गया। इस अवसर पर 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करने वाले जैन समाज के 100 मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, स्वर्ण पदक एवं स्कार्फ प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आचार्य डॉ. लोकेशमुनिजी ने कहा कि समाज निर्माण के लिए केवल व्यक्तिगत सफलता ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि परिवार और समाज के प्रति जिम्मेदारी भी उतनी ही आवश्यक है। संयुक्त परिवार प्रणाली से इंसानियत और सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना आगे बढ़ती है। उन्होंने कहा कि अहिंसा, मानवता और समाजसेवा की भावना को जागृत रखते हुए सभी को समाज के लिए योगदान देना चाहिए। समाज के आदर्श व्यक्तियों और मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान कर चोरडिया दंपत्ति समाज निर्माण का कार्य कर रहे हैं।

संतश्री रमणीकमुनिजी ने आशीर्वचन में कहा कि समाज निर्माण एक दिन या एक व्यक्ति के प्रयास से नहीं होता। प्रत्येक व्यक्ति का छोटा-सा योगदान भी व्यापक सामाजिक परिवर्तन में सहायक होता है। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों को सही संस्कार, मार्गदर्शन और पर्याप्त समय दिया जाए तो वे भविष्य में समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य कर सकते हैं। अभिभावकों और समाज को बच्चों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया ने कहा कि यह कार्यक्रम मेधावी विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहने के साथ उन्हें करियर और जीवन में सही अवसर एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण मंच है। समाज में अच्छा कार्य करने वालों का उत्साहवर्धन करने से उन्हें और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी मिलें, इसके लिए सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन ऐसे प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई, मेहनत और व्यायाम के साथ माता-पिता एवं बुजुर्गों का सम्मान करने का आह्वान किया।

साध्वीश्री हिमानीजी ने उपस्थित जनों को आशीर्वाद देते हुए मार्गदर्शन किया। डॉ. अरविंद नातू, प्रो. डॉ. पराग कालकर, डॉ. सोमा घोष, पन्नालाल मोतीलाल कोठारी, पृथ्वीराज धोका, श्रीमती विमल अनिल बाफना, सुदेशकुमार चंपालाल साकलेचा, श्रीमती निर्मला चंद्रकांत छाजेड, कुंदनलाल दर्डा, मोहनलाल कन्हैयालाल संचेती, आशीष रमणलाल बोरा, मनोज मदनलाल छाजेड एवं सुनील पोपटलाल नाहर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेता राठौड़-कटारिया ने किया। स्नेहल नवलखा ने आभार व्यक्त किया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

किनवट, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लायन्स नेत्रालय, नांदेड एवं श्री साईबाबा श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर संस्थान के तत्वावधान में नि:शुल्क नेत्र जांच, मोतियाबिंद सर्जरी, दंत चिकित्सा, कान रोग, रक्तचाप एवं मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लोगों ने लाभ उठाया।

शिविर में कुल 112 लोगों ने पंजीयन कराया। जांच के बाद 35 मरीजों को मोतियाबिंद सर्जरी के लिए चयनित किया गया। चयनित मरीजों को लायन्स नेत्रालय, नांदेड के वाहन से नांदेड ले जाया गया, जहां उनका नि:शुल्क ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद मरीजों को उसी वाहन से किनवट वापस छोड़ा गया।

इसके अलावा दंत चिकित्सा के अंतर्गत 25 लोगों का परीक्षण किया गया, वहीं कान संबंधी 17 लोगों की जांच की गई। शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. नागेश कदम एवं नेत्र विशेषज्ञ डॉ. त्रिमुख क्षीरसागर ने मरीजों की आंखों की जांच की। दंत विशेषज्ञ डॉ. बालाजी धर्मकारे एवं दंत विशेषज्ञ डॉ. दृष्टि धर्मकारे ने दंत रोगियों का परीक्षण किया। वहीं कान संबंधी मरीजों की जांच कान विशेषज्ञ डॉ. बालाजी सुरनर ने की।

मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों की रक्तचाप एवं मधुमेह की भी जांच की गई। स्वास्थ्य संबंधी नि:शुल्क सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर का आयोजन मंदिर संस्थान के सच्चिदानंद पवार गुरु स्वामी के मार्गदर्शन में तथा लायन्स क्लब, किनवट के पूर्व अध्यक्ष के. मूर्ती अण्णा की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ।

पवार गुरु स्वामी ने बताया कि प्रत्येक माह के पहले गुरुवार को यह नि:शुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद सर्जरी शिविर आयोजित किया जाएगा। मंदिर संस्थान द्वारा मरीजों के लिए प्रसाद की व्यवस्था भी की जाती है।

इस शिविर में अशोक गाडेकर, गोविंद शिरडकर, अमित पुजारी महाराज, विजय राठोड, दीपक डंबाले, सचिन चव्हाण, उर्मिला कल्याणकर, अजय भरकड सहित भक्त उपस्थित थे।

युवाओं के लिए विश्वस्तरीय कौशल प्रशिक्षण पर जोर

मंचेरियाल, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की कौशल प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने और बेहतर रोजगार अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से राज्य के मंत्री एवं चेनूर विधायक विवेक वेंकटस्वामी ने तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल के साथ ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर स्थित वर्ल्ड स्किल सेंटर का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय मानकों वाले फिनिशिंग स्कूल मॉडल, अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं तथा युवाओं को वैश्विक रोजगार के लिए तैयार करने की प्रशिक्षण पद्धतियों का अध्ययन किया।

मंत्री ने बताया कि सिंगापुर के आईटीई मॉडल की तर्ज पर एशियाई विकास बैंक और सिंगापुर आईटीईईएस की साझेदारी से संचालित केंद्र में मेकेट्रॉनिक्स, औद्योगिक स्वचालन, विद्युत प्रौद्योगिकी, प्रिसिजन इंजीनियरिंग तथा वातानुकूलन एवं प्रशीतन जैसे क्षेत्रों में उन्नत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अधिकारियों के साथ बैठक में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण, युवाओं को विश्व कौशल प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने तथा विदेशी भाषाओं, संचार एवं सॉफ्ट स्किल्स को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने पर चर्चा हुई।

फ्लोटन अफ्रीका ने पेश किए प्रॉफिटेबल प्रोजेक्ट्स

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तंजानिया के जंजीबार को भारतीयों के लिए लाभदायक ओवरसीज रियल एस्टेट डेस्टिनेशन के रूप में पेश किया गया है। शांतिपूर्ण, शांत और निवेश के लिहाज से बेहद अनुकूल माने जाने वाले जंजीबार में रियल एस्टेट निवेश पर अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना जताई जा रही है। तेलंगाना की सफल उद्यमी सपना ब्रह्मरौतु के नेतृत्व वाली फ्लोटन अफ्रीका कंपनी ने भारत में अपनी पहचान बनाने के लिए भव्य प्रेस मीट का आयोजन किया। इस मौके पर कंपनी ने अपने सफल प्रोजेक्ट्स द एमराल्ड एट पाजे, एमराल्ड स्कायर, रिवोरा बीच क्लब एंड रेसिडेंसेज, होला पाजे और योलो रेसिडेंसका परिचय दिया।

फ्लोटन अफ्रीका जंजीबार में इन प्रोजेक्ट्स के जरिए भारतीय निवेशकों को आकर्षक अवसर उपलब्ध कराने का दावा कर रही है।

जेद्दा में 11वें आयुर्वेद दिवस का आयोजन

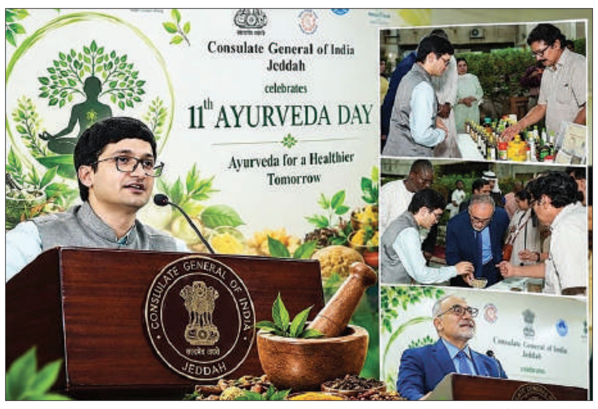

जेद्दा, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के वाणिज्य दूतावास, जेद्दा ने 29 सितंबर 2026 को दूतावास परिसर में 11वें आयुर्वेद दिवस का आयोजन किया। इस वर्ष की थीम आयुर्वेद फॉर ए हेल्दीयर टुमॉरो और व्यापक दृष्टिकोण वन हेल्थ, वन फ्यूचर के तहत यह समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में आयुर्वेद की समृद्ध परंपरा और समग्र स्वास्थ्य, निवारक देखभाल तथा संतुलित जीवनशैली में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया। पद्मश्री नौफ मारवाई (अरब योगा फाउंडेशन की संस्थापक एवं एशियन योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन की अध्यक्ष), विभिन्न वाणिज्य दूत, राजनयिक समुदाय के सदस्य, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, शिक्षाविद्, उद्योग प्रतिनिधि और भारतीय समुदाय के लोग मौजूद रहे।

इस अवसर पर हार्मनी इन हीलिंग विषय पर पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा के बीच संवाद की संभावनाओं पर चर्चा हुई। आयुर्वेद प्रदर्शनी में आयुर्वेदिक औषधियां, औषधीय पौधे, जड़ी-बूटियां, मसाले और वेलनेस उत्पाद प्रदर्शित किए गए। विशेष रूप से तैयार 'आयुर् आहार' ने संतुलित पोषण के महत्व को रेखांकित किया।

बीआरएस कार्यकर्ताओं की पदयात्रा

मंचेरियल, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख के. चंद्रशेखर राव के दोबारा मुख्यमंत्री बनने की कामना को लेकर मंचेरियल विधानसभा क्षेत्र के बीआरएस कार्यकर्ताओं ने पदयात्रा शुरू की। यह पदयात्रा मंचेरियल जिला केंद्र से के. चंद्रशेखर राव के निवास तक आयोजित की जा रही है। पदयात्रा का शुभारंभ तेलंगाना राज्य फिल्म विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष पूस्कूर राम मोहन राव ने मंचेरियल जिला केंद्र स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर राम मोहन राव ने कहा कि मंचेरियल से के. चंद्रशेखर राव के निवास तक निकाली जा रही यह पदयात्रा बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक पूरी हो। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में एक बार फिर के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व की वापसी की कामना की जा रही है। पदयात्रा के आयोजकों में शामिल कांपेल्ली विजय ने कहा कि तेलंगाना के दलित, पिछड़े और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए के. चंद्रशेखर राव को फिर से मुख्यमंत्री बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके अनुसार के. चंद्रशेखर राव का शासन तेलंगाना की जनता के लिए सुरक्षा और कल्याण का आधार रहा है। कार्यक्रम में मंचेरियल कृषि बाजार समिति के पूर्व अध्यक्ष पल्ले भूमेश, महिला एवं बाल विकास समिति मंचेरियल जिला की पूर्व अध्यक्ष अत्ती सरोज, पूर्व पार्षद बंडी पद्म, मोहम्मद ताजुद्दीन, गंगुलु, बीआरएस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद रफी, कोसरी रवींद्रनाथ, मोहम्मद शकील, अजीम, नांचर्ला शोभन, गुम्मुला वेंकटेश्वरलु, ईसारपु श्रीनिवास सहित अन्य नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

9/11 बाल...

फ्लाइटरडार24 ने इस पूरे घटनाक्रम को तेजी से नीचे आना, तेजी से ऊपर जाना और फिर दोबारा नीचे आना बताया है। उसके अनुसार विमान 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रहा था और बाद में सऊदी अरब के तबुक की ओर मोड़ दिया गया।

नीचे आने के बाद फिर तेजी से चढ़ा विमान

विमान करीब 16,600 फीट की ऊंचाई पर सबसे नीचे पहुंचा। इसी दौरान उसने पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर करीब 135 डिग्री का मोड़ लिया। इसके बाद विमान ऊपर जाने लगा। आंकड़ों के मुताबिक, विमान ने एक मिनट से भी कम समय में करीब 5,000 फीट की ऊंचाई हासिल की। इसके बाद वह फिर नीचे आया और 15,000 फीट से भी कम ऊंचाई पर पहुंच गया।

फ्लाइटरडार24 के अनुसार, विमान बाद में करीब 15,000 फीट की ऊंचाई के आसपास रहा और उसकी भू-गति में भी काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। इसके बाद विमान ने आपात संकेत प्रसारित किए और अंततः सऊदी अरब के तबुक हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया।

टीवी चैनल की 3डी तस्वीर में विमान के रास्ते, तेजी से नीचे आने, फिर ऊपर जाने और उसके बाद यू-टर्न लेने का पूरा क्रम दिखाया गया है। तस्वीर में विमान का इस्तेमाल किया गया चिह्न केवल समझाने के लिए है। वास्तविक उड़ान बोइंग 737 मैक्स विमान से हुई थी। फ्लाइटरडार24 के अभिलेख में भी एफ़जेड10 के लिए बोइंग 737 मैक्स 8 विमान का उल्लेख है।

आखिर विमान के साथ क्या हुआ?

इन आंकड़ों से यह जरूर पता चलता है कि उस दौरान विमान की ऊंचाई, दिशा और गति में क्या बदलाव हुए, लेकिन इससे यह साफ नहीं होता कि कॉकपिट में उस वक्त क्या चल रहा था या विमान अचानक इतनी तेजी से नीचे क्यों आने लगा। इसका सही जवाब जांच पूरी होने के बाद ही मिलेगा। जांच करने वाली टीमें विमान की स्थिति, मौके से मिले साक्ष्य, उड़ान रिकॉर्डर, कॉकपिट से जुड़े आंकड़ों और चश्मदीदों की जानकारी की जांच करेंगी। फिलहाल सामने आए आंकड़े 30 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर एफ़जेड1073 के उन करीब 30 सेकेंड की तस्वीर दिखाते हैं, जब विमान तेजी से नीचे आया, अचानक दिशा बदली, फिर ऊपर गया और दोबारा नीचे आ गया। इस मुश्किल वक्त में विमान को वापस नियंत्रण में लाने के लिए चालक दल ने क्या कदम उठाए, इसकी पूरी जानकारी जांच के बाद सामने आएगी।

विमान के तबुक पहुंचने और सुरक्षित उतरने की पुष्टि फ्लाईदुबई ने भी की है। एयरलाइन के अनुसार, विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित थे और उनकी स्थिति की जानकारी संबंधित अधिकारियों के साथ साझा की गई।

ओमानी पायलट...

लेकिन दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण की कोई द्विपक्षीय संधि नहीं है।बेन-गवीर ने बयान में कहा, जिस किसी ने भी विमान को क्रैश करने और 180 इजरायलियों की हत्या करने की योजना बनाई, उसे इजरायल प्रत्यर्पित किया जाना चाहिए और उसे यहां सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए।उन्होंने घटना के दौरान हस्तक्षेप करने वाले यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इजरायल की सुरक्षा नीति स्पष्ट होनी चाहिए और जो लोग इजरायलियों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा, हमारी सुरक्षा नीति साफ होनी चाहिए, जो कोई भी इजरायलियों की हत्या करने या उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा, इजरायल राज्य उसका पीछा करेगा और दुनिया में कहीं भी उससे हिसाब बराबर करेगा।

भारतीय पायलट स्मित मछार गंभीर रूप से घायल

इजरायली अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध सह-पायलट ने भारतीय कप्तान स्मित मछार पर चाकू से हमला किया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद मछार ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में मदद की, जिसके बाद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने कथित हमलावर को काबू करने में सहायता की। इसके बाद विमान को सुरक्षित रूप से तबुक में उतारा गया।

स्मित मछार का सऊदी अरब में उपचार किया गया। भारतीय अधिकारियों और राजनयिक मिशनों ने उनकी स्थिति पर नजर रखी। घटना के बाद उन्हें आगे के उपचार के लिए संयुक्त अरब अमीरात ले जाने की भी जानकारी सामने आई है।

घटना के कारणों और मकसद की जांच जारी

फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड 1073 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव के लिए रवाना हुई थी। घटना के बाद विमान को सऊदी अरब के तबुक में आपात स्थिति में उतारा गया। संयुक्त अरब अमीरात ने भी इस घटना की जांच शुरू की है। जांच का उद्देश्य घटना की परिस्थितियों, कारणों और संभावित मकसद का पता लगाना है तथा यह भी देखा जा रहा है कि कहीं इसका किसी आतंकवादी गतिविधि या पूर्व नियोजित साजिश से संबंध तो नहीं है।

इजरायल में विमानन सुरक्षा की समीक्षा

घटना के बाद इजरायल में विमानन सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा शुरू कर दी गई है। परिवहन मंत्री मिरी रेगेव ने जांच पूरी होने तक इजरायल के लिए फ्लाईदुबई की उड़ानों को रोकने की मांग की। वहीं, इजरायली विमानन एवं सुरक्षा अधिकारियों ने इजरायली हवाई क्षेत्र की ओर आने वाले विमानों के पायलटों की सुरक्षा जांच और उनसे संबंधित प्रक्रियाओं की समीक्षा शुरू की है।

फिलहाल घटना के पूरे हालात, सह-पायलट के कथित मकसद और किसी संभावित पूर्व नियोजित साजिश से जुड़े पहलुओं की जांच जारी है। उपलब्ध रिपोर्टों में इन पहलुओं पर अभी अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है।

मोदी...

रंगारेड्डी जिले के अब्दुल्लापुरमेट मंडल के कोहेड़ा में विश्वस्तरीय एकीकृत फल बाजार के निर्माण कार्य को तेज करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए सरकार की ओर से धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।

लंबे समय से अधूरी पड़ी 10 ईपीसी पद्धति की सिंचाई परियोजनाओं को रोकने के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दी। लंबे समय से इन परियोजनाओं का काम पूरा नहीं होने के कारण इन्हें आगे जारी नहीं रखने का निर्णय लिया गया है।

तेलंगाना में डिजिटल मीडिया के लिए अलग विज्ञापन नीति लागू करने का निर्णय लिया गया है। यह नीति केंद्र की डिजिटल विज्ञापन व्यवस्था के अनुरूप तैयार की जाएगी। इसके तहत डिजिटल मीडिया संस्थानों को सरकारी विज्ञापन देने के लिए एक निर्धारित व्यवस्था बनाई जाएगी।

नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन के लिए डिप्टी कमिश्नर के एक पद को मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही दिल्ली में राज्य सरकार के कार्यों के लिए चार ग्रुप-1 अधिकारियों की तैनाती को भी मंजूरी दी गई है।

कैबिनेट के इन फैसलों के तहत कर्मचारियों और पेंशनरों के लंबित डीए-डीआर जारी करने का रास्ता साफ हुआ है। वहीं, बारिश की कमी, धान खरीद, बिजली की बढ़ती मांग, सिंचाई परियोजनाओं और डिजिटल मीडिया से जुड़े मामलों में भी सरकार ने कई निर्णय लिए हैं।

तरकश में...

ब्रज में नवीन प्रजापति और पश्चिम में सुनील भाटी को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा सुरेश यज्ञसैनी को प्रदेश कोषाध्यक्ष, विजय गुप्ता को कार्यालय मंत्री, साकेत शर्मा को मीडिया प्रभारी और प्रवीण कुशवाहा को सामाजिक माध्यम संयोजक बनाया गया है। शोध विभाग की जिम्मेदारी जितेंद्र सिंह लोधी को दी गई है।

महिला मोर्चा में भी नई टीम

भाजपा ने उत्तर प्रदेश महिला मोर्चा की नई प्रदेश टीम का भी ऐलान किया है। सरोज कुशवाहा की अध्यक्षता वाली टीम में 12 प्रदेश उपाध्यक्ष, 2 प्रदेश महामंत्री और कई प्रदेश मंत्रियों को जिम्मेदारी दी गई है।

महिला मोर्चा में रागिनी जायसवाल को प्रदेश मंत्री, रानिका जायसवाल को कोषाध्यक्ष, रुचि राय को सह-कोषाध्यक्ष और सारिका श्रीवास्तव को कार्यालय मंत्री बनाया गया है। वहीं, शिप्रा त्रिपाठी को मीडिया संयोजक की जिम्मेदारी मिली है।

महिला मोर्चा के छह क्षेत्रों के लिए भी क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। पश्चिम में अचला सिंह जाट, ब्रज में चंद्रेश गुप्ता, कानपुर में मोना शुक्ला, अवध में डॉ. श्वेता सिंह, काशी में सुनीता राजेश सिंह और गोरखपुर में संध्या त्रिपाठी को जिम्मेदारी दी गई है।

पार्टी ने किसान मोर्चा और अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश टीमों का भी गठन किया है। किसान मोर्चा की कमान देवेंद्र सिंह चौधरी और अनुसूचित जाति मोर्चा की जिम्मेदारी अशोक रावत के पास है। दोनों मोर्चों में प्रदेश स्तर के साथ क्षेत्रीय स्तर पर भी पदाधिकारियों की नियुक्तियां की गई हैं।इन संगठनात्मक नियुक्तियों के साथ भाजपा ने उत्तर प्रदेश में अपने विभिन्न मोर्चों की प्रदेश और क्षेत्रीय संरचना को अंतिम रूप दिया है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी के पांच प्रमुख मोर्चों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

ममता...

यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच विवाद चल रहा है। चुनाव आयोग ने आगामी उपचुनावों के लिए दोनों गुटों को अलग-अलग अंतरिम नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किए हैं। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'फुटबॉल खिलाड़ी' चुनाव चिह्न दिया गया है, जबकि प्रतिद्वंद्वी गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'लिफाफा' चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है।

ये नाम और चुनाव चिह्न आगामी उपचुनावों के लिए अंतरिम व्यवस्था के तहत दिए गए हैं। चुनाव आयोग ने दोनों गुटों के बीच पार्टी के नाम और पारंपरिक चुनाव चिह्न को लेकर चल रहे विवाद के बीच यह व्यवस्था की है।इंडिया गठबंधन में शामिल होने की इच्छा का ऐलान

डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस की ओर से इंडिया गठबंधन में शामिल होने की इच्छा जताए जाने के साथ पश्चिम बंगाल की विपक्षी राजनीति में एक नया राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। हालांकि, पार्टी ने स्पष्ट किया है कि गठबंधन में शामिल होने के लिए उसकी प्रमुख शर्त ममता बनर्जी को गठबंधन से बाहर रखना है।

मुसीबत...

ये चीजें करने से आपको मुश्किल समय में आर्थिक और भावनात्मक रूप से निपटने में मदद मिलेगी और भविष्य में अच्छे दिन जरूर वापस आएंगे। समय के चक्र का यही स्वभाव है।दंडपाणि की पोस्ट सामने आने के बाद सामाजिक माध्यम पर लोगों के बीच इस सलाह को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कुछ लोगों ने इसे सही और जरूरी सलाह बताया, जबकि कई मध्यमवर्गीय परिवारों से जुड़े लोगों ने सवाल उठाया कि वर्तमान समय में तीन महीने की बचत करना भी कई परिवारों के लिए कठिन है, ऐसे में तीन साल के खर्च के बराबर आपातकालीन निधि तैयार करना कैसे संभव होगा।

एक उपयोगकर्ता ने लिखा, सिर्फ दो महीने का फंड जुटाना भी बहुत बड़ी बात होती है। इमरजेंसी फंड, हेल्थ फंड वगैरह की जरूरत होती है। हम लोग तीन साल का कैसे जुटाएं।एक अन्य उपयोगकर्ता ने लिखा, मैं पूरी तरह सहमत हूं। समस्या यह है कि ज्यादातर लोग 1979 से सेंसेक्स को अध्ययन नहीं करते हैं। ऐसे दौर भी आए हैं, जब इसने लगातार तीन साल तक नकारात्मक रिटर्न दिया है।एक अन्य उपयोगकर्ता ने पूछा, क्या मुझे अपना सोना बेच देना चाहिए? मैं ऐसा इंसान हूं, जिसने कभी हाथ में नकद रखने के बारे में नहीं सोचा, लेकिन आपकी पोस्ट ने मुझे इस बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया।वहीं, एक अन्य उपयोगकर्ता ने दंडपाणि की सलाह से अलग राय रखते हुए लिखा कि कुछ बचत जरूर होनी चाहिए, लेकिन घर और कार खरीदने के लिए लोन लेने में उसे कोई बुराई नहीं लगती।उस उपयोगकर्ता ने कहा कि यदि बाजार बुरी तरह गिर जाए और आर्थिक संकट आ जाए तो वित्त मंत्रालय पूरे देश में दो-तीन साल के लिए ऋण की मासिक किस्त टालने का विकल्प दे सकता है और कुछ ब्याज का बोझ भी उठा सकता है, जैसा कोविड के समय हुआ था।उन्होंने यह भी तर्क दिया कि यदि लोग अत्यधिक सावधानी बरतने लगें और खरीदारी बंद कर दें तो कारोबार प्रभावित हो सकते हैं और बड़ी संख्या में लोगों की नौकरियां जा सकती हैं। उन्होंने दंडपाणि से इतने निराशावादी न बनने की अपील की।दंडपाणि की पोस्ट में संभावित आर्थिक कठिनाइयों से निपटने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर वित्तीय तैयारी पर जोर दिया गया है। हालांकि, सोशल मीडिया पर आई प्रतिक्रियाओं से स्पष्ट है कि उनकी सलाह को लेकर लोगों की राय अलग-अलग है। कुछ लोग अधिक बचत और कम कर्ज को आर्थिक सुरक्षा के लिए जरूरी मान रहे हैं, जबकि अन्य का कहना है कि अत्यधिक सावधानी से उपभोग और आर्थिक गतिविधियों पर भी असर पड़ सकता है।

ओवैसी...

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में गठबंधन को लेकर अब दूसरी राजनीतिक पार्टियों को फैसला करना है। उनकी पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। जब भी किसी दल के साथ गठबंधन होगा, इसकी जानकारी सार्वजनिक कर दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अपना राजनीतिक भविष्य खुद तय करेगी और अपना नेतृत्व तैयार करेगी। उत्तर प्रदेश में अगले वर्ष की शुरुआत में विधानसभा की सभी 403 सीटों के लिए चुनाव प्रस्तावित हैं। एआईएमआईएम ने इससे पहले भी कहा था कि वह उत्तर प्रदेश में गठबंधन के विकल्प खुले रखेगी और गठबंधन होने की स्थिति में इसकी घोषणा करेगी।

ओवैसी ने उन राजनीतिक दलों पर भी सवाल उठाए, जो चुनाव हारने के लिए कभी उनकी पार्टी के चुनाव लड़ने और कभी मतों की चोरी को जिम्मेदार ठहराते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष को स्पष्ट करना चाहिए कि वह चुनाव में हार के लिए किसे जिम्मेदार मानता है।

उनके मुताबिक, यदि एक ओर चुनाव में हार के लिए एआईएमआईएम के चुनाव लड़ने को जिम्मेदार ठहराया जाता है और दूसरी ओर मतों की चोरी का आरोप लगाया जाता है, तो दोनों तर्कों को एक साथ रखने पर सवाल खड़े होते हैं।

ओवैसी के ताजा बयान के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले एआईएमआईएम के संभावित गठबंधन को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हुई है। हालांकि, 1 अक्टूबर तक पार्टी की ओर से किसी संभावित सहयोगी दल का नाम घोषित नहीं किया गया था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 02 अक्टूबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

सीएसआईआर – राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह संपन्न

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीएसआईआर – राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान में 30.09.2026 को दुपहर 2.15 बजे हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह संस्थान के एस.बी. हाल में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. एच.वी.एस. सत्यनारायणा ने की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध विज्ञान संचारक एवं वैज्ञानिक डॉ. चन्द्र मोहन नौटियाल जी उपस्थित हुए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. चन्द्र मोहन नौटियाल जी ने पृथ्वी के परे जीवन शीर्षक व्याख्यान दिया। अपने वक्तव्य के दौरान सरल एवं सुबोध हिन्दी में सौर मंडल, आकाश गंगा, सौर मंडल के विभिन्न ग्रहों के साथ पृथ्वी का संबंध, मंगल पर जीवों का अन्वेषण और उस ग्रह की भौगोलिकी, ड्रेक समीकरण, कार्ल सागन आदि पाश्चात्य वैज्ञानिकों की अवधारणाएँ, उड़न तश्तरी, (यू एफ ओ), पृथ्वी पर जीवन का संभवन, जीवन के आरंभ के बारे में कुछ विचार, सौर मंडल के अन्य ग्रहों जैसे कि चांद, बुध, शुक्र (भोर का तारा), इन ग्रहों के वातावरणों की विशेषताएँ, मंगल पर आँधी, रेगिस्तान, पानी के बहाव चिह्न, बृहस्पति ग्रह, और उसके उपग्रह, शनि ग्रह के उपग्रह, उल्का पिंडों के प्रकार, अंटार्कटिका में मिले उल्का पिंडों के प्रमाण, ड्वार्फ तारे, पृथ्वीतर सभ्यताओं के संदेश, पृथ्वी के परे जीवन के अन्–वेषण में भारत के प्रयास आदि बिन्दुओं पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। अंत में उन्होंने दर्शकों के प्रश्नों के उत्तर दिए।

संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. एच.वी.एस. सत्यनारायणा जी ने एनज–ीआआई–स्मृति चिह्न और शाल के साथ डॉ. चन्द्र मोहन नौटियाल जी का सम्मान किया। इससे पहले माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का हिन्दी दिवस के अवसर पर दिए गए संदेश को दर्शकों के लिए पढ़कर सुनाया गया।

अपने अध्यक्षीय भाषण में संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. एच.वी.एस. सत्यनारायणा जी ने हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. चन्द्र मोहन नौटियाल जी और सभा में उपस्थित सभी अधिकारी, कर्मचारियों, शोध छात्रों, संविदा कर्मियों का स्वागत किया। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने राजभाषा संबंधी इस आयोजन के लिए हिन्दी अनुभाग को बधाई दी और उम्मीद जताई कि इस गति को बनाए रखते हुए संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन को और आगे ले जाएंगे। उन्होंने राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2026–27 के वार्षिक कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के लिए हिंदी के प्रयोगों से संबंधित निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कुछ सुझाव दिए – जैसे कि संस्थान में हिंदी पत्राचार को बढ़ावा दिया जाए। फाइलों पर हिंदी में टिप्पण और प्रारूपण को प्रोत्साहित किया जाए। आज के डिजिटल युग में राजभाषा कार्यान्वयन को ई–ऑफिस और डिजिटल माध्यमों से जोड़ा जाए। तकनीकी एवं वैज्ञानिक संस्थान होने के नाते विज्ञान के प्रचार–प्रसार में हिन्दी के प्रयोग को और अधिक प्रभावी बनाने चाहिए। उन्होंने पूरा विश्वास व्यक्त किया है कि श्रेष्ठ भारत – सशक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत में हिन्दी का राजभाषा के रूप में अधिकाधिक प्रयोग कर हमारे देश को एक विकसित एवं सशक्त देश के रूप में प्रतिष्ठित कर सकते हैं।

इस अवसर पर संस्थान के प्रशासन नियंत्रक श्री अंटोनी पीटर राजा जी ने कहा कि आज हम हिन्दी पखवाड़े के समापन समारोह के अवसर पर एकत्रित हुए हैं। हिन्दी पखवाड़ा केवल प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों तक सीमित आयोजन नहीं है, बल्कि यह कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को व्यक्त करने का अवसर भी है। हमारे कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का प्रयोग जितना अधिक सहज और स्वाभाविक होगा, उतना ही राजभाषा हिन्दी का उद्देश्य सार्थक होगा। हिन्दी में काम करना केवल राजभाषा नीति का पालन करना नहीं है, बल्कि यह हमारे कार्य को अधिक व्यापक और जनसुलभ बनाने का भी माध्यम है। हम अपने कार्यालयीन पत्राचार, टिप्पणियों, प्रारूपों तथा दैनिक कार्यों में जहाँ संभव हो, सरल और सहज हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करें। अंत में, उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया है कि हम सब मिलकर कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा दें और राजभाषा के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। उन्होंने हिन्दी पखवाड़े के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।

इस अवसर पर संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक एवं हिन्दी पखवाड़ा आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र कुमार जी ने कहा कि इस पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या (158) में कर्मचारी वर्ग ने भाग लिया। उन्होंने आगे कहा कि इस पखवाड़े दौरान आयोजित आंतरिक हिन्दी व्याख्यान कार्यक्रम के अंतर्गत वैज्ञानिक–जी डॉ. विनीत कुमार गह्लौत जी ने सरल हिन्दी में हैदराबाद, क्या हाल चाल है शीर्षक व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि आजकल आपको मात्र एक सकारात्मक मानसिकता की आवश्यकता है, हिन्दी में काम करने के लिए। क्योंकि आजकल कई ऐसे डिजिटल साधन उपलब्ध है जिनकी मदद से राजभाषा हिन्दी में बहुत ही आसानी से कार्य किया जा सकता है। आपको सिर्फ प्रयास करने और सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्कंधों के कर्मचारियों से आग्रह किया है कि वे भी अपने तकनीकी काम में हिन्दी को भी स्थान दें। अंत में उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायी कार्यक्रम है।

उन्होंने पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों के बारे में बताया।

इस समारोह में पखवाड़े दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त कर्मचारियों और उनके परिवार सदस्यों को मुख्य अतिथि के कर कमलों से पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का शुभारम्भ वंदेमातरम गीत से हुआ। मंच पर अतिथियों का स्वागत, मुख्य अतिथि का परिचय, तथा गणमान्य अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक श्री अजीत कुमार ने प्रस्तुत किया, और राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। पूरे कार्यक्रम का समन्वयन एवं संचालन संस्थान के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी श्री चि.वें. सुब्बाराव ने किया।

निस्वार्थ सेवा में ही मानवता की सच्ची शक्ति, जरूरतमंद की मुस्कान ही सबसे बड़ा संतोष : महेश अग्रवाल

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास गुरुवार को नियमित सेवा एवं अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा कार्य के दौरान उपस्थित सदस्यों ने मानव सेवा को जीवन का महत्वपूर्ण संकल्प बताते हुए समाज में जरूरतमंदों की सहायता के लिए निरंतर आगे आने का आह्वान किया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। सेवा वह भावना है, जिसमें व्यक्ति अपने सुख से पहले किसी दूसरे की जरूरत को समझता है और बिना किसी अपेक्षा के उसके

काम आता है।महेश अग्रवाल ने कहा कि आज के व्यस्त जीवन में यदि हम किसी जरूरतमंद के लिए कुछ समय निकाल सकें, उसके लिए अन्न की व्यवस्था कर सकें या उसके चेहरे पर कुछ क्षणों के लिए मुस्कान ला सकें तो इससे बड़ी मानवता की मिसाल और कोई नहीं हो सकती। सेवा के लिए हमेशा बड़ी संपत्ति या बड़े साधनों की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि सबसे जरूरी चीज मन में सेवा का भाव है।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भगत राम गोयल, नंद किशोर अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, सुरेश सिंघल, कैलाश केडिया, जगन गुप्ता, नंदगोपाल, जितेंद्र सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान में मनाया गया हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

क्षेत्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्रभारी डॉ. पी. हिमा बिंदु ने राजभाषा हिंदी में काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि आज राजभाषा हिंदी कार्यालयीन कार्यों से बढ़कर ज्ञान–विज्ञान और अनुसंधान की भाषा बनती जा रही है। हमारे अनुसंधान संस्थान में विभिन्न मातृभाषी के चिकित्सक और शोधार्थी हैं। ऐसी स्थिति में हिंदी इनके बीच संवाद की भाषा के

रुप में काम करती है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को उद्धृत करते हुए संस्थान प्रभारी ने कहा कि हिंदी विभिन्न भारतीय भाषाओं के शब्दों से समृद्ध होगी। इसकी अभिव्यक्ति शैली और प्रभाव विभिन्न भारतीय भाषाओं में समाहित है।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. सौरभ कुमार ने हिंदी पखवाड़ा के विजेताओं को बधाई देते हुए सभी कर्मचारियों, अधिकारियों को कंप्यूटर और मोबाइल में हिंदी काम करने के विभिन्न टूल्स से परिचय कराया। उन्होंने देवनागरी इन्स्क्रिप्ट का व्यवहारिक परिचय कराते हुए कहा कि हमें अपनी भाषा में टाइपिंग के लिए अपनी लिपि का ही उपयोग करना चाहिए। इससे टाइपिंग में भी सटीकता आती है, वर्तनीगत अशुद्धियां कम से कम होती हैं, समय बचता है और इन सबसे बढ़कर अपनी लिपि और भाषा से हम अधिक से अधिक जुड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी पखवाड़ा के विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिए सभी प्रतिभागियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। हिंदी के प्रति यह प्रदर्शन वर्ष भर टूटना नहीं चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ. किरणमयी ने कहा कि हमें घर में मातृभाषा और कार्यालय में राजभाषा का मंत्र अपनाना चाहिए।

उन्होंने संस्थान के प्रभारी डॉ. हिमाबिंदु के राजभाषा दायित्व के प्रति प्रतिबद्धता का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे संस्थान के हरेक कोने में राजभाषा हिंदी के शब्द और वाक्य आपसभी को दिख जाएंगे।

साथ ही उन्होंने मुख्य अतिथि डॉ. सौरभ कुमार के हिंदी के व्यहारिक ज्ञान की प्रशंसा करते हुए सभी प्रतिभागियों के प्रदर्शन की सराहना की।

विश्व शांति के लिए नमोत्थुणं जप महाकुंभ 4 को

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ (ग्रेटर हैदराबाद) के प्रतिनिधियों ने घोषणा की है कि विश्व शांति की प्रार्थना के लिए 4 अक्टूबर, 2026 को हैदराबाद में एक विशाल आध्यात्मिक सामूहिक जाप आयोजन 'नमोत्थुणं जप महाकुंभ' आयोजित किया जाएगा। हैदराबाद के बशीरबाग स्थित देशोद्धारक भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अध्यक्ष स्वरूप चंद कोठारी, अध्यक्ष आन राज बाफना, कार्यकारी अध्यक्ष विनोद किमठी, महासचिव पवन कटारिया, मुख्य संयोजक अशोक थतेड व सुरेश सिसौदिया और उपाध्यक्ष नेमी चंद व धर्मेंद्र नाहर ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रसिद्ध जैन गुरु आचार्य ज्ञानचंदजी महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।विश्व शांति को बढ़ावा देने, आत्मा को शुद्ध करने, कर्मों का क्षय करने और तीर्थंकरों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से यह विशाल 'नमोत्थुणं जप महाकुंभ' 4 अक्टूबर को सिकंदराबाद के सिख विलेज स्थित इंपीरियल गार्डन्स में आयोजित होगा। प्रेस वार्ता में बताया गया कि 'नमोत्थुणं जप' (मंत्रोच्चार) सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक निरंतर चलेगा। इस महाकुंभ में देशभर के विभिन्न राज्यों से 1,008 जोड़ों सहित लगभग 3,000 श्रद्धालुओं के भाग लेने की उम्मीद है। संघ की ओर से अधिक से अधिक संख्या में श्रावकों से इस सामूहिक जाप कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाने की अपील की गई।अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस और महात्मा गांधी जयंती के साथ–साथ ज्ञानचंदजी महाराज के 52वें जन्मदिन के अवसर पर शांति और अहिंसा के सार्वभौमिक संदेश को प्रसारित करने के लिए 2 अक्टूबर की सुबह एक 'तिरंगा अहिंसा कार रैली' आयोजित की जा रही है। यह रैली हैदराबाद के जल विहार से शुरू होकर टैंक बंड का चक्कर लगाते हुए वापस जल विहार पहुंचेगी।कार रैली के पश्चात, हैदराबाद के निचले टैंक बंड (लोअर टैंक बंड) स्थित भाग्य नगर गौशाला में दो दिवसीय 'धर्म सभा' (धार्मिक सभा) का आयोजन किया जाएगा। इसमें विभिन्न राज्यों के 800 प्रतिनिधि और स्थानीय राज्य के 2,000 प्रतिनिधि भाग लेंगे। स्वरूप चंद कोठारी ने विश्व शांति के लिए ''राष्ट्र प्रथम– धर्म बाद में'' के ध्येय वाक्य (मोटो) के साथ आयोजित की जा रही इस दो दिवसीय सभा में समाज के सभी वर्गों के लोगों से भाग लेने और इसे सफल बनाने की अपील की।

स्वच्छ भारत अभियान में महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद की सक्रिय सहभागिता

एक दिन, एक घंटा, एक साथ अभियान के तहत स्वच्छता का दिया संदेश

स्वच्छ भारत–हरित भारत का संकल्प लेकर स्वच्छता कर्मियों एवं स्कूली बच्चों को बांटी गईं 50 सफेद टोपियां

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत एक दिन, एक घंटा, एक साथ तथा स्वच्छ भारत–हरित भारत के संदेश के साथ 1 अक्टूबर 2026 को सुबह 8 से 9 बजे तक सिकंदराबाद स्थित सिख विलेज सर्कल में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद ने कैंटोनमेंट बोर्ड द्वारा आयोजित इस स्वच्छ भारत अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद की ओर से बताया गया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर आयोजित स्वच्छ भारत अभियान में संस्था को सहभागी बनने का अवसर प्राप्त हुआ। संस्था ने इस महत्व–पूर्ण स्वच्छता अभियान में भाग लेने का अवसर प्रदान करने के लिए कैंटोनमेंट बोर्ड का हृदय से आभार व्यक्त किया।

स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाने में योगदान और सहयोग के लिए महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद के चेयरमैन वीर विनोद संचेती जी, वीर अशोक खींचा जी एवं वीर दिलीप सेठिया जी को सेनेटरी इंस्पेक्टर श्री पुष्पेंद्र गरु द्वारा सम्मानित किया गया।

सम्मान एवं प्रोत्साहन के रूप में महावीर इंटरनेशनल की ओर से 50 सफेद टोपियां स्वच्छता कर्मियों एवं स्कूली बच्चों को वितरित की गईं। इन टोपियों का वितरण वीर विनोद अंश संचेती जी द्वारा किया गया। इसका उद्देश्य स्वच्छता कर्मियों की अमूल्य सेवा तथा स्कूली बच्चों की सहभागिता का

सम्मान एवं उत्साहवर्धन करना था।

कार्यक्रम में अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं नेताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए इस महत्वपूर्ण स्वच्छता अभियान को समर्थन दिया। उपस्थित लोगों ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ वातावरण के निर्माण के लिए सामूहिक रूप से योगदान देने का संदेश दिया।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने दैनिक जीवन में छोटे–छोटे प्रयासों को अपनाएं। संस्था की ओर से विशेष रूप से संदेश दिया गया–

प्लास्टिक को ना कहें।
जल बचाएं।
पेड़ बचाएं।
पर्यावरण बचाएं।

संस्था ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की निरंतर जिम्मेदारी है। स्वच्छ वातावरण के साथ हरित और स्वस्थ भारत का निर्माण सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद के चेयरमैन वीर विनोद संचेती जी हमेशा पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जागरूकता से जुड़े कार्यों के प्रति उत्साह एवं प्रतिबद्धता दिखाते रहे हैं।

संस्था की ओर से भी विभिन्न सेवा एवं जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से समाज में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जाता रहा है।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे मिलकर स्वच्छ, हरित और स्वस्थ भारत बनाने में अपना योगदान दें। संस्था ने इस सेवा एवं स्वच्छता अभियान में भाग लेने का सुंदर अवसर प्रदान करने के लिए कैंटोनमेंट बोर्ड का हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया।

अग्रसेन जयंती पर विशेष पूजा एवं 15 नवंबर को अन्नकूट प्रसाद का आयोजन

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मलकपेट शाखा की बैठक भाग्यलक्ष्मी ढाबा, मलकपेट में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ सभी सदस्यों द्वारा महाराजा अग्रसेन भगवान की पूजा–अर्चना के साथ हुआ।

शाखा अध्यक्ष पंकज संघी ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। सचिव प्रदीप बंसल ने पिछली बैठक की कार्यवाही सदन के समक्ष प्रस्तुत की, जिसे उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि अग्रसेन जयंती के अवसर पर शाम 4 बजे ग्यारसीलालजी की दुकान पर महाराजा अग्रसेन भगवान की विशेष पूजा–अर्चना की जाएगी। साथ ही, 15 नवंबर को उप्पल स्थित आत्म गौरव भवन में अन्नकूट प्रसाद का आयोजन करने का निर्णय लिया गया।

अध्यक्ष पंकज संघी ने उपस्थित सदस्यों को अग्रवाल समाज तेलंगाना की केंद्रीय समिति की विभिन्न गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने सभी सदस्यों से समाज की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया।

बैठक में अध्यक्ष पंकज संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सचिव प्रदीप बंसल, संयुक्त सचिव शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, केंद्रीय समिति सदस्य हरिश चंद्र बजाज, सलाहकार महावीर प्रसाद अग्रवाल एवं लाजपत राय गुप्ता सहित संजीव गोयल, सतीश बंसल, आनंद अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, जितेश सिंघानिया, गोपाल मोदी, नितिन अग्रवाल, मलकपेट महिला शाखा अध्यक्ष रेखा अग्रवाल, मलकपेट युवा मोर्चा अध्यक्ष हर्ष बंसल एवं जितेंद्र गोयल उपस्थित रहे। अंत में संयुक्त सचिव शैलेश अग्रवाल ने सभी सदस्यों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

पाकिस्तानी कोस्टमैटिक प्रसाधनों का हैदराबाद में 'अवैध कारोबार' उजागर

प्रतिबंधित देश से माल की कथित आपूर्ति पर शिकंजा, 7 लाख रुपये के सौंदर्य प्रसाधन जब्त

हबीबनगर और नामपल्ली की तीन दुकानों पर टास्कफोर्स–सीडीएससीओ की संयुक्त कार्रवाई, भारी मात्रा में पाकिस्तानी उत्पाद बरामद

गोरी, चांदनी, फैज, नाविया, गोल्डन पर्ल और सदाफ सहित कई ब्रांड जांच के घेरे में, आवश्यक आयात पंजीकरण का अभाव

गोरी और चांदनी क्रीम में निर्धारित सीमा से अधिक भारी धातु पाए जाने की सीडीएससीओ की चेतावनी से बढ़ी चिंता

मुंबई के एक डीलर से हैदराबाद तक पहुंची कथित आपूर्ति की कड़ी, संतोषनगर में भी अनधिकृत उत्पादों की बिक्री का खुलासा

हैदराबाद। 01 अक्टूबर(शुभ लाभ ब्यूरो)
शहर में देश विरोधी पाकिस्तान से आने वाले कोस्टमेटिक सामान के आयात पर केंद्र सरकार के प्रतिबंध के बीच हैदराबाद में पाकिस्तान निर्मित सौंदर्य प्रसाधनों की कथित अवैध आपूर्ति का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया है। हबीबनगर और नामपल्ली क्षेत्र में टास्कफोर्स तथा केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की संयुक्त कार्रवाई में करीब 7 लाख रुपये मूल्य के सौंदर्य प्रसाधन जब्त किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में कई उत्पादों के लिए भारत में आवश्यक आयात पंजीकरण प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आई है।

मामला केवल अवैध बिक्री तक सीमित नहीं
यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब केंद्र सरकार ने पाकिस्तान मूल या पाकिस्तान से निर्यात होने वाले सामान के प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष आयात और पारगमन पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। 2 मई 2025 की विदेश व्यापार महानिदेशालय की अधिसूचना में सरकार ने इस प्रतिबंध का आधार राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति बताया था। ऐसे में पाकिस्तान निर्मित उत्पादों का भारतीय बाजार में पहुंचना उनकी आपूर्ति श्रृंखला और भारत में प्रवेश के रास्ते को लेकर गंभीर जांच का विषय बन गया है।

हैदराबाद में तीन दुकानों पर एक साथ कार्रवाई
30 सितंबर को हैदराबाद टास्कफोर्स की राजेंद्रनगर क्षेत्र की टीम ने सीडीएससीओ अधिकारियों के साथ हबीबनगर और नामपल्ली इलाके में कार्रवाई की। जांच के दौरान ब्यूटी लेडीज एम्पोरियम, ब्यूटी क्वीन शॉप और एस.जे. मेडिकल शॉप में तलाशी ली गई। यहां पाकिस्तान में निर्मित बताए जा रहे विभिन्न सौंदर्य प्रसाधन पाए गए। अधिकारियों ने करीब 7 लाख रुपये का माल जब्त किए जाने की जानकारी दी है।

गोरी से गोल्डन पर्ल तक उत्पाद जांच के घेरे में
तलाशी के दौरान गोरी, चांदनी, फैज, नाविया, गोल्डन पर्ल और सदाफ सहित कई ब्रांड के त्वचा को गोरा करने वाली क्रीम, साबुन और अन्य सौंदर्य प्रसाधन मिलने की जानकारी सामने आई है। फेस फ्रेश, स्टिलमैन्स और नूर गोल्ड जैसे उत्पादों का भी उल्लेख किया गया है। अधिकारियों की जांच अब इस बात पर केंद्रित है कि ये उत्पाद कहां निर्मित हुए, भारत तक कैसे पहुंचे और इनके पास आवश्यक दस्तावेज थे या नहीं।

सीडीएससीओ की चेतावनी ने बढ़ाई चिंता
मामले को गंभीर बनाने वाला एक और पहलू सीडीएससीओ की सार्वजनिक स्वास्थ्य चेतावनी है। 8 सितंबर 2026 को जारी चेतावनी में गोरी ब्यूटी क्रीम और चांदनी व्हाइटनिंग क्रीम को लेकर उपभोक्ताओं को सावधान किया गया था। सीडीएससीओ के अनुसार इन उत्पादों के लिए भारत में बिक्री हेतु आवश्यक आयात पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी नहीं किया गया था। नियामक की जांच में निर्धारित सीमा से अधिक भारी धातु पाए जाने की बात भी सामने आई थी।

प्रतिबंध के बावजूद हैदराबाद तक कैसे पहुंचा माल ?
अब जांच का सबसे अहम सवाल यही है कि प्रतिबंधित आयात व्यवस्था के बावजूद पाकिस्तान निर्मित सौंदर्य प्रसाधन हैदराबाद के बाजार तक कैसे पहुंचे। प्रारंभिक पूछताछ में मुंबई के एक डीलर के माध्यम से इन उत्पादों की आपूर्ति होने की जानकारी सामने आने की बात कही गई है। जांच एजेंसियां अब माल के स्रोत से लेकर हैदराबाद तक पहुंचने के पूरे रास्ते की पड़ताल कर रही हैं।

मुंबई से हैदराबाद तक आपूर्ति की कड़ी
जांच एजेंसियों की नजर अब केवल दुकानदारों पर नहीं, बल्कि पूरे आपूर्ति तंत्र पर है। माल किसने खरीदा, किस माध्यम से भारत में पहुंचा, कहां भंडारित किया गया और किन व्यापारियों को इसकी आपूर्ति की गईइन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मुंबई स्थित डीलर की भूमिका भी जांच के दायरे में बताई जा रही है।

संतोषनगर में भी सामने आया मामला
जांच के दौरान संतोषनगर स्थित मदिना कॉस्मेटिक में भी कथित तौर पर अनधिकृत सौंदर्य प्रसाधनों की बिक्री सामने आने की जानकारी मिली है। इससे जांच का दायरा और बढ़ गया है। हालांकि, इस पूरे नेटवर्क में कितने प्रतिष्ठान और कितने लोग शामिल हैं, इसका वास्तविक खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा।
मामले का दूसरा गंभीर पक्ष उपभोक्ताओं की सुरक्षा है। जिन उत्पादों में नियामक जांच के दौरान निर्धारित सीमा से अधिक भारी धातु पाए जाने की बात सामने आई है, उनके इस्तेमाल को लेकर स्वास्थ्य संबंधी चिंता स्वाभाविक है। ऐसे में बिना वैध आयात दस्तावेज और नियामकीय अनुमति के बाजार में पहुंचने वाले उत्पादों की बिक्री पर कार्रवाई को उपभोक्ता सुरक्षा से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

अब निशाने पर पूरा आपूर्ति नेटवर्क
करीब 7 लाख रुपये के उत्पादों की जब्ती के बाद जांच की दिशा अब दुकानों से आगे बढ़कर उनके पीछे मौजूद आपूर्ति नेटवर्क की ओर है। यदि जांच में प्रतिबंधित आयात, गलत घोषणा, तस्करी या अन्य कानूनी उल्लंघन प्रमाणित होते हैं, तो संबंधित लोगों और संस्थाओं के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जा सकती है। हैदराबाद में सामने आया यह मामला सिर्फ कुछ दुकानों से सौंदर्य प्रसाधन जब्त किए जाने तक सीमित नहीं है। एक ओर प्रतिबंधित आयात व्यवस्था का सवाल है, तो दूसरी ओर ऐसे उत्पादों की उपलब्धता का मुद्दा है जिनके संबंध में देश की सर्वोच्च औषधि नियामक संस्था ने स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी जारी की है। अब असली चुनौती उस नेटवर्क की तह तक पहुंचना है, जिसके माध्यम से ये उत्पाद बाजार में पहुंचे। जांच आगे बढ़ने के साथ यह भी स्पष्ट होगा कि इस कथित अवैध आपूर्ति के पीछे कौन–कौन लोग और कौन–कौन से कारोबारी चैनल सक्रिय थे।

54वें रामायण मेले के लिए विभिन्न समितियों का गठन

दशहरा सम्मेलन के तहत 11 से 20 अक्टूबर तक नुमाइश मैदान में होगा आयोजन

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राजस्थानी प्रगति समाज एग्जिबिशन समिति द्वारा आयोजित दशहरा सम्मेलन के अंतर्गत 11 अक्टूबर 2026, रविवार से 20 अक्टूबर 2026, मंगलवार तक नुमाइश मैदान में आयोजित होने वाले 54वें रामायण मेले की तैयारियों को लेकर हसमत गंज समाज में बैठक आयोजित की गई। बैठक राजस्थानी प्रगति समाज के महामंत्री एवं प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

भव्य एवं सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का प्रारंभिक स्तर पर गठन
राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल, महामंत्री एवं मेला प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 54वें रामायण मेले को भव्य एवं सफल बनाने के उद्देश्य से प्रारंभिक स्तर पर विभिन्न समितियों एवं उनके संयोजकों का गठन किया गया है। समयानुसार इन समितियों का विस्तार भी किया जाएगा।
प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार गिरधारी लाल डागा कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। वहीं श्रीमती कलावती जाजू, रमेश कुमार बंग, मनोज जायसवाल, नंद गोपाल भट्टड, सुमित राठी, श्रीमती शकुंतला नवंदर, रामदेव नगला, श्रीमती प्रेमलता काकणी, कोलेरू पवन कुमार, राजेंद्र कुमार सांखला, पवन मिश्रा एवं श्रीनिवास लोया को मेला संयोजक बनाया गया है।

विभिन्न आयोजनों की जिम्मेदारियां सौंपी गईं
घट स्थापना के संयोजक के रूप में रमेश चंद्र व्यास, जुगल किशोर सोनी एवं लक्ष्मीकांत पांडे को जिम्मेदारी दी गई है। मानव झांकियों की संयोजक श्रीमती सुरेखा सारडा एवं श्रीमती अंजना अटल को बनाया गया है। कवि सम्मेलन की संयोजक श्रीमती रूबी मिश्रा एवं सविता सोनी रहेंगी।
प्रश्न मंच के संयोजक श्याम लता नावंदर तथा भजन अंताक्षरी के संयोजक श्रीमती संगीता भूतड़ा एवं श्याम लता नवानदार को बनाया गया है। डांडिया आयोजन के संयोजक घनश्याम तोषनीवाल एवं लक्ष्मीकांत पांडे को बनाया गया है।
व्यवस्था एवं आयोजन को सुचारू बनाने के लिए दामोदर तिवारी, रूपम तुरखिया, विजय कुमार, विनोद कुमार, मणिकांत, प्रकाश, निशांत एवं सुरेश को व्यवस्थापक संयोजक बनाया गया है।
बैठक में गोविंद नारायण राठी, गिरधारी लाल डागा, मनोज जायसवाल, शकुंतला नवंदर, कलावती जाजू, लक्ष्मीकांत पांडे, रामदेव नगला, दामोदर तिवारी, सविता सोनी, पुरुषोत्तम कड़ेल, श्याम लता नवानदार, कमला राठी, उमा देवी सोनी एवं अन्य उपस्थित थे।
श्रीमती शकुंतला नावंदर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष जी.एम.सी. बालयोगी को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने बुधवार को पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्री जी.एम.सी. बालयोगी की जयंती के अवसर पर संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।
इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश, संसद सदस्य, पूर्व सांसद तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी श्री जी.एम.सी. बालयोगी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।
लोकसभा के महासचिव श्री उत्पल कुमार सिंह तथा राज्यसभा के महासचिव श्री पी.सी. मोदी ने भी संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में श्री बालयोगी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।
श्री जी.एम.सी. बालयोगी बारहवीं लोकसभा के अध्यक्ष रहे तथा तेरहवीं लोकसभा में भी पुनः लोकसभा अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के रूप में संसदीय कार्यप्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
श्री बालयोगी का चित्र श्री हिम चटर्जी द्वारा बनाया गया था। यह चित्र संविधान सदन की बाहरी लॉबी में स्थापित है। तत्कालीन राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने 10 फरवरी, 2014 को इस चित्र का अनावरण किया था।

केटीआर की संपत्तियों को लेकर रेवंत रेड्डी के गंभीर आरोप

हैदराबाद, 01 **अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) और उनके परिवार की संपत्तियों को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। 30 सितंबर को सिरसिल्ला में आयोजित एक सार्वजनिक सभा में रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद में स्थित डेक्कन सेराई, एट होम सर्विस्ड अपार्टमेंट्स तथा हाईटेक सिटी के आसपास स्थित होटल संपत्तियों के स्वामित्व को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने केटीआर से इन संपत्तियों के संबंध में स्पष्टीकरण देने की मांग की।
मुख्यमंत्री के आरोपों के अनुसार हाईटेक सिटी क्षेत्र में करीब 400 कमरों वाली कई होटल संपत्तियां केटीआर, उनकी पत्नी और सास से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने करीब 190 कमरों वाली एक अन्य होटल संपत्ति का भी उल्लेख किया। रेवंत रेड्डी ने बंजारा हिल्स और जुबली हिल्स में संपत्तियों तथा अमेरिका और सिंगापुर में कथित निवेश का भी जिक्र किया।
रेवंत रेड्डी ने जनवाड़ा, शंकरपल्ली, मोइनाबाद और एर्राविली स्थित फार्महाउसों को लेकर भी सवाल उठाए और इन संपत्तियों के स्वामित्व तथा उन्हें हासिल करने के तरीके पर जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि इन संपत्तियों को लेकर आगे भी सवाल उठाए जाएंगे।हालांकि, होटल संपत्तियों के स्वामित्व को लेकर उपलब्ध सार्वजनिक दस्तावेज अलग तस्वीर भी पेश करते हैं। अप्रैल 2026 की एक क्रेडिट रेटिंग रिपोर्ट के अनुसार एट होम हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों में श्रीधर तेलुकुंतला, पट्टाभि रामा राव चिलुकुरी और शैलिमा कलवकुंतला के नाम दर्ज हैं। रिपोर्ट में एट होम के सर्विस्ड अपार्टमेंट्स, होटल डेक्कन सेराई और डेक्कन सेराई ग्रांडे का उल्लेख है। इसमें डेक्कन सेराई को 3–स्टार और डेक्कन सेराई ग्रांडे को 5–स्टार होटल बताया गया है।
जनवाड़ा फार्महाउस को लेकर भी सार्वजनिक रिकॉर्ड और संबंधित पक्ष का बयान सामने आया है। सितंबर 2026 में संपत्ति के मालिक प्रदीप रेड्डी ने कहा था कि फार्महाउस उनका है और केटीआर उसका उपयोग लीज के आधार पर कर रहे थे। उन्होंने केटीआर के किसी स्वामित्व हित से इनकार किया था।

कर्ज ने मिटा दी रिश्ते की मर्यादा

यादाद्रि भुवनगिरी, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चौटुप्पल मंडल के तुप्पनपेट गांव में 70 वर्षीय यदम्मा की संदिग्ध मौत का मामला जांच के बाद हत्या में बदल गया। पुलिस ने मामले में उनके रिश्तेदार मंटिपल्ली राजू (31) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आर्थिक परेशानी और कर्ज के दबाव के चलते आरोपी ने कथित तौर पर यदम्मा की हत्या की।27 सितंबर को यदम्मा अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गईं। घटना की जानकारी मिलने के बाद उनके भतीजे दर्शन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में मौत संदिग्ध मानी गई।पोस्टमार्टम के दौरान यदम्मा के शरीर पर चोटों के निशान पाए गए। इसके बाद पुलिस ने हत्या के पहलू से जांच आगे बढ़ाई। घटनास्थल के साथ–साथ मृतका के संपर्क में रहने वाले लोगों और उपलब्ध तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच की गई।
जांच के दौरान मिले तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस का संदेह मंटिपल्ली राजू पर गया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान राजू ने यदम्मा की हत्या करने की बात स्वीकार की।पुलिस के अनुसार, राजू आर्थिक संकट से गुजर रहा था। उस पर कर्ज था और मासिक किस्तें चुकाने में भी परेशानी हो रही थी। पुलिस का दावा है कि इसी आर्थिक दबाव के बीच उसने यदम्मा को निशाना बनाया।पुलिस के मुताबिक, हत्या के बाद राजू यदम्मा के पास मौजूद सोने और चांदी के आभूषण लेकर चला गया। पुलिस अब कथित तौर पर ले जाए गए आभूषणों और वारदात से जुड़े अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है।पुलिस ने मंटिपल्ली राजू को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और हत्या से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है।तुप्पनपेट की इस घटना के बाद गांव में चर्चा का माहौल है। आर्थिक परेशानी और कर्ज के दबाव के बीच हुई इस कथित हत्या ने लोगों को झकझोर दिया है।

बिरुधु राजमल्लन्ना की सेवाएं अविस्मरणीय : उप्पू राजन्ना

पेद्दापल्ली, 1 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वर्गीय श्री बिरुधु राजमल्लन्ना की 76वीं जयंती के अवसर पर पेद्दापल्ली जिला केंद्र स्थित श्री अयप्पा स्वामी मंदिर चौक (एनटीआर प्रतिमा के पास) में उनके करीबी भाई एवं वरिष्ठ अधिवक्ता उप्पू राजन्ना के तत्वावधान में जयंती समारोह आयोजित किया गया।
इस अवसर पर उप्पू राजन्ना ने कहा कि राजमल्लन्ना ने अंतिम सांस तक गरीबों और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए कार्य किया। वे स्वर्गीय नंदामुरी तारक रामाराव के कट्टर प्रशंसक थे और उनके द्वारा स्थापित तेलुगु देशम पार्टी में शामिल होकर सक्रिय भूमिका निभाई। वर्ष 1994 में पेद्दापल्ली विधानसभा क्षेत्र की जनता के आशीर्वाद से वे पूर्ण बहुमत से विधायक निर्वाचित हुए और लगातार जनसमस्याओं के समाधान तथा क्षेत्र के विकास के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार के सचेतक एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंताकुंटा विजयारमण राव के सहयोग से राजमल्लन्ना की प्रतिमा स्थापित करने तथा उनके अधूरे सपनों को साकार करने के लिए परिवारजन एवं प्रशंसक मिलकर प्रयास करेंगे।

सनथनगर स्थित लोढ़ा कासा पैराडाइसो में मतदाता सूची से संबंधित फॉर्म में सुधार एवं आवश्यक जानकारी अपडेट करने का कार्य किया गया। इस दौरान सपना गुप्ता, मोनिका, सुपरवाइजर एवं अन्य संबंधित लोगों ने मतदाताओं के फॉर्म की जांच कर आवश्यक सुधार किए।

निस्वार्थ सेवा से ही सार्थक होता है जीवन : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने बुधवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा के दौरान जरूरतमंदों को अन्नसेवा प्रदान की गई।
इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारी और संस्कारों की पहचान है। जब किसी जरूरतमंद के जीवन में सहायता के रूप में हमारे हाथ आगे बढ़ते हैं, तभी सेवा का वास्तविक उद्देश्य पूरा होता है।
जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से की जा रही अन्नसेवा का उद्देश्य किसी प्रकार का दिखावा करना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाकर मानव सेवा की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि भोजन का एक निवाला किसी भूखे व्यक्ति के लिए बहुत बड़ा सहारा बन सकता है। इसलिए अन्नसेवा को निरंतर जारी रखना समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण दायित्व है।
उन्होंने कहा कि सेवा में धन से अधिक भावना का महत्व होता है। यदि मन में करुणा, समर्पण और सहयोग की भावना हो तो छोटी–सी सेवा भी किसी के जीवन में बड़ी खुशी ला सकती है। राधे–राधे ग्रुप का प्रयास है कि समाज में आपसी सहयोग, प्रेम और भाईचारे की भावना मजबूत हो तथा हर व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार सेवा कार्यों से जुड़े।
जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि मानव सेवा के साथ गौसेवा भी भारतीय संस्कारों और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।
कार्यक्रम में पन्नालाल अग्रवाल, अनिल धरशुवाले, दीप चंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, शर्मिला कुमार, लता गोयल, जगन गुप्ता एवं महेश गोयल सहित राधे–राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग करते हुए जरूरतमंदों को अन्नसेवा प्रदान की।

बेकाबू कार ने 10 पैदल यात्रियों को रौंदा, चालक वाहन समेत फरार

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो): ईसीआईएल के कमला नगर (कुशाईगुड़ा पुलिस स्टेशन सीमा) में देर रात एक भीषण हिट–एंड–रन हादसा सामने आया है। सड़क किनारे पैदल चल रहे 10 लोगों के समूह को एक अनियंत्रित कार ने जोरदार टक्कर मार दी और चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।यह दुर्घटना 29 सितंबर 2026 की मध्यरात्रि को हुई। पीड़ित बिहार के रहने वाले 10 लोगों का एक समूह था, जो सड़क किनारे चल रहे थे। हादसे में आठ लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें से तीन की हालत अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। बाकी लोगों को मामूली चोटें आई हैं।घटना की पूरी वारदात पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका फुटेज अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फुटेज में स्पष्ट देखा जा सकता है कि तेज रफ्तार कार लोगों को टक्कर मारने के बाद बिना रुके तेजी से आगे निकल गई।सभी घायलों को इलाज के लिए ईसीआईएल स्थित 'सूर्या ऑर्थोपेडिक अस्पताल' में भर्ती कराया गया है। कुशाईगुड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार वाहन व चालक की तलाश की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.